दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 10 अंक : 143 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, मंगलवार 17 जून, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 2 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

प्रवासी राजस्थानियों के लिए भजनलाल सरकार करेगी नए विभाग का गठन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थानियों ने अपने सामर्थ्य की बदौलत विश्वभर में प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि पर काम करते हुए मातृभूमि पर सामाजिक सरोकारों के कार्यों में पूर्ण रूप से समर्पित होकर कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के योगदान के सम्मान में राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए समयबद्ध रूप से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की सहूलियत और उनके मुद्दों के लिए हमने कई कदम उठाए हैं। राज्य सरकार उनके लिए एक नए विभाग का गठन करने जा रही है। साथ ही, सभी जिलों में अतिरिक्त जिला कलक्टर को प्रवासी राजस्थानियों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए नोडल अधिकारी बनाने के संबंध में आदेश व गाइडलाइन भी जारी हो चुकी है। इस सिंगल प्वाइंट कॉन्टैक्ट के माध्यम से प्रवासी भाई-बहनों के विषयों पर त्वरित कार्यवाही होगी। शर्मा ने अधिकारियों को इस संबंध में कार्य प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले प्रवासी राजस्थानियों का होगा सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर में आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी शामिल होंगे। सम्मेलन में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत सहयोग प्रदान कर रहे प्रवासी राजस्थानियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही सामाजिक, आर्थिक व औद्योगिक आदि क्षेत्रों में योगदान व उपलब्धि अर्जित करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मेलन में सम्मानित भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा की पहल पर हर वर्ष 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की शुरूआत की गई है।

राजस्थान फाउंडेशन करे नई कार्यकारिणी का गठन, जोड़ें सक्रिय सदस्य

शर्मा ने कहा कि आपणो अग्रणी राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग लिया जाए। अधिकारी प्रवासी राजस्थानियों से नियमित संपर्क करें और उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स के मनोनीत अध्यक्ष नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कर सक्रिय लोगों को जोड़ें। फाउंडेशन अपने विभिन्न चैप्टर्स की बैठक आयोजित कर निरंतर संवाद भी करें। बैठक में संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

गिद्ध संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है जोड़बीड़ः मेघवाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। केंद्रीय विधि व न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि बीकानेर का जोड़बीड़ क्षेत्र गिद्ध संरक्षण के लिए पूरी दुनिया में विशेष पहचान रखता है। यहां सात दुर्लभ प्रजातियों के गिद्ध प्रतिवर्ष अक्टूबर से मार्च तक आते हैं। इसके मद्देनजर यहां 'वल्चर ब्रीडिंग सेंटर' की स्थापना की दिशा में कार्य किया जाएगा। मेघवाल ने सोमवार को बीकानेर के जोड़बीड़ में 'वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान' और लव कुश वाटिका लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि वर्तमान में हरियाणा, असम, पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश सहित देश के चार राज्यों पर 'वल्चर ब्रीडिंग सेंटर' संचालित हैं। बीकानेर में यह केंद्र स्थापित हो, इसके लिए उच्च स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगभग चार करोड़ रुपए की लागत से यह केंद्र बीकानेर में खुलने से क्षेत्र को गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। मेघवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से जल संरक्षण और ऐतिहासिक जल संग्रहण केंद्रों के संरक्षण का बीड़ा उठाया गया है। इसके दूरगामी परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में पेयजल का अपव्यय रोकना सबसे जरूरी है। जल का दुरुपयोग करने वाले को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करना जरूरी है। यहां लव कुश वाटिका स्थापित होने से यह पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित होगा। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को इसका अवलोकन करवाने का आह्वान किया तथा कहा कि यहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जाएं, जिससे आमजन को इसके महत्व की जानकारी हो सके। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'हरियालो राजस्थान' संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए वन विभाग पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जून 2024 को 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने का आह्वान किया। भारत सरकार की ओर से राज्य को 3 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया। मुख्यमंत्री ने इसे बढ़ाते हुए 7 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा, जबकि वन विभाग और राज्य सरकार के अन्य विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजन के सहयोग से गत वर्ष प्रदेश में 7 करोड़ 22 लाख पौधे लगाए गए।

एफएटीएफ ने की पहलगाम हमले की निंदा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)।। वैश्विक निगरानी संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए सोमवार को कहा कि उसने आतंकवाद की फंडिंग रोकने के लिए देशों की ओर से लागू किए गए उपायों की प्रभावशीलता पर अपना ध्यान और अधिक केंद्रित किया है। एफएटीएफ ने एक बयान में कहा कि आतंकी हमले दुनिया भर में लोगों को मारते हैं, घायल करते हैं और भय पैदा करते हैं। एफएटीएफ 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए निर्मम आतंकी हमले को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसकी निंदा करता है। यह और हालिया अन्य हमले पैसे और आतंकियों के समर्थकों के बीच धन के आदान-प्रदान के बिना संभव नहीं हो सकते थे। यह बयान उस समय आया है जब भारतीय एजेंसियों ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को लगातार समर्थन देने और बहुपक्षीय फंड्स का हथियार खरीद के लिए उपयोग करने का आरोप लगाया है। एफएटीएफ ने कहा कि आतंकवाद दुनिया भर के समाजों और नागरिकों के लिए खतरा है। इसलिए वैश्विक निगरानी संस्था अपने वैश्विक नेटवर्क के भीतर 200 से अधिक न्यायक्षेत्रों को आतंकी फंडिंग के खिलाफ अपने उपायों को बनाने और बढ़ाने के लिए समर्थन दे रही है। इसमें वित्तीय खुफिया जानकारी का रणनीतिक उपयोग भी शामिल है। इसके अलावा हमने देशों की ओर से किए गए उपायों की प्रभावशीलता पर ध्यान दिया है। बयान में कहा गया कि एफएटीएफ जल्द ही आतंकी फंडिंग को लेकर एक व्यापक विश्लेषण जारी करेगा, जिसमें हमारे वैश्विक नेटवर्क द्वारा उपलब्ध कराए गए मामलों को संकलित किया जाएगा। यह सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को जोखिमों को समझने और उभरते खतरों के प्रति सतर्क रहने में मदद करने के लिए

एक वेबिनार भी आयोजित करेगा।

एफएटीएफ की अध्यक्ष एलिसा डी आंदा माद्राजो ने हाल ही में कहा था कि कोई भी कंपनी, प्राधिकरण या देश अकेले आतंकवाद की चुनौती का मुकाबला नहीं कर सकता। हमें वैश्विक आतंकवाद के संकट के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। क्योंकि आतंकवादियों को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए केवल एक बार सफल होने की जरूरत होती है, जबकि हमें इसे रोकने के लिए हर बार सफल होना होगा।

भारत लगातार कर रहा मांग

भारत लगातार मांग कर रहा है कि पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जाना चाहिए। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान ने आतंकियों को सुरक्षित पनाह दह हुई है। एफएटीएफ के एशिया प्रशांत समूह (एपीजी) की 25 अगस्त और एफएटीएफ समूह की 20 अक्तूबर को होने वाली बैठक से पहले भारत एफएटीए के मानकों के उल्लंघन को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ एक डोजियर तैयार कर रहा है। मौजूदा समय में दुनिया के 24 देश एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' में हैं। इन देशों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी फंडिंग का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक कमियों को दूर करना होगा।

35 लाख से अधिक कर्मचारी करेंगें कार्य

जनगणना की अधिसूचना जारी, 16 भाषाओं में मोबाइल एप

जयपुर टाइम्स

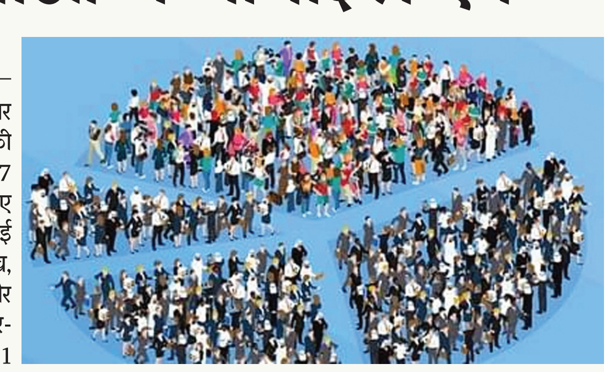

नई दिल्ली(एजेंसी)।। केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी। इसके लिए राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से ढके गैर-समकालिक क्षेत्रों में जनगणना 1 अक्तूबर 2026 से शुरू होगी। देश के बाकी हिस्सों में यह प्रक्रिया 1 मार्च 2027 से शुरू होगी। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जनगणना कराने की तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, महापंजियन व जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी। सरकारी बयान के अनुसार, यह जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। इसके लिए मोबाइल एप तैयार किए जाएंगे और उसी में जनगणना से जुड़ी सभी जानकारी एकत्र की जाएगी। एप 16 भाषाओं में उपलब्ध होंगे। गृह मंत्री शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था कि'16वीं जनगणना में पहली बार जाति गणना शामिल होगी। 34 लाख गणक और सुपरवाइजर, 1.3 लाख जनगणना पदाधिकारी आधुनिक मोबाइल और डिजिटल उपकरणों के साथ यह कार्य करेंगे। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख और हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में 1 अक्तूबर, 2026 से और देश के बाकी हिस्से में 1 मार्च, 2027 से जातियों की गणना और जनगणना का कार्य शुरू होगा।' जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण यानी मकान सूचीकरण और मकानों की गणना (एचएलओ) में प्रत्येक परिवार की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण (जनसंख्या गणना) में प्रत्येक घर के हर व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य विवरण एकत्र किए जाएंगे। यह जनगणना भारत की16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। इस बार जनगणना डिजिटल माध्यम से मोबाइल एप्लिकेशन के जरिये की जाएगी। नागरिकों के लिए स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) की सुविधा भी उपलब्ध होगी। डाटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संग्रह, संचरण और भंडारण के दौरान कड़े सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पिछली जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी और यह जनगणना 16 वर्षों के अंतराल के बाद होगी।

विमान क्रैश होने से दहशतः हांगकांग से दिल्ली जा रहा विमान खामी होने के संदेह पर वापस लौटा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)।। हांगकांग से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट U AI315 को बीच उड़ान में ही तकनीकी समस्या का संदेह होने के बाद वापस अपने मूल स्थान पर लौटना पड़ा। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर की ओर से संचालित यह फ्लाइट AI315 हांगकांग से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान का इस्तेमाल भारत में एअर इंडिया की तरफ से किया जा रहा है। 12 जून को गुजरात के अहमदाबाद में ऐसा ही एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दौरान विमान में सवार 242 लोगों में 241 लोगों की मौत हो गई थी। विमान सेवा कंपनी ने एक बयान में कहा कि विमान संख्या AI 315 हांगकांग में सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री विमान से उतर गए हैं। साथ ही कहा कि विमान का निरीक्षण किया जा रहा है। विमान हांगकांग से दोपहर 12.16 बजे (स्थानीय समय) रवाना हुआ और इसे भारतीय समयानुसार दोपहर 12.20 बजे दिल्ली उतरना था। उड़ान ट्रैकिंग वेबसाइट fligh-tradarwy.com के मुताबिक, विमान लगभग 3.5 घंटे की देरी से रवाना हुआ, जबकि इसका निर्धारित प्रस्थान सुबह 8.50 बजे था। विमान स्थानीय समयानुसार दोपहर सवा एक बजे एयरपोर्ट पर लैंड हुआ।

जलदाय विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

अवैध कनेक्शन पर अंकुश लगाएं, पानी चोरी करने वालों पर करें कार्रवाईः कन्हैयालाल चौधरी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व भूजल विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी सोमवार को चूरू आए। उन्होंने जिला परिषद सभागार में जलदाय विभाग के अधिकारियों को विभागीय समीक्षा बैठक में चर्चा कर विस्तृत निर्देश दिए। पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि अवैध जल कनेक्शनों पर अंकुश लगाएं और पानी की चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुकदमे दर्ज करें। पाइपलाइन में अवैध कनेक्शन करने वालों की जांच करें और आवश्यक कार्रवाई कर पानी चोरी को रोकें। सभी फील्ड स्तरीय अधिकारी सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र में अवैध जल कनेक्शन व पानी चोरी नहीं हो। उन्होंने विधानसभावार जल की मांग, आपूर्ति, संसाधनगत व्यवस्था, प्रोजेक्ट कार्यों, विविध योजनाओं की जानकारी लेते हुए विस्तृत दिशा - निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में समुचित कार्ययोजना पर काम हो। प्रदेश

सरकार जल परियोजनाओं के लिए मुक्तहस्त से बजट दे रही है। प्रयास करें कि मजबूत व गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरे किए जाएं। प्रोजेक्ट कार्यों के दौरान पाइपलाइन व सामग्री अच्छी गुणवत्ता के डाले जाएं। पाइपलाइन आदि सड़क के किनारे डालें और अनुपयोगी सामग्री को डिस्पोज करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न परियोजनाओं में ठेकेदारों की ओर से लापरवाही बरते जाने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई करें और नोटिस आदि देते हुए जुर्माना लगाएं। जल जीवन मिशन सरकार का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जनप्रतिनिधि, अधिकारियों एवं समस्त मशीनरी को पूर्ण लगन व निष्ठा के साथ लगना होगा। चौधरी ने कहा कि जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के परिदृश्य में विस्तृत कार्य योजना बनाकर काम करें। पीएचईडी की फील्ड स्तरीय मशीनरी को ट्रेनिंग दी जाए और अवांछित गतिविधियों पर नियंत्रण करें। उपखंड अधिकारी, पीएचईडी और जनप्रतिनिधि आपसी समन्वय के साथ सरकारी परियोजनाओं को सफल बनाएं। समुचित पेयजल आपूर्ति के लिए पुराने व खराब हो गए ट्यूबवेल, हैंडपंप की मरम्मत करवाई जाए। हैंडपंप और ट्यूबवेल के स्वीकृत कार्यों को यथाशीघ्र पूरा किया जाए। इसी के साथ पारंपरिक जल स्रोतों में पानी का संरक्षण कर उसका समुचित उपयोग किया जाए। विभिन्न परियोजनाओं में प्राप्त पानी के अनुसार व जनसंख्या के हिसाब से समुचित आपूर्ति की जाए। इसके लिए पंप में इनटेक करने से लेकर राइजिंग लाइन में डालने और एसआर भरने से लेकर डिस्ट्रीब्यूशन तक संपूर्ण मेकैनिज्म पर निगरानी रखी जाए। अधिकारी अपना दायित्व समझें तथा जिम्मेदारी का समुचित निर्वहन करते हुए प्रदेश सरकार की मंशानुरूप आमजन को बेहतरीन सेवाओं का लाभ दें। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय हो तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। जिला प्रमुख वंदना आर्य ने अधिकारियों को बेहतरीन सेवाओं व गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति के निर्देश दिए। चूरू विधायक हरलाल सहारण ने चूरू विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति से संबंधित समस्याएं रखीं। सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल ने सुजानगढ़ क्षेत्र में जल स्तर कम हो जाने के कारण और पेयजल की समुचित आपूर्ति नहीं होने की समस्या रखी। रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा ने रतनगढ़ व सुजानगढ़ क्षेत्र में पेयजल कनेक्शन नहीं होने व परियोजनाओं में लापरवाही से निर्माण कार्य की बात रखी। पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने अवैध जल कनेक्शन पर मुकदमे दर्ज करवाने, उच्च जलाशयों की जर्जर व क्षतिग्रस्त होने के कारण दुर्घटनाओं की संभावना, टैंकरों के माध्यम से पानी चोरी करने सहित समस्याएं रखीं। समस्याओं को सुनकर पीएचईडी मंत्री ने अधिकारियों को समुचित कार्यवाही की निर्देश दिए। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले में व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए निर्देशों की समुचित पालना किए जाने, जल जीवन मिशन में प्रोजेक्ट कार्यों व विभिन्न परियोजनाओं के कार्य समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण किए जाने के लिए नियमित मॉनीटरिंग के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, चूरू प्रधान दीपचंद राहड़, वासुदेव चावला, बसंत शर्मा, सीईओ श्वेता कोचर, पीएचईडी एडिशनल चीफ इंजीनियर राममूर्ति, पीएचईडी एसई चुन्नीलाल सहित जलदाय विभाग के अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
17 जून, 2025

जिला प्रभारी मंत्री ने ली वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक

विभागीय समन्वय रख जन सहभागिता से अभियान का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करें - प्रभारी मंत्री डॉ. मीणा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। कृषि मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा बैठक लेकर जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यों की विभागवार समीक्षा कर अभियान को जिले में प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। प्रभारी मंत्री ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को वन्दे गंगा अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ दिलाई। प्रभारी मंत्री डॉ. मीणा ने अधिकारियों से कहा कि यह अभियान आमजन के जीवन से जुडा हुआ है, अतः इसे जिले में आमजन की सहभागिता के साथ सतत रूप से क्रियान्वित करावे। उन्होंने कहा कि जल व पर्यावरण संरक्षण के पुनीत कार्यों को सफल बनाने के लिए समस्त विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करें। हम सभी की जिम्मेदारी है कि पोखर, तालाब, बावड़ियां, कुएं, बांध और कुंड जैसे पारंपरिक जल स्रोतों की साफ-सफाई एवं जल संग्रहण एवं संरक्षण के प्रति जिलेवासियों को जागरूक कर उनकी व्यापक स्तर पर सहभागिता सुनिश्चित करें और इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में निरन्तर संचालित करें।

वर्षा जल की एक-एक बूंद को जन भागीदारी से सहजे

उन्होंने बैठक में जिला प्रशासन, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, वन, नगर परिषद, कृषि, वाटर शेड, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, उद्यानिकी एवं स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य विभागों द्वारा की गई कार्यवाही पर विस्तृत चर्चा कर निर्देश दिए कि जल संरक्षण से जुड़े सभी कार्यों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं जनसहभागिता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान एक जनआंदोलन है, जिसका उद्देश्य जल की हर बूंद को सहेजना, वर्षा जल का संग्रहण करना और आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाना है।

जिले में लगेंगे 30 लाख से अधिक पौधे, नरेगा से बनेंगी और नर्सरियां

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प एक पेड़ माँ के नाम को मूर्त रूप देते हुए हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महा भियान के तहत जिले में निर्धारित लक्ष्य से अधिक पौधे लगाने का प्रयास करें। उन्होंने नरेगा के तहत बनी नर्सरियों में जिले में 5 लाख पौधे तैयार करने पर खुशी जताते हुए कहा कि इस प्रकार की नर्सरियां और तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि अन्य विभागों की तरह पुलिस को भी हरियालो राजस्थान अभियान से जोडकर पुलिस थानों व पुलिस लाइन आदि स्थानों पर पौधारोपण किया जावे। इ्र जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अभियान के तहत जिले में की गई गतिविधियों के बारे में पीपीटी के माध्यम से विभागवार अवगत कराया तथा प्रभारी मंत्री को विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जिले में विभागीय समन्वय के साथ आमजन की भागीदारी से अभियान को सफल बनाया जाएगा। इस दौरान एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, एडीएम शहर बीना महावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय डॉ तेजपाल सिंह, यूआईटी सचिव धीगदे स्नेहल नाना, जिला परिषद के सीईओ सालुखे गौरव रवीन्द्र, डीएफओ अलवर राजेन्द्र हुड्डा, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह, जयपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद शर्मा, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीणा, सीडीईओ महेश गुप्ता एवं डीईओ मनोज शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ऋतिक कुमार सैन ने नीट परीक्षा में 720 में से 549 अंक प्राप्त करते हुए सफलता प्राप्त की

जयपुर टाइम्स

थानागाजी(निसं.) अलवर जिले के थानागाजी तहसील के गांव गढबसई निवासी ऋतिक सैन ने 2025 में आयोजित नीट परीक्षा में 720 में से 549 अंक प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया गौरतलब है कि ऋतिक के पिता मुकेश कुमार सैन गांव में ही हेयर सेलून का कार्य करते हे। मुकेश सैन के बड़े पुत्र ऋतिक पर पूरे परिवार को बहुत उम्मीद थी। उन्होंने भी तमाम विपरीत आर्थिक, सामाजिक परिस्थितियों के बावजूद उसे तैयारी करने का पूरा अवसर प्रदान किया। ऋतिक ने भी परिवार के भरोसे को बनाये रखा ओर सफलता हासिल की। छात्र को सफलता हासिल करने में समय जरूर लगा लेकिन इसके लिए उसके सामाजिक , आर्थिक परिवेश को भी समझना जरूरी था उसके बावजूद भी छात्र ने NEET की तैयारी के साथ B.Sc. करना भी तय किया था कि किसी कारण वंश अगर NEET में चयन ना हो तो उसका साल खराब न हो और विकल्प के रूप में उसके पास दूसरी डिग्री मोजूद रहे, ऋतिक ने तैयारी के साथ B.Sc भी कंपलीट की। नीट में चयन होने से परिवार सहित समाज में खुशी का माहौल है

'वंदे गंगा' जल संरक्षण अभियान की समीक्षा बैठकः मंत्री जोगाराम पटेल बोले - इसे जनआंदोलन बनाएं

जयपुर टाइम्स

दौसा(निसं.) राजस्थान सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा बैठक सोमवार को दौसा जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने की। उन्होंने अभियान की प्रगति की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान को जन-जन से जोड़ते हुए एक व्यापक जन आंदोलन का रूप दें। मंत्री पटेल ने कहा कि "जल है तो कल है" केवल नारा नहीं, जीवन का आधार है। वर्तमान में भूजल स्तर गिरने और वर्षा जल के अपव्यय के कारण प्रदेश में जल संकट की स्थिति गहरा रही है। इस चुनौती का समाधान जनसहभागिता से ही संभव है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप यह अभियान प्रदेश में जल के महत्व के प्रति जागरूकता लाने और वर्षा जल संरक्षण को व्यवहार में लाने का प्रयास है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल संरक्षण व पौधारोपण कार्यों को पूरी गंभीरता से लें। विभागीय तालमेल से निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य करें ताकि इस पुनीत पहल को धरातल पर सार्थक परिणाम मिल सकें। साथ ही 'हरियालो राजस्थान' अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिक से अधिक पौधारोपण के निर्देश दिए तथा वृक्षों के रखरखाव की जिम्मेदारी तय करने पर बल दिया। मंत्री ने कहा कि अभियान में केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए आमजन को मानसिक, सामाजिक और व्यवहारिक रूप से जोड़ना होगा। खुद से शुरुआत करते हुए दूसरों को प्रेरित करें ताकि जल संरक्षण और पर्यावरण सरंक्षण की भावना घर-घर तक पहुंचे। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और अभियान की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंत्री ने स्थानीय स्तर पर आने वाली समस्याओं के समाधान और व्यावहारिक सुझावों को भी आमंत्रित किया।

प्रदेश के लिए बड़ी सौगातः 1001 किलोमीटर की सड़को के लिए 1915 करोड़ रुपये की स्वीकृति

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया की केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजस्थान में केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि (सीआरआईएफ) के तहत कुल 1000.90 किलोमीटर लंबाई की 40 राज्य सड़क परियोजनाओं के लिए 1914.71 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसकी स्वीकृति आगामी एक दो दिवस में प्राप्त हो जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश में 104.49 किमी हाईवे परियोजनाओं के निर्माण के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा लगभग 1394 करोड़ रुपये की लागत की नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का इन स्वीकृतियों के लिए आभार जताया है। उन्होंने बताया की 1914.71 करोड़ रुपये की लागत की इन परियोजनाओं में मुख्य रूप से विभिन्न राज्य सड़कों (31 प्रमुख जिला सड़कें, 8 राज्य राजमार्ग और 1 अन्य जिला सड़कें) के खंडों का मजबुतीकरण और चौड़ाईकरण शामिल है। इससे राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में बेहतर सड़क संपर्क और निर्बाध यात्रा प्रदान करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही 1394 करोड़ की लागत से चार लेन के नागौर बाईपास (अमरपुरा से गोगेलाव) का निर्माण तथा नागौर नेत्रा सड़क के 4 लेन का कार्य की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

अहमदाबाद में आयोजित यूरोलॉजी के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पीबीएम के डॉ. मुकेश आर्य ने दी प्रस्तुति

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। हियात रीजेंसी होटल, अहमदाबाद में "5वीं पेनरेकॉन इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन रिकंस्ट्रक्टिव यूरोलॉजी" का भव्य और अत्यंत सफल आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यशाला में देश-विदेश से आए नामचीन यूरोलॉजी विशेषज्ञों ने भाग लिया और मूत्रमार्ग एवं जननांग की विभिन्न जटिल विकृतियों की सर्जरी का लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया। कार्यशाला में जिन प्रमुख विषयों पर लाइव सर्जरी प्रदर्शित की गई, उनमें मूत्रमार्ग संकुचन नपुंसकता के लिए शिश्न प्रत्यारोपण जन्मजात हाइपोस्पेडियस, तथा मूत्र असंयम की जटिल सर्जरी शामिल थीं। इन ऑपरेशनों का संचालन वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. शैलेश शाह द्वारा बॉडीलाइन हॉस्पिटल, अहमदाबाद में किया गया, जिसका उच्च गुणवत्ता युक्त सीधा प्रसारण होटल हयात में किया गया जहाँ देश-विदेश से आए प्रतिभागी विशेषज्ञ और प्रशिक्षु चिकित्सकों ने इन्हें लाइव देखा। ऑपरेशनों के बीच आयोजित गेस्ट लेक्चर सत्रों में यूरोलॉजी जगत के ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञों ने आधुनिक तकनीकों, अनुभवों और नवाचारों को साझा किया। एस.पी. मेडिकल कॉलेज, बीकानेर के यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश आर्य ने ब्लैडर नेक रिकंस्ट्रक्शन विषय पर अपना बहुमूल्य अनुभव प्रस्तुत किया

'इंसान कितना भी बड़ा बन जाए उसे अपनी जड़े नहीं भूलनी चाहिए'

स्व. लेखराम ठेकेदार पूर्व जिलाध्यक्ष मेघवाल विकास समिति को 16वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली अपने पिता को याद कर भावुक हुए बोले जिन कंधों पर बैठकर चलना सीखा आज वह साथ नहीं लेकिन उनके बताए मार्ग पर चलने का मैने संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि पिताजी सदैव कहते थे कि इंसान कितना भी बड़ा बन जाए उसे अपनी जड़े नहीं भूलनी चाहिए। जूली स्व. लेखराम ठेकेदार पूर्व जिला अध्यक्ष मेघवाल विकास समिति की सोलहवीं पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव काठुवास में स्मृति स्मारक पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे थे। दिवंगत ठेकेदार के बड़े पुत्र नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एवं सामाजिक कार्यकर्ता उनके भाई मुकेश जूली के संयोजन में हुई सभा में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जूली बोले आप चले गए, लेकिन आपकी यादें, आपके संस्कार और आपका साया आज भी हमारे साथ है। आप मेरे जीवन के मार्गदर्शक, प्रेरणा और संबल थे, आपने जीवन में धैर्य,संघर्ष और ईमानदारी से चलना सिखाया, वो आज भी हमारी सबसे बड़ी पूँजी है। जूली के जयपुर और अलवर कार्यालय पर भी स्टाफ सदस्य द्वारा पिताजी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस दौरान सांसद कुलदीप इंदौरा, जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, विधायक हकीम अली खान, जाकिर हुसैन, घनश्याम मेहर, सुरेश मोदी, ललित यादव, अमित चाचान, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, राव नरेंद्र सिंह यादव, संतोष यादव, धर्मेंद्र राठौर, रामस्वरूप कसाना, बलजीत यादव, शिवलाल गुर्जर, संजीव बारेठ, अशोक बोहरा, करण सिंह चौधरी, वीरेंद्र सिंह मान, संजय यादव, इमरान खान, अजय अग्रवाल, प्रधान बीपी सुमन, जयराम स्वामी, रोहताश चौधरी, सुमन यादव, शर्मिला यादव, संदीप अग्रवाल, गोपीचंद शर्मा, उमरद्दीन खान, चौथमल सैनी, जाकिर खान, हिम्मत सिंह चौधरी, नरेंद्र मीणा, जफरु खान, योगेश मेहता, विजेंद्र महलावत, गौरी शंकर विजय, राजेंद्र प्रसाद शर्मा, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना का शिविर आयोजित

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, लोक कलाकार एवं विक्रेताओं को 60 वर्ष की आयु के बाद मिलेगा पेंशन का लाभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में नगर निगम कार्यालय में मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना का शिविर आयोजित हुआ। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. संजीव कुमार दास ने बताया कि मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र में कार्यरत असंगठित श्रमिकों, पथ विक्रेताओं एवं लोक कलाकारों को वृद्धावस्था में सामाजिक एवं आर्थिक संबल प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत अंतर्गत 41 से 45 वर्ष की आयु के ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिक, लोक कलाकार एवं पथ विक्रेता पेंशन हेतु पात्र हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत 60 वर्ष की आयु के पश्चात पात्र लाभार्थियों को 3 हजार रूपये प्रति माह की पेंशन राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग अलवर कार्यालय में निरंतर पंजीकरण के लिए एक स्थायी डेडिकेटेड हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है, जिससे अन्य पात्र व्यक्ति भी योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। नगर निगम आयुक्त जितेंद्र सिंह नरूका एवं प्रशिक्षु आईएएस ऐश्वयर्म प्रजापति ने योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। शिविर में एक विशेष पहल के रूप में योजना से जुड़े लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते समय रक्षा-सूत्र भी बांधे गए। यह रक्षा-सूत्र राज्य सरकार की सुरक्षा, संवेदना और सामाजिक सरोकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह अभिनव कार्य राजस्थान में इस योजना के अंतर्गत प्रथम बार अलवर जिले में संपन्न हुआ। इस दौरान उप निदेशक सुरभि चौधरी, लोकेश वशिष्ठ, शैलेंद्र शर्मा, घासीलाल शर्मा, राजू माथुर, कनिष्क एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

जिला प्रभारी मंत्री ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)।। जिले के प्रभारी मंत्री एवं कृषि एवं उद्यानिकी, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने निर्देश दिए कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। अधिकारी फील्ड में जाकर कार्यों का अवलोकन करें। प्रभारी मंत्री ने शनिवार को जिले में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की क्रियान्विति को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के पम्फलेट का विमोचन किया गया और जल संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। उन्होंने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि अभियान के तहत हर गतिविधि में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करें। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने अभियान के तहत अब तक किए कार्यों से पीपीटी के माध्यम से जिला प्रभारी मंत्री को अवगत करवाया और भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीना ने अधिकारियों को भूजल संरक्षण हेतु पारंपरिक पद्धतियों के पुनरुद्धार और जल संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक अधिकारी पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और यह जिम्मेदारी धरातल पर भी दिखनी चाहिए। अधिकारी आमजन के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें। मीना ने कहा कि योजनाओं के समुचित प्रचार–प्रसार और वंदे गंगा अभियान से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का प्रदेश कल्याण का सपना साकार होगा।

दुर्लभ नाथ मंदिर में जिला प्रभारी मंत्री ने किया पौधारोपण एवं श्रमदान

इसके पश्चात कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री ने कोटकासिम स्थित दुर्लभ नाथ जी मंदिर, कतोपुर में वंदे गंगा अभियान के तहत जोहड़ की सफाई में श्रमदान कर "हरियालो राजस्थान" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया। उन्होंने मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री ने उपस्थित आमजन को जल संरक्षण की शपथ दिलाई तथा जल व पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि जल ही जीवन है, और इसका संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि आज हम जल स्रोतों की रक्षा नहीं करेंगे, तो भविष्य की पीढ़ियों के लिए संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्षा जल को सहेजने के लिए जोहड़, तालाब, कुएं जैसे पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन जरूरी है। मंत्री ने कहा कि ऐसे सामूहिक प्रयासों से ही जल संकट पर नियंत्रण पाया जा सकता है और एक स्वच्छ, हरित एवं टिकाऊ भविष्य की ओर हम अग्रसर हो सकते हैं। इस दौरान जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर, भाजपा जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी, सभापति नगर परिषद हरीश रोघा, पूर्व विधायक किशनगढ़बास रामहेत सिंह यादव, जिला कलेक्टर किशोर कुमार, पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सालुखे गौरव रविंद्र, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव, डीएफओ राजेंद्र हुड्डा, सरस डेयरी की प्रबंधक संचालक सुनीता यादव, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता धर्मवीर यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं कार्यक्रम स्थल पर पर बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से नीट टॉपर महेश कुमार ने की मुलाकात

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निसं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नीट परीक्षा-2025 में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले महेश कुमार ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ जिला निवासी महेश को नीट परीक्षा में असाधारण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने महेश को भगवान श्रीकृष्ण का भित्ति चित्र और पेन भेंट किया। इस दौरान महेश के माता-पिता भी मौजूद रहे।

राजस्थान में 125 नए एफपीओ के गठन हेतु EOI बैठक आयोजित, एफपीओ नीति को प्रभावी बनाने पर जोर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) राजस्थान में वर्ष 2025-26 के दौरान 125 नए किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन के लिए आज पंत कृषि भवन में 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' को लेकर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के शासन सचिव राजन विशाल ने की। बैठक का उद्देश्य एफपीओ नीति को मजबूत बनाना तथा क्लस्टर आधारित व्यापार संगठनों को इस प्रक्रिया में सहभागी बनाना रहा। बैठक में प्रस्तावित राज्य एफपीओ नीति एवं बजट घोषणा के तहत एफपीओ गठन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। शासन सचिव राजन विशाल ने निर्देश दिए कि अन्य राज्यों की प्रभावी एफपीओ नीतियों का अध्ययन कर उनके सफल बिंदुओं को राजस्थान की एफपीओ नीति में सम्मिलित किया जाए, जिससे राज्य के किसान समूहों को अधिक संगठित और सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने एफपीओ को कृषि क्षेत्र में नवाचार और सामूहिक सशक्तिकरण का माध्यम बताते हुए इसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक (एफपीओ) एवं राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड के सचिव लक्ष्मण प्रसाद शर्मा ने राज्य की प्रस्तावित एफपीओ नीति का ड्राफ्ट प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की राष्ट्रीय एफपीओ नीति के अनुरूप अब राज्य सरकार भी अपनी स्वतंत्र एफपीओ नीति लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसका उद्देश्य किसान संगठनों को संरचनात्मक समर्थन, विपणन व ऋण सुविधा, और सब्सिडी के माध्यम से सुदृढ़ करना है। राज्य सरकार की यह पहल न केवल कृषि क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देगी, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

फीडर बदलने से परेशान ग्रामीणों ने सहायक अभियंता को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। आमेर तहसील के राजस्व गावं बडा गावं भाटिया, बिसनगढ़, अखेपुरा सहित अन्य गावों में विद्युत विभाग द्वारा फीडर बदलने से घरेलू बिजली उपकरणों के लोड नही लेने की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सहायक अभियंता राजेश चौधरी से मिलकर लिखित में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि पुर्व में बिशनगढ, अखेपुरा सहित अन्य गावों को पूर्व में विकेआईए फीडर से जोड रखा था तब ओवर लोड की समस्या नही थी कुछ दिनो से बिशनगढ, अखेपुरा, बडा गावं भाटिया सहित अन्य गावों को दोलतपुरा फीडर से जोड दिया था इस कारण बिजली उपकरण लोड नहीं ले रहे थे इस समस्या को लेकर सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान सहायक अभियंता ने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि 15 दिवस के अन्दर जल्द ही ट्रांसफर रखवाकर समस्या का समाधान करवा देंगे। इस दौरान उप जिलाप्रमुख मोहन डागर, किसान नेता मुकेश गुर्जर खैरवाडी, जिला परिषद सदस्य बनबिहारी मीणा, किसान नेता रामरतन माडिया, टिपु सुल्तान मीणा, वार्डपंच रामधन मीणा, राकेश दरिया मौजूद थे।

जेडीए की तीन आवासीय योजनाओं में 77 हजार से ज्यादा आवेदन, 2 जुलाई को निकलेगी लॉटरी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) जयपुर विकास प्राधिकरण की तीन प्रमुख आवासीय योजनाओं—गंगा विहार, सरस्वती विहार और यमुना विहार—को लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इन योजनाओं में कुल 756 भूखंडों के लिए अब तक 77 हजार से ज्यादा आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आज (16 जून) आवेदन की अंतिम तिथि है। जेडीए ने पहले आवेदन की अंतिम तिथि 12 जून निर्धारित की थी, लेकिन लोगों की बढ़ती रुचि को देखते हुए इसे 4 दिन बढ़ाकर 16 जून कर दिया गया। 12 जून तक जहां 51 हजार आवेदन आ चुके थे, वहीं बीते चार दिनों में ही 26 हजार नए आवेदन दर्ज किए गए। सरस्वती विहार (जोन-12) सबसे ज्यादा 36,500 से अधिक आवेदन मिले हैं। बैनाड़ रेलवे स्टेशन से 3.4 किमी दूर स्थित इस योजना में 300 भूखंड हैं और आरक्षित दर 11,000 प्रति वर्गमीटर रखी गई है। गंगा विहार (बस्सी) यहां 233 भूखंडों के लिए 22,500 से ज्यादा आवेदन आए हैं। आरक्षित दर 14,000 प्रति वर्गमीटर है। यमुना विहार (चाकसू) 232 भूखंडों के लिए 17,900 से अधिक आवेदन आए हैं। आरक्षित दर 15,500 प्रति वर्गमीटर तय की गई है।

सामुदायिक भागीदारी से ही साकार होगी जल संरक्षण एवं जल संचयन की संकल्पना

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत सीएसआर कार्यशाला का हुआ आयोजन

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने उद्योगपतियों एवं भामाशाहों से किया आह्वान

अभियान की सफलता के लिए की सक्रिय एवं सकारात्मक भागीदारी निभाने की अपील

जिला कलक्टर के आह्वान पर भामाशाहों एवं संस्थाओं ने मौके पर ही भरे संकल्प पत्र

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जल संरक्षण एवं भू-जल स्तर में सुधार करना साझी जिम्मेदारी है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने उद्योगपतियों, भामाशाहों, स्वयं सेवी संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों से वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत अपनी सक्रिय एवं सकारात्मक भागीदारी निभाने की अपील की है। शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए औद्योगिक संगठनों, उद्योगपतियों, भामाशाहों, स्वयं सेवी संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों एवं गैर सरकारी संगठनों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जल संरक्षण के लिए जन के जुड़ाव पर जोर देते हुए प्रतिभागियों से आह्वान किया कि सामुदायिक भागीदारी से ही जल संरक्षण एवं हरियालो राजस्थान की संकल्पना साकार होगी इसके लिए कॉर्पोरेट हाउस, औद्योगिक संगठनों, उद्योगपतियों, स्वयं सेवी संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों को सरकार की इस भागीरथी पहल में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। कार्यशाला में भू-जल विभाग, जल संसाधन विभाग, वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभागियों के समक्ष जल संरक्षण की विभिन्न विधाओं की कार्ययोजना, क्रियान्वयन, संचालन, रखरखाव एवं उपयोगिता का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यशाला में जिला कलक्टर ने जल संरक्षण एवं जल संचयन के प्रति आमजन में जागरुकता बढ़ाने, जल स्त्रोतों की स्थिरता एवं पुनर्निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने एवं जल संकट से निपटने के लिए उपयों को लागू करने, ग्रामीण एवं शहरी समुदायों में जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने, जल संरक्षण में जन भागीदारी सुनिश्चित करने एवं स्थानीय आमजन को सक्रिय रूप से भागीदार बनाने, जलवायु परिवर्तन के कारण जल संकट की गंभीरता को कम करने की दिशा में प्रयास करने, अकार्यशील हैंडपंप, सूखे कुएं एवं नलकूपों के माध्यम से भूजल को पुनःभरण को बढ़ावा देने, व्यर्थ बहने वाले वर्षा जल को रिचार्ज शॉफ्ट के माध्यम से भूजल पुनःभरण करने में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के आह्वान पर कॉर्पोरेट हाउस, औद्योगिक संगठनों, उद्योगपतियों, स्वयं सेवी संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं भामाशाहों ने मौके पर ही संकल्प पत्र भर जल संरक्षण एवं जल संचयन की दिशा में अपने भौतिक एवं अभौतिक सहयोग की सहर्ष सहमति प्रदान की। इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी प्रतिभागियों एवं अधिकारियों को जल संरक्षण जन अभियान संकल्प शपथ दिलवाई। कार्यशाला में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती कुंतल विश्नोई सहित उद्योग विभाग, जल संसाधन विभाग, भूजल विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने शिरकत की।

उपभोक्ता मामले विभाग की स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों के साथ संवाद बैठक आयोजित

खाद्य मंत्री ने किया कन्ज्यूमर केयर पुस्तिकाओं का ऑनलाइन विमोचन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने प्रदेश के उपभोक्ता संगठनों से केंद्र और राज्य सरकार की उपभोक्ता संरक्षण नीति और नियमों की अक्षरशः पालना में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया ताकि उपभोक्ता हितों की रक्षा हो तथा उपभोक्ताओं में इन नीतियों के प्रति अधिकतम जागरूकता आए। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के प्रमुख शासन सचिवसुबीर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों के साथ संवाद बैठक का आयोजन किया गया। कुमार ने कहा कि उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण और सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार निरंतर प्रभावी कार्य कर रही है। हर क्षेत्र में हर पल सेवाओं का उपभोग हो रहा है, इसी के साथ साइबर ठगी, नकली वस्तु, बिना हॉलमार्किंग के स्वर्ण आभूषण सहित विभिन्न माध्यमों से उपभोक्ताओं से ठगी हो रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि इस पर अंकुश लगे। आमजन के बीच जागरूकता का अभाव न रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उपभोक्ता हितैषी संकल्पना के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता हितों की रक्षा में सरकार और समाज की साझेदारी आवश्यक है और ऐसे संवाद कार्यक्रम इस दिशा में सार्थक भूमिका निभाते हैं। संवाद बैठक में प्रदेशभर से आए उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और उपभोक्ताओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों, चुनौतियों और संभावित समाधानों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में ई-कॉमर्स में पारदर्शिता, ऑनलाइन धोखाधड़ी से सुरक्षा, अनुचित व्यापार प्रथाओं की रोकथाम, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की उपलब्धता और शिकायत निवारण तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने सहित विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की गई। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने साइबर फ्रॉड से सुरक्षा, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शॉपिंग और उपभोक्ता संरक्षण, मीडिएशन, बैंकिंग एवं बीमा सेवाओं में उपभोक्ता संरक्षण, स्वर्ण आभूषणों पर हॉलमार्किंग तथा शुद्ध आहार प्रदर्शिका विषयों पर कन्ज्यूमर केयर प्रकाशन माला के अंतर्गत पुस्तिकाओं का बैठक में ऑनलाइन विमोचन किया। इससे पहले उपभोक्ता मामले विभाग के उपायुक्त श्री संजय झाला ने विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों को विभागीय कार्यों और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों व नीतियों की जानकारी दी। बैठक में विभाग की अतिरिक्त आयुक्त एवं निदेशक पूनम प्रसाद सागर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्री डीएलएड 2025 की काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू, 23 जून तक भर सकेंगे विकल्प

जयपुर(कासं.) वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्री डीएलएड परीक्षा 2025 की ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई है। अभ्यर्थी 23 जून तक अपने पसंदीदा कॉलेजों के विकल्प भर सकते हैं। इसके बाद 26 जून को कॉलेज आवंटन की पहली सूची जारी की जाएगी। राज्यभर के 377 शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में कुल 25,977 सीटों के लिए इस बार 5 लाख 49 हजार 161 से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। काउंसलिंग में भाग लेने के लिए 3,000 रुपए पंजीयन शुल्क देना अनिवार्य है। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कॉलेजों का आवंटन अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए विकल्पों, उनकी प्राप्त अंकों की प्रतिशत, श्रेणी और रिक्त सीटों के आधार पर किया जाएगा।

"सेवा ही संकल्प" बना प्रेरणा -

अजमेर संसदीय क्षेत्र के 38 मंडलों में जनसेवा के साथ मनाया गया केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी का जन्मदिवस

जयपुर टाइम्स

अजमेर(निसं.) केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री एवं अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी का जन्मदिवस इस वर्ष पूरी तरह सेवा, संवेदना और जनकल्याण को समर्पित रहा। जहां आमतौर पर जन्मदिवस पर भव्य आयोजन होते हैं, वहीं चौधरी जी ने अपने समर्थकों से अपील की कि वे इस दिन को "सेवा ही संकल्प" के रूप में मनाएं, विशेषकर हाल ही में हुए अहमदाबाद विमान हादसे की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए। इस प्रेरक अपील के फलस्वरूप अजमेर संसदीय क्षेत्र के सभी 38 मंडलों में सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। किशनगढ़ में उनके पुत्र सुभाष चौधरी के नेतृत्व में 'मदनेश गौशाला' में गौसेवा, 'यज्ञ नारायण अस्पताल' में मरीजों को फल वितरण, टीबी रोगियों को पोषण किट वितरित करने जैसे सेवा कार्य किए गए। अस्पताल में बंद पड़ी सोनोग्राफी मशीन को भी सक्रिय कर आमजन को राहत दी गई। भीषण गर्मी को देखते हुए अजमेर क्षेत्र के 127 स्थानों पर वाटर कूलर लगाने का संकल्प लिया गया, जिसकी शुरुआत किशनगढ़ कृषि मंडी से की गई। दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्रायसायकल वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया गया। वहीं, वृक्षारोपण अभियान के तहत अजमेर, ब्यावर, पुष्कर, नसीराबाद, केकड़ी, दूदू आदि में सैकड़ों पौधे लगाए गए। जरूरतमंदों को वस्त्र, राशन और दवाइयां वितरित की गईं। इस अवसर पर श्री चौधरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "आपका स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। इस दिन को उत्सव न बनाकर सेवा का पर्व बनाना ही मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।"

जयपुर एयरपोर्ट पर एयर अरेबिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी, तीन घंटे की देरी से भरी उड़ान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) जयपुर एयरपोर्ट पर सोमवार तड़के उस समय हलचल मच गई जब शारजाह के लिए उड़ान भरने से पहले एयर अरेबिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आ गई। उड़ान भरने से ठीक पहले पायलट को तकनीकी गड़बड़ी की सूचना मिली, जिसके बाद एहतियातन विमान को रनवे से वापस एप्रन पर लाया गया। फ्लाइट में सवार 180 यात्रियों को लगभग तीन घंटे इंतजार करना पड़ा। एयर अरेबिया की फ्लाइट 9-436 सोमवार सुबह 4.45 बजे जयपुर से शारजाह के लिए उड़ान भरने वाली थी। सभी यात्रियों की बोर्डिंग पूरी होने के बाद विमान टेकऑफ के लिए रनवे तक पहुंच गया था। लेकिन अंतिम क्षणों में पायलट ने तकनीकी गड़बड़ी को नोटिस किया और तुरंत विमान को रनवे से एप्रन पर वापस मोड़ दिया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि विमान में आई खराबी को तकनीकी टीम द्वारा मौके पर ही ठीक किया गया। लगभग तीन घंटे के प्रयासों के बाद तकनीकी खामी को दूर कर लिया गया। इसके बाद यात्रियों को पुनः फ्लाइट में बैठाया गया और सुबह 7.46 बजे विमान ने शारजाह के लिए उड़ान भरी। फ्लाइट ने सुबह 9.25 बजे शारजाह एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। इस घटना ने एक बार फिर एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा छेड़ दी है। हालांकि फ्लाइट में मौजूद किसी भी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा

फुलेरा नगर पालिका अधिशासी अधिकारी विहीन: प्रशासनिक उपेक्षा की मार झेल रही जनता

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। नगर पालिका में अधिशासी अधिकारी (ईओ) की नियुक्ति न होने से शहर की प्रशासनिक व्यवस्था चरमराती नजर आ रही है। लगातार शिकायतों और जनसमस्याओं के बावजूद जिम्मेदार विभाग की निष्क्रियता अब सवालों के घेरे में आ गई है। स्थानीय नागरिकों को न केवल बुनियादी कार्यों के लिए परेशान होना पड़ रहा है, बल्कि नगर पालिका का विकास कार्य भी ठप होता जा रहा है।

सप्ताह में सिर्फ दो दिन 'अस्थायी'अधिकारी की उपस्थिति

वर्तमान में फुलेरा नगर पालिका का अतिरिक्त कार्यभार रेनवाल के अधिशासी अधिकारी को दिया गया है। लेकिन रेनवाल और फुलेरा के बीच की भौगोलिक दूरी और दोनों नगर पालिकाओं की जिम्मेदारियां मिलकर यह कार्यभार प्रभावहीन साबित हो रहा है। लोगो का कहना है कि अधिकारी सप्ताह में एक या दो दिन ही फुलेरा आते हैं, जिससे उन्हें आवेदन, अनुमति, स्वीकृति और शिकायतों के निपटारे जैसे सामान्य कार्यों के लिए भी हफ्तों इंतजार करना पड़ता है।

जनता की समस्याएं बढ़ती असुविधा, घटती जवाबदेही

लोगो ने बताया कि जल निकासी, साफ-सफाई, आवास योजना, पीएम स्वनिधि जैसे योजनाओं से जुड़े कार्य ठप पड़े हैं। न तो कोई सुनवाई होती है, न कोई जवाबदेही दिखाई देती है। व्यापारियों को व्यापार लाइसेंस, नक्शा पास करवाने, निर्माण स्वीकृति जैसे कार्यों के लिए बार-बार चक्कर काटने पड़ते हैं।

विकास कार्यों पर भी असर

स्थानीय प्रतिनिधियों और पार्षदों का कहना है कि ईओ की अनुपस्थिति से न सिर्फ आमजन को परेशानी हो रही है, बल्कि नगर पालिका के विकास कार्यों को भी गति नहीं मिल पा रही है। कई टेंडर अटके हुए हैं, निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग नहीं हो जा रही है ।

प्रशासनिक संवेदनहीनता या संसाधनों की कमी?

यह स्थिति प्रशासनिक उपेक्षा को दर्शाती है या राज्य स्तर पर अधिकारियों की कमी को,यह एक बड़ा प्रश्न है। लेकिन किसी भी स्थिति में सबसे अधिक नुकसान जनता का ही हो रहा है। एक ओर सरकार "गुड गवर्नेंस" और "जनसुनवाई" की बात करती है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय निकायों में बुनियादी प्रशासनिक नियुक्तियां तक समय पर नहीं हो रही हैं।

जनता की मांग–स्थायी ईओ की त्वरित हो नियुक्ति

आमजन,जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि फुलेरा नगर पालिका में शीघ्र ही पूर्णकालिक अधिशासी अधिकारी की नियुक्ति की जाए। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता आएगी, जवाबदेही सुनिश्चित होगी और विकास कार्यों को गति मिलेगी। लोगों ने बताया की फुलेरा नगर पालिका की स्थिति स्थानीय शासन के उस पहलू को उजागर करती है, जिसे अक्सर उपेक्षित छोड़ दिया जाता है। यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रणाली में जनता के विश्वास को भी चोट पहुंचेगी।

उद्देश्य से भटके संयुक्त राष्ट्र संघ को भंग क्यों नही करते?

अशोक मधुप
वरिष्ठ पत्रकार

साफ हो गया कि इस्राइल मानने वाला नही है। हमास के हमले में इस्राइल में बच्चों- महिलाओं का जिस तरह कत्ल किया गया, उनकी गर्दन काटी गई। उसका कहीं जिक्र नहीं हो रहा। इस तरह का दोहरा आचरण दुनिया का विखंडित ही करेगा, रोकेगा नही। पिछले तीन साल चार माह से रूस -यूक्रेन युद्ध जारी है। इस युद्ध में मरने और घायल होने वाले दोनों देशों के सैनिकों की संख्या पांच लाख के आसपास है।अपने सैनिकों की मौत के बारे में न रूस कुछ बता रहा है, न ही यूक्रेन। रूस- यूक्रेन युद्ध में सीएसआईएस के जून 2025 के अनुमान के अनुसार रूस के लगभग 250,000 सैनिकों की मौत हुई।साढ़े सात लाख गंभीर रूप से घायल हैं । यूक्रेन की और से 21 मई 2025 तक 70,935 यूक्रेनी सैनिक मारे जा चुके हैं। सीएसआईएस का जून 2025 अनुमान कुल 400,000 हताहत (इसमें 60 हजार से एक लाख मारे और 300-340 हजार घायल हुए) ।

संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्य औचित्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, मानव अधिकारों की रक्षा करना, और विभिन्न राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करना है। इसका गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 में 51 देशों द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य था कि भावी युद्धों को रोका वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। आज 193 देश इसके सदस्य हैं। इतने बड़े संगठन का लगता है कि आज कोई देश कहना मानने को तैयार नहीं। सबकी अपनी ढपली अपना राग है। संयुक्त राष्ट्र संघ तमाशबीन बन कर रह गया है।लगभग एक साल आठ माह से इस्राइल -हमास युद्ध चल रहा है। अब इस्राइल से ईरान पर हमलाकर दिया है। इस्राइल- ईरान युद्ध में बैलिस्टिक मिजाइल प्रयोग हो रही हैं।सवा दो साल से रूस- यूक्रेन युद्ध चल रहा है। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में की गई बरबादी पूरी दुनिया ने देखी। संयुक्त राष्ट्र संघ मानव जीवन की बरबादी देख रहा है। यह असहाय बना बैठा है। मानव जीवन का विनाश रोकने के लिए वह कुछ नहीं कर पा रहा। उसकी भूमिका शून्य होकर रह गई है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब संयुक्त राष्ट्र संघ कुछ नहीं कर सकता। को देश उसकी मानने को तैयार नही।युद्ध रोकने की उसकी शक्ति नहीं तो उसका औचित्य क्या है? दुनिया के देश क्यों इस सफैद हाथी को पाले हैं। क्यों इसका खर्च वहन कर रह हैं।इस भंग क्यों नही कर दिया जाता। एक साल आठ माह से से हमास- इस्राइल युद्ध चल रहा है।लगभग डेढ़ साल पूर्व हमास- इस्राइल युद्ध को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रयास हुए। कई बार प्रस्ताव के प्रयास हुए पर वीटो पावर वाले देशों के अडंगे के कारण कुछ नहीं हो सका। बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस युद्ध को रोकने के लिए सर्वसम्मत प्रस्ताव स्वीकार किया, किंतु इस्राइल ने इसे स्वीकार करने से मना कर दिया। होना यह चाहिए था कि प्रस्ताव होता कि हमास ने इस्राइल पर हमला किया है, वह इस्राइल के नुकसान की भारपाई करे। इस्राइल के बंदी रिहा करे। ये भी व्यवस्था होती कि भविष्य में हमास ऐसा दुस्साहस न कर सके। सब चाहते हैं कि इस्राइल युद्ध रोके। कोई ये पहल नही कर रहा कि पहले हमास इस्राइल के बंदी रिहा करे। इस्राइल के हमलों में बच्चों और महिलाओं के मरने की बात हो रही है। मुख्य मामला पीछे चला गया।अब ये सब बात बंद हो गई। साफ हो गया कि इस्राइल मानने वाला नही है। हमास के हमले में इस्राइल में बच्चों- महिलाओं का जिस तरह कत्ल किया गया, उनकी गर्दन काटी गई। उसका कहीं जिक्र नहीं हो रहा। इस तरह का दोहरा आचरण दुनिया का विखंडित ही करेगा, रोकेगा नही। पिछले तीन साल चार माह से रूस -यूक्रेन युद्ध जारी है। इस युद्ध में मरने और घायल होने वाले दोनों देशों के सैनिकों की संख्या पांच लाख के आसपास है।अपने सैनिकों की मौत के बारे में न रूस कुछ बता रहा है, न ही यूक्रेन। रूस- यूक्रेन युद्ध में सीएसआईएस के जून 2025 के अनुमान के अनुसार रूस के लगभग 250,000 सैनिकों की मौत हुई।साढ़े सात लाख गंभीर रूप से घायल हैं । यूक्रेन की और से 21 मई 2025 तक 70,935 यूक्रेनी

सैनिक मारे जा चुके हैं। सीएसआईएस का जून 2025 अनुमान कुल 400,000 हताहत (इसमें 60 हजार से एक लाख मारे और 300-340 हजार घायल हुए) ।यूक्रेनी ऑफिशियल आंकड़े के अनुसार 43,000 मारे और 370,000 घायल हुए । यूएनएचसीआर के अनुसार, लगभग 10.6 मिलियन यूक्रेनियन विस्थापित हुए हैं। 3.7 मिलियन देश के अंदर, 6.9 मिलियन विदेश में विस्थापित हुए। यूएन के अनुसार यूक्रेन में लगभग 13,134 नागरिकों की मौत हुई है (2025 तक सत्यापित); 2022-2024 में मान्यता प्राप्त कुल नागरिक मृत्यु 50,000 तक हो सकती है।उधर इज़राइल- हमास संघर्ष में इस्राइल के 831 सैनिक मरे, 5,617 घायल हुए। 924 नागरिक मरे, 14,000 से ज्यादा घायल हुए। हमास/गाज़ा के 20,000 से ज्यादा मिलिटेंट मरे। (सटीक घायलों का डेटा नहीं)55,000 से ज्यादा गाज़ाई महिला -बच्चे मरे । इतना सब होने के बाद भी संयुक्त राष्ट्र इस युद्ध को नहीं रोक पाया। न रोक पा रहा है। इस युद्ध से दोनों देशों के विकास तो रुका ही। मानव कल्याण के लिए भवन, पुल, स्कूल और उद्योग खंडहर बन गए। इनके युद्ध के कारण दुनिया के अन्य देशों को होने वाली अनाज की आपूर्ति रुकी है। इससे पूरी दुनिया में मंहगाई बढ़ रही है। हाल ही में यूक्रेन ने रूस पर बड़ा हमला किया।इससे रूस को भारी क्षति हुई । कई आधुनिक लड़ाकू विमान तबाह हुए।उसका जबाव रूस ने भी दिया। जिस तरह से रूस लड रहा है। मित्र देश यूक्रेन को पीदे से मदद कर रहे है, उससे लगता है कि गुस्साकर कभी भी रूस परमाणु हमला कर सकता है। किंतु इसकी किसी को चिंता नहीं। हमास - इस्राइल युद्ध के बीच हुति विद्रोहियों ने इस्राइल पर मिजाइल से हमले किए।इस्राइल समर्थक देशों के मालवाहक जहाजों पर मिजाइल दागीं। इस सब के बावजूद संयुक्त राष्ट्र संघ की नींद नही खुली। आज संयुक्त राष्ट्र महासभा कुछ देश के हाथों की कठपुतली बन गया है। अन्य देश न अपनी ताकत का प्रयोग कर सकता है ना अपनी क्षमता का। संयुक्त राष्ट्र महासभा के गठन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व में शांति कायम करना है। आज के हालात को देखते हुए लगता है कि अपने सबसे बड़े कार्य का दायित्व निभाने में वह सक्षम नहीं है। पांच वीटो पावर देश उसे अपनी मर्जी से नचा रहे हैं। उनके एकजुट हुए बिना संयुक्त राष्ट्र महासभा कुछ नहीं कर सकता। ये पांचों विटो पावर देश खुद खेमों में बंटे है। ऐसे में सर्व सम्मत प्रस्ताव पास होना एक प्रकार से नामुमकिन हो गया है। म्यांमार में पिछले दिनों सेना का जुल्म देखने को मिला। चीन में उइगर मुसलमानों पर जुल्म जग जाहिर हैं। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पुलबामा कांड के बाद भारत ने पाकिस्तान में आंतकी ठिकानों पर मिजाइल से हमले किए।पाकिस्तान के जवाब में चार दिन युद्ध चल कर रूका। संयुक्त राष्ट्र संघ इसे रोकने के लिए भी कुछ नहीं कर सका। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान की बरबादी दुनिया ने देखी। पूरा विश्व सब देखता रहा। कोई कुछ नहीं कर सका। आज आतंकवाद पूरे विश्व की बड़ी समस्या है। सब जानते हैं कि कौन देश इसे पाल पोस रहे हैं।इस आंतकवाद के खात्मे के लिए कोई संयुक्त प्रयास नही हो रहे। कभी इस बारे में प्रस्ताव आता है तो पांच विटो पावर दादाओं में से कोई न कोई उस प्रस्ताव को विटो कर देता है। जिस तरह से इस्राइल हमास और ईराक में संघर्ष चल रहा है। अमेरिका इस्राइल के पीछे खड़ा है।यूक्रेन के पीछे मित्र राष्ट्र हैं। ऐसे में कभी भी दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध का सामना करना पड सकता है। आज जरूरत आ गई है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की उपयोगिता पर विचार किया जाए। इसे उपयोगी बनाने पर कार्य किया जाए। ऐसा ढांचा खड़ा किया जाए कि एक देश दूसरे देश का मददगार बने। मुसीबत में उसके साथ खड़े हो, उसकी रक्षा कर सकें। ऐसा नहीं आपदा के समय सिर्फ तमाशा देखें। सब दुनिया के सभी देश बराबर हैं तो पूरी दुनिया के पांच देशों को ही वीटो पावर का अधिकार क्यों? उनकी ही पूरी दुनिया पर दादागिरी क्यों?इस पर विचार किए जाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र संघ में डिक्टेटरशिप लागू नहीं है जो किसी विशेष का निर्णय फाइनल होगा। किसी निर्णय को रोक सकेगा। आज के हालात में सामूहिकता बढ़ाने ,सामूहिक निर्णय पर चलने, सामूहिक विकास का सोचने की सबसे बडी जरूरत है। और एक ऐसे संगठन की दुनिया को जरूरत है जो निष्पक्ष और तटस्थ होकर पूरी दुनिया में शांति स्थापना के लिए काम कर सके। ऐसे संगठन की जरूरत नहीं है जिसमें चार या पांच दादाओं का ही निर्णय चले। पूरी दुनिया निरीह बनी लूटी -पिटी मौन खड़ी रहे।

सम्पादकीय

हत्या के एक दोष पर दो उम्रकैदः न्याय की सीमा या उसका उल्लंघन?

भारतीय न्याय व्यवस्था के दरवाज़े पर एक संवेदनशील और जटिल प्रश्न खड़ा है—क्या किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए दो बार उम्रकैद की सज़ा दी जा सकती है? यह प्रश्न अब सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है और देशभर में न्याय, संविधान और दंड व्यवस्था को लेकर नई बहस का विषय बन गया है। हरियाणा के ठा सुकेश नामक व्यक्ति को अपनी पत्नी की हत्या के मामले में दो अलग-अलग धाराओं में उम्रकैद की सज़ा दी गई थी। दोनों सजाएँ लगातार चलने के आदेश के साथ दी गईं, यानी पहले एक उम्रकैद पूरी होगी, फिर दूसरी शुरू होगी। यह वही स्थिति है जैसे किसी व्यक्ति को दो जीवनकाल की सज़ा दे दी गई हो। भारत का संविधान यह स्पष्ट कहता है कि किसी भी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए दो बार मुकदमा चलाकर सज़ा नहीं दी जा सकती। अनुच्छेद 20(2) में उल्लेखित 'डबल जियोपर्डी' का सिद्धांत इसी विचार पर आधारित है कि न्यायिक प्रक्रिया केवल दंड देने के लिए नहीं, बल्कि न्याय को संतुलन और विवेक के साथ लागू करने के लिए है। लेकिन यदि किसी एक घटना से जुड़े दो अलग-अलग अपराधों के तहत मुकदमा चले और दोनों में दोष सिद्ध हो, तो क्या दो बार सज़ा दी जा सकती है? यही इस पूरे मामले का केंद्रीय प्रश्न है। ठा सुकेश पर आरोप है कि उसने अपनी पत्नी की हत्या की। इस घटना से उत्पन्न दो मुकदमे—एक भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और दूसरा संभवतः धारा 498 (घरेलू हिंसा) या 304 (दहेज मृत्यु)—दायर किए गए। दोनों मामलों में सजा उम्रकैद की हुई और उन्हें लगातार चलाने का निर्देश दिया गया। यहाँ कानूनी पेचीदगी यह है कि अगर हत्या और घरेलू हिंसा की घटनाएँ एक ही समय और परिस्थिति की उपज हैं, तो क्या उन्हें दो अलग-अलग अपराध माना जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट के सामने यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और संवैधानिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। न्याय का उद्देश्य किसी को दोहरा दंड देना नहीं है, बल्कि उस अपराध की प्रकृति और उसकी सामाजिक क्षति के अनुरूप न्यायसंगत सज़ा देना है। लगातार दो उम्रकैद देना ऐसा प्रतीत होता है जैसे किसी व्यक्ति को उसकी आयु से अधिक सजा दी जा रही हो—एक प्रकार का अतिन्याय, जो अन्याय में बदल सकता है। पूर्व में भी सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों पर विचार किया है। मुथुरामलिंगम बनाम तमिलनाडु राज्य (2016) के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा था कि एक से अधिक उम्रकैद की सजाएँ साथ-साथ चलनी चाहिए, जब तक कि किसी विशेष परिस्थिति में अलग-अलग चलाना अनिवार्य न हो। वहीं, स्वामी श्रद्धानंद मामले में न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया था कि यदि फाँसी नहीं दी जाती, तो सज़ा की अवधि को बढ़ाया जा सकता है, लेकिन यह फैसला भी न्यायिक विवेक और अपवाद के आधार पर लिया गया था, न कि नियम के तहत। यदि ठा सुकेश को एक ही अपराध में दो बार उम्रकैद दी जाती है, तो यह एक खतरनाक परंपरा की नींव हो सकती है। यह न्यायिक प्रणाली के उस मूल विचार से भटकाव होगा, जहाँ दंड प्रणाली सुधारात्मक होनी चाहिए, न कि दमनकारी। साथ ही, यह भी देखना होगा कि क्या ऐसे फैसले संविधान के मूल ढांचे और व्यक्तिगत अधिकारों के अनुरूप हैं या नहीं। भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र में जहाँ जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार को सर्वोच्च स्थान दिया गया है, वहाँ इस प्रकार की सज़ाएँ मानवीय दृष्टिकोण से भी असहज प्रतीत होती हैं। कोई भी सज़ा, चाहे वह कितनी भी सख्त क्यों न हो, तब तक न्यायसंगत नहीं कही जा सकती जब तक उसमें विवेक, मानवीयता और संविधान की भावना न हो। इस निर्णय का असर केवल एक व्यक्ति पर नहीं पड़ेगा, बल्कि यह भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और संविधान की व्याख्या को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यदि सुप्रीम कोर्ट इस फैसले को वैध ठहराता है, तो भविष्य में अनेक मामलों में दोहरी उम्रकैद देने की संभावनाएँ खुल सकती हैं। यदि नहीं, तो यह न्यायिक विवेक का एक ऐतिहासिक उदाहरण बनेगा, जो यह स्थापित करेगा कि सज़ा का उद्देश्य दमन नहीं, दिशा देना है। हर न्यायिक निर्णय एक उदाहरण होता है। यह मामला हमारे देश की न्याय प्रणाली के उस चौराहे पर खड़ा है, जहाँ से आगे का रास्ता तय करेगा कि हम किस प्रकार के समाज की ओर बढ़ना चाहते हैं—एक ऐसा समाज जहाँ न्याय समानुपातिक हो, या एक ऐसा जहाँ सज़ा के नाम पर अतिशयता को न्याय कहा जाए। यह केवल ठा सुकेश या उसकी पत्नी का मामला नहीं है। यह उस विचारधारा का मामला है, जो यह तय करती है कि अपराध के लिए सज़ा कैसी होनी चाहिए—दुहराव में लिपटी हुई, या विवेक और मानवता से सजी हुई? अब यह सुप्रीम कोर्ट के विवेक और संविधान की व्याख्या पर निर्भर करेगा कि वह इस अत्यंत जटिल सवाल का उत्तर कैसे देता है। न्याय केवल कानून का अनुपालन नहीं होता, वह समाज की चेतना का प्रतिबिंब भी होना चाहिए।

(लेखक- डॉ. सत्यवान सौरभ, कवि, सामाजिक चिंतक व स्वतंत्र स्तंभकार)

"संकीर्ण जीवन-दृष्टि और टूटती नैतिक रीढ़"

आधुनिक समाज में "अच्छे जीवन" की जो धारणा प्रचलित है, वह दिन-ब-दिन और भी अधिक संकीर्ण, आत्मकेन्द्रित और भौतिकतावादी होती जा रही है। जीवन के उद्देश्य को अब केवल आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत सुख तक सीमित कर दिया गया है। इस सोच में मानवीय करुणा, नैतिकता, सामूहिक भलाई और आंतरिक उद्देश्य जैसे तत्वों के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। यह एक ऐसा बदलाव है जो न केवल व्यक्ति की आत्मा को भीतर से खोखला कर रहा है, बल्कि समाज और संस्थाओं के नैतिक ढांचे को भी दिन-प्रतिदिन तोड़ता जा रहा है।

डॉश सत्यवान सौरभ

वर्तमान जीवनशैली में सफलता का पैमाना केवल संपत्ति, आलीशान घर, ब्रांडेड कपड़े और कारों में निहित है। यदि कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से सक्षम है, तो उसे अपने समाज में स्वतः ही "सफल" माना जाने लगता है, भले ही उस सफलता के पीछे बेईमानी, छल-कपट, शोषण या नैतिक गिरावट क्यों न हो। यह धारणा कि "साध्य ही सब कुछ है, साधन की परवाह नहीं", अब आम होती जा रही है। इस विचारधारा ने ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, संवेदना और कर्तव्य जैसे नैतिक मूल्यों को बहुत पीछे छोड़ दिया है।

आज का समाज एक ऐसे व्यक्तिवाद का शिकार है जहाँ "मैं" ही प्राथमिक है, "हम" का कोई विशेष महत्व नहीं रहा। यह आत्मकेन्द्रिकता हर क्षेत्र में दिखाई देती है—शहरी नियोजन से लेकर पारिवारिक ढांचे तक। बड़े-बड़े शहरों में सामूहिक स्थानों, खेल मैदानों, पुस्तकालयों और सार्वजनिक चौपालों की संख्या घट रही है। लोग एक-दूसरे से कटते जा रहे हैं, संवाद सीमित होता जा रहा है और सामाजिक जुड़ाव केवल डिजिटल नेटवर्कों तक सिमट कर रह गया है। यहां तक कि त्योहार और पारिवारिक आयोजन भी अब "फोटो-ऑप" बनकर रह गए हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया पर दिखाना होता है, न कि किसी भी प्रकार की वास्तविक आत्मीयता साझा करना।

भौतिकता के इस अंधे दौड़ में तात्कालिक सुख को दीर्घकालिक भलाई पर प्राथमिकता दी जा रही है। संयम, अनुशासन और तप की भावना कमजोर पड़ती जा रही है। सोशल मीडिया, उपभोक्ता वस्तुओं और बाजारवादी प्रचार के ज़रिए यह धारणा पक्की कर दी गई है कि अधिकतम उपभोग ही सुख का पर्याय है। लोग तुरंत मिल रहे संतोष में इतना लिप्त हो चुके हैं कि आत्म-संयम, आत्मनिरीक्षण और दीर्घकालिक दृष्टिकोण जैसी प्रवृत्तियाँ हास्यास्पद प्रतीत होती हैं।

उपभोग के निर्णयों में नैतिकता का कोई स्थान नहीं बचा है। हम जो पहनते हैं, खाते हैं या उपभोग करते हैं—उसके पीछे की कहानी, चाहे वह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली हो या किसी मज़दूर के शोषण की, हमें प्रभावित नहीं करती। उदाहरण के लिए, फास्ट फैशन का उद्योग आज भी फल-फूल रहा है, भले ही हम सबको पता है कि इसमें कैसे सस्ते श्रम और पर्यावरणीय संसाधनों का दोहन होता है। नैतिक उपभोक्तावाद आज भी केवल कुछ सीमित वर्गों तक सिमटा हुआ है।

इस सोच का परिणाम है कि समाज में नैतिक मूल्यों का क्षरण तीव्र गति से हो रहा है। लोग अब परिणामों को ही सब कुछ मानते हैं—उस परिणाम की प्राप्ति की प्रक्रिया चाहे जितनी भी अपारदर्शी या अनैतिक क्यों न हो। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि कॉर्पोरेट दुनिया, राजनीति, शिक्षा, चिकित्सा, और मीडिया जैसे हर संस्थान में दिखती है। जब लाभ की भूख नैतिक सीमाओं को लांघती है, तब कॉर्पोरेट घोटाले जन्म लेते हैं, नेताओं की ईमानदारी संदेह के घेरे में आती है और शिक्षा की पवित्रता पर व्यापार हावी हो जाता है।

नैतिक मूल्यों का ह्रास केवल संस्थागत नहीं है—व्यक्तिगत स्तर पर भी सहानुभूति और करुणा कम होती जा रही है। आज का व्यक्ति अपने लक्ष्य की पूर्ति में इतना डूबा हुआ है कि उसे पड़ोसी की पीड़ा, बुजुर्गों की उपेक्षा, या मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है। यह संवेदनहीनता धीरे-धीरे समाज को ऐसे व्यक्तियों का समूह बना रही है जो साथ रहते हुए भी अकेले हैं, और जिनके बीच आत्मीयता नहीं, केवल उपयोगिता का संबंध रह गया है।

साथ ही, नैतिक सापेक्षवाद का चलन भी बढ़ा है। जो चीज़ें पहले स्पष्ट रूप से सही और गलत मानी जाती थीं, अब उन्हें परिस्थितियों के अनुसार उचित या अनुचित ठहराया जाने लगा है। परीक्षाओं में नकल करना, कार्यस्थलों पर झूठ बोलना, रिश्वत देकर काम करवाना—इन सबको अब "सिस्टम का हिस्सा" मान लिया गया है। यह विचार कि "अगर सब कर रहे हैं, तो मैं क्यों नहीं?" एक सामूहिक नैतिक पतन का संकेत है।

यह सब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी खतरनाक है। जब जीवन का उद्देश्य केवल अधिक से अधिक उपभोग बन जाता है, तो संसाधनों का दोहन अपरिहार्य हो जाता है। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, जैव विविधता का विनाश—ये सब इसी "अच्छे जीवन" की भ्रामक परिभाषा के दुष्परिणाम हैं। यह विडंबना ही है कि हम एक ऐसा जीवन जीने की कोशिश कर रहे हैं जो पृथ्वी के भविष्य को ही अंधकारमय बना रहा है।

आज की स्थिति यह है कि नैतिकता अब केवल ब्रांडिंग का एक उपकरण बन गई है। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ और संस्थाएँ "कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व" के नाम पर कुछ घटनात्मक कार्यक्रम करके अपने दामन को उजला दिखाने का प्रयास करती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर परिवर्तन नहीं होता। यह "सतही नैतिकता" समाज को धोखा देने के साथ-साथ आत्मप्रवंचना को भी जन्म देती है।

यदि हमें इस गिरावट को रोकना है और एक संतुलित, करुणामय तथा नैतिक समाज की ओर बढ़ना है, तो हमें "अच्छे जीवन" की धारणा को पुनर्परिभाषित करना होगा। जीवन की सफलता को केवल संपत्ति और प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उद्देश्य, सद्गुणों, सहानुभूति और सामूहिक भलाई से जोड़ना होगा। इस दिशा में कुछ परंपरागत दर्शन—जैसे बौद्ध धर्म, गांधीवाद और जैन दृष्टिकोण—महत्वपूर्ण संकेत देते हैं। ये परंपराएँ आंतरिक संतुलन, अपरिग्रह, और नैतिक अनुशासन को जीवन की सफलता का आधार मानती हैं।

एक अच्छा जीवन वह है जो केवल अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए भी जिया जाए। जिसमें सामुदायिक सहयोग, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आत्म-संयम हो। जहाँ हम जो उपभोग करें, वह जिम्मेदारी के साथ करें—यह सोचकर कि हमारे निर्णय दूसरों को, प्रकृति को और आने वाली पीढ़ियों को कैसे प्रभावित करेंगे। सरकार द्वारा शुरू किया गया "LiFE" जैसे अभियान इस दिशा में एक सकारात्मक प्रयास हैं, परंतु इनका प्रभाव तभी होगा जब वे समाज के हर वर्ग तक नैतिक चेतना के साथ पहुँचें।

इस प्रक्रिया में शिक्षा की भी केंद्रीय भूमिका है। नई शिक्षा नीति 2020 ने नैतिक और जीवन कौशल शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात की है, जो एक स्वागतयोग्य कदम है। अगर हम प्रारंभिक स्तर पर बच्चों को सहानुभूति, कर्तव्य, सच्चाई और न्याय जैसे मूल्यों से परिचित कराएँ, तो एक पीढ़ी तैयार हो सकती है जो "अच्छे जीवन" की एक व्यापक और समावेशी परिभाषा को आत्मसात कर सके।

अंततः, जीवन का अर्थ केवल जीने में नहीं, बल्कि सही ढंग से जीने में है। और सही ढंग से जीना केवल भौतिक सफलता में नहीं, बल्कि एक ऐसे संतुलन में है जहाँ आत्मा शांत हो, समाज स्वस्थ हो और पृथ्वी संरक्षित हो। यदि हम ऐसा जीवन जीना सीखें, तो शायद हम न केवल अपने लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।

सतत् विकास की बड़ी चुनौतियों में से एक है मरूस्थलीकरण की चुनौती

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

17 जून को हर साल 'मरूस्थलीकरण एवं अनावृष्टि की रोकथाम हेतु अन्तर्राष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। विभिन्न मानवीय गतिविधियों जैसे कि वनों की अंधाधुंध कटाई, अत्यधिक चराई, जगह जगह कंक्रीट की दीवारों के खड़े होने(निर्माण कार्यों के कारण), तीव्र औद्योगिकीकरण, शहरीकरण के कारण चरागाहों व सिंचित भूमि की कमी, और जलवायु परिवर्तन के कारण आज संपूर्ण विश्व भूमि क्षरण का सामना कर रहा है और सूखा(मरूस्थलीकरण)एक बड़ी समस्या होती चली जा रही है। आज मरूस्थलीकरण के कारण भूमि अपना उपजाऊपन खो रही है और लगातार बंजर भूमि में बदलती चली जा रही है,जो मानवता के लिए एक बड़ा और गंभीर खतरा है। मरूस्थलीकरण या भूमि क्षरण सामाजिक आर्थिक असमानता को जन्म देती है। संक्षेप में कहें तो मरुस्थलीकरण भूमि, जल, जैव विविधता और मानव जीवन को प्रभावित करता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि 17 जून का दिन वैश्विक स्तर पर लोगों में मरुस्थलीकरण और सूखे जैसी गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इनसे निपटने के लिए उपायों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल मनाया जाता है और पहली बार यह दिवस 1995 में मनाया गया था। दरअसल, वर्ष 1992 के रियो पृथ्वी सम्मलेन के दौरान जलवायु परिवर्तन और जैवविविधता के नुकसान के साथ मरुस्थलीकरण को सतत् विकास के लिये सबसे बड़ी चुनौतियों के रूप में पहचाना गया था और दो साल बाद यानी कि वर्ष 1994 में महासभा ने संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेज़र्टिफिकेशन (यूएनसीसीडी) की स्थापना की, जो पर्यावरण और विकास को स्थायी भूमि प्रबंधन से जोड़ने वाला एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है तथा 17 जून को 'विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दिवस' घोषित किया गया। वास्तव में यह दिवस हमें भूमि के क्षरण, मरुस्थलीकरण और सूखे के खतरों से अवगत कराता है।सच तो यह है कि यह दिवस स्थायी भूमि प्रबंधन, पारिस्थितिकीय संतुलन और जलवायु अनुकूलन की दिशा में वैश्विक प्रयासों को प्रोत्साहित करता है। गौरतलब है कि हर साल इसकी एक थीम या विषय रखा जाता है। पिछले वर्ष 2024 की थीम 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' रखी गई थी जबकि इस वर्ष यानी कि 2025 के लिए इसकी थीम- 'भूमि को पुनःस्थापित करें। अवसरों को खोलें'(रिस्टोर द लैंड, अनलाक द अपोर्चुनीटीज) रखी गई है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र(इको सिस्टम) और मानवता को बचाने के लिए आज सूखे की स्थितियों अथवा मरूस्थलीकरण से निपटने के लिए एक मजबूत सामुदायिक भागीदारी के साथ ही सभी स्तरों पर सहयोग बहुत ही आवश्यक है, क्यों कि मरूस्थलीकरण से भूमि की उत्पादकता कम होती और जैव-विविधता व धरती की पारिस्थितिकी तंत्र पर बहुत व्यापक असर पड़ता है। दूसरे शब्दों में कहें तो सूखे(मरूस्थलीकरण) के कारण धरती पर जल की कमी पड़ती है और इससे धरती के सभी प्राणियों/जीवों, वनस्पतियों और मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। आज हमारे देश में ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में सूखे की घटनाओं और अवधि में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है। आंकड़े बताते हैं कि 55 मिलियन आबादी हर साल सूखे के कारण प्रभावित होती है और वर्ष 2050 तक तीन-चौथाई आबादी के प्रभावित होने की आशंका है और 2.3 अरब लोग पहले से ही जल संकट का सामना कर रहे हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा आज के समय में सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं, तथा विश्व भर में 40% भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। भूमि को स्वस्थ रखने के लिए जल की आवश्यकता होती है और यदि भूमि स्वस्थ हैं तभी मानव, जीवों व वनस्पतियों का अस्तित्व संभव है। वास्तव में स्वस्थ भूमि ही संपूर्ण विश्व में संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर ही निर्भर है, लेकिन यह विडंबना ही है कि आज हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत की कुल भूमि का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण से प्रभावित है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने वर्ष 2019 में यूएनसीसीडी कोप-14 सम्मेलन की मेजबानी की थी, जिसमें भूमि बहाली को लेकर कई अहम वैश्विक निर्णय लिए गए थे। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने वर्ष 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मरूस्थलीकरण से हमारी जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और इससे समुदाय विस्थापित होते हैं। जल की कमी होती है तो उत्पादन पर व्यापक असर पड़ता है और फसल उत्पादन में अभूतपूर्व कमी आती है, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी होती है और अस्थिरता और पलायन जन्म लेते हैं। बहरहाल, आज मरूस्थलीकरण रोकने के लिए ज़रूरत इस बात की है कि हम पर्यावरण संरक्षण की ओर पर्याप्त ध्यान दें। इसके लिए त्वरित वनीकरण और वृक्षारोपण की आवश्यकता तो है ही, जो वन हैं,उनको बनाए रखने की दिशा में भी हम काम करें। इतना ही नहीं हमें जल प्रबंधन की ओर भी पर्याप्त ध्यान देना होगा और वर्षा जल संरक्षण भी करना होगा।जल उपचारण, जल को व्यर्थ बहने से रोकना,जल का विवेकपूर्ण और पुन उपयोग, विलवणीकरण या लवणीय पौधों के लिये समुद्री जल का प्रत्यक्ष उपयोग बहुत जरूरी और आवश्यक है। इतना ही नहीं, हमें रेत की बाड़, हवा के झोंकों आदि से होने वाले मृदा क्षरण को भी रोकना होगा। मिट्टी के समृद्ध और अति उर्वरीकरण की आवश्यकता है। वास्तव में सतत् भूमि प्रबंधन और जागरूकता बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक है।फार्मर मैने नेचुरल रीजेनरेशन (एफएमएनआर), टहनियों की चयनात्मक छँटाई के माध्यम से अंकुरित वृक्षों की वृद्धि को सक्षम बनाता है। पेड़ों की छँटाई से उपलब्ध अवशेषों का उपयोग खेतों को मल्चिंग प्रदान करने के लिये किया जा सकता है, जिससे मिट्टी में पानी की अवधारण क्षमता बढ़ जाती है और वाष्पीकरण कम हो जाता है। वास्तव में हमें संवहनीय कृषि प्रथाओं को अपनाना और रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग करना होगा। यहां पाठकों को बताता चलूं कि संवहनीय कृषि (सस्टेनेबल एग्रीकल्चर) एक ऐसी कृषि प्रणाली है जो हमारे पर्यावरण, हमारे समाज और हमारी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ही फायदेमंद है। वास्तव में यह प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करती है, मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखती है, और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मदद करती है।वृक्षारोपण, वनों की कटाई रोकना और हरित क्षेत्र बढ़ाना तथा अवैध खनन पर रोक मरूस्थलीकरण रोकने की दिशा में अन्य महत्वपूर्ण कदम हैं। पारंपरिक भूमि उपयोग पर निर्भरता कम करने के लिए गैर-कृषि आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना आवश्यक है। हमें इजराइल की ड्रिप सिंचाई को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। बेहतर सिंचाई विधियाँ, फसल चक्र और नियंत्रित चराई भी मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त, सतत विकास और कुशल जल उपयोग को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ महत्वपूर्ण हैं। इतना ही नहीं, स्थानीय समुदायों की भागीदारी से भूमि सुधार योजनाओं को लागू किया जा सकता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि नीतिगत सहयोग और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देकर मरूस्थलीकरण को रोका जा सकता है।

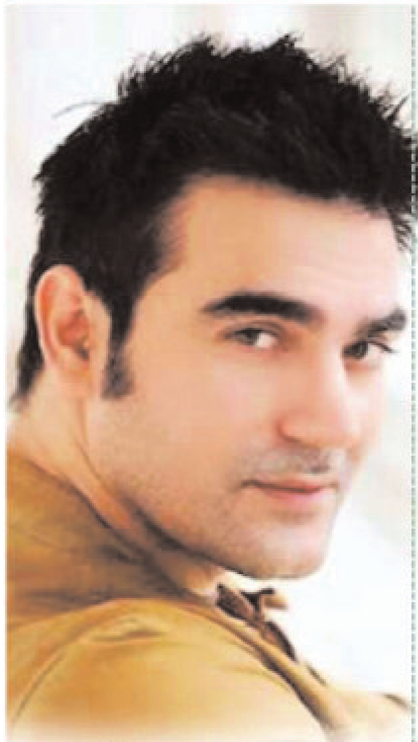

पत्नी शूरा की प्रेग्नेंसी पर अरबाज ने तोड़ी चुप्पी

अरबाज खान और शूरा खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जी रहे हैं। दोनों अपने परिवार का विस्तार कर रहे हैं। खान परिवार में जल्द नन्हा मेहमान आने वाला है। अरबाज खान की पत्नी शूरा खान काफी वक्त से अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में अब खुद अरबाज खान ने इस बारे में प्रतिक्रिया दी है।

2023 में रचाई अरबाज ने शूरा से शादी

अरबाज खान दूसरी बार पिता बनेंगे। बता दें कि शूरा एक्टर की दूसरी पत्नी हैं। अरबाज खान और उनकी पहली पत्नी मलाइका अरोड़ा का एक बेटा अरहान खान है। 2017 में मलाइका और अरबाज का तलाक हो गया। इसके बाद साल 2023 में अरबाज ने शूरा से शादी रचाई। एक बार फिर पिता बनने को लेकर अरबाज खान उत्साहित हैं।

यह फ्रेश फीलिंग है

शूरा खान की प्रेग्नेंसी की खबरें जब से वायरल हुई हैं, तब से अरबाज खान ने पहली बार इस पर प्रतिक्रिया दी है। अरबाज खान ने कहा कि वे नर्वस हैं। साथ ही कहा कि इस समय हर कोई नर्वस होता है। अरबाज ने यह भी माना कि वह काफी समय बाद पिता बन रहे हैं, इसलिए यह उनके लिए फिर से एक फ्रेश फीलिंग है।

अरबाज खान ने आगे कहा, मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यह मुझे खुशी और जिम्मेदारी का नया एहसास दे रहा है। मुझे यह पसंद आ रहा है। शूरा की प्रेग्नेंसी की चर्चा तब शुरू हुई जब उन्हें एक मैटरनिटी क्लिनिक के बाहर देखा गया। हालांकि, अब तक कपल ने इस खबर को गुप्त रखा है। अभी तक उन्होंने इस खुशखबरी का आधिकारिक एलान नहीं किया है। हालांकि, अब जब अरबाज खान ने हाल ही में शूरा की प्रेग्नेंसी पर जब बात की है तो उम्मीद की जा सकती है कि वे इस खबर की आधिकारिक पुष्टि कर सकते हैं।

अरबाज खान के वर्क फ्रंट की बात करें वे बतौर निर्माता दबंग 4 पर काम कर रहे हैं। वह फिल्म में माखनचंद पांडे की भूमिका भी निभा सकते हैं। अरबाज ने कहा, दबंग 3 और दबंग 4 के बीच का समय दूसरे और तीसरे भाग के बीच जितना लंबा नहीं होगा। हम इसे बनाने जा रहे हैं।

जेनेलिया ने बताया क्यों उन्हें नहीं मिलते 'सितारे जमीन पर' जैसे रोल

अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस फिल्म में जेनेलिया आमिर खान के साथ उनकी पत्नी की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए जेनेलिया एक लंबे वक्त बाद बॉलीवुड की किसी बड़ी फिल्म में नजर आएंगी। हाल ही में जेनेलिया ने अपनी भूमिका के बारे में बताया कि इस किरदार के लिए उन्हें कई बार ऑडिशन देना पड़ा, जिससे उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। इसी दौरान जेनेलिया ने ये जरूर बताया कि आखिर क्यों उन्हें अब इस तरह के किरदार ऑफर नहीं हो रहे हैं।

यह आमिर सर की महानता है, उन्होंने मुझमें कुछ देखा

'सितारे जमीन पर' में अपने किरदार सुनीता के बारे में बात करते हुए जेनेलिया ने कहा कि वो इस तरह के किरदार और भी करना चाहती हैं। फिल्मीमंत्रा मीडिया के साथ अपनी हालिया बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'जब लोगों को पता चला कि मैं सितारे जमीन पर कर रही हूं, तो सभी ने कहा कि हे भगवान, कितनी किस्मतवाली हो तुम, आमिर खान की फिल्म कर रही हो। इस पर मैंने कहा, बेशक यह आमिर सर की महानता है कि उन्होंने मुझमें कुछ देखा। बेशक, उन्होंने मेरा ऑडिशन लिया। लेकिन आप भी ऐसा कर सकते हैं। आप मुझे कोई भूमिका भी दे सकते हैं।'

'फिल्म मेकिंग बदल गई, अब हमें अपनी सोच बदलने की जरूरत'

जेनेलिया ने आगे और निर्देशकों के उन्हें इस तरह के किरदार में न लेने के पीछे की वजह का जिक्र किया। अभिनेत्री ने 'सितारे जमीन पर' में उनके किरदार को लेकर प्रतिक्रिया देने वालों को संबोधित करते हुए कहा, 'आप भी मुझे ऐसे किरदारों में ले सकते हैं, लेकिन आप मानदंडों के अनुसार चलते हैं। शायद आपको लगता है कि मैं शादीशुदा हूं इसलिए मुझे इस किरदार की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि फिल्म मेकिंग बदल गई है। इसलिए हमारी मानसिकता भी बदलनी चाहिए।'

सही किरदार चुनना महत्वपूर्ण

अभिनेत्री ने आगे कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि अगर आप किसी खास उम्र का किरदार चाहते हैं, तो आपको उसी उम्र के किसी व्यक्ति को कास्ट करना चाहिए। जब हम किसी ऐसे अभिनेता को कास्ट करते हैं जो मेरे द्वारा निभाए गए किरदार से बहुत छोटा होता है, तो वे उस किरदार की छोटी-छोटी बातें नहीं समझ पाते। सही किरदार चुनना महत्वपूर्ण है। मुझे उम्मीद है कि सभी को अवसर मिलेंगे।

20 जून को रिलीज होगी सितारे जमीन पर

आरएस प्रसन्ना द्वारा निर्देशित स्पोर्ट्स कॉमेडी फिल्म सितारे ज़मीन पर 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर आमिर लगातार जेनेलिया के साथ प्रमोशन में जुटे हैं। 'लाल सिंह चड्ढा' के बाद आमिर इस फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। फिल्म में जेनेलिया आमिर की पत्नी के किरदार में नजर आई हैं।

दिव्या दत्ता ने बताया क्यों रहना चाहती हैं कुंवारी

दिव्या दत्ता उन बॉलीवुड कलाकारों में से एक हैं जिन्होंने सुष्मिता सेन, तब्बू और सलमान खान जैसे सितारों की तरह बिना शादी के रहने का फैसला चुना। दिव्या ने हाल ही में अपने बातचीत में अपने इस फैसले को लेकर खुलकर बातें की हैं और बताया है कि आखिर ये ऑप्शन उन्होंने क्यों चुना।

दिव्या ने बातचीत में अपने विचारों को शेयर करते हुए कहा, अगर आपको एक अच्छा साथी मिल जाए तो शादी करना बहुत अच्छा है। अगर नहीं तो ज़िंदगी खूबसूरती से आगे बढ़ती है। एक बेकार सी शादी में बंधे रहने से बेहतर है कि आप खुद ही खुद का ख्याल रखें। किसी रिश्ते में खुद को नीचा दिखाने की बजाय, खुद से प्यार करना बेहतर है। मेरी तरफ बहुत से मर्दों का अटेंशन खूब रहता है और मैं इसे इंजॉय करती हूं लेकिन रिश्ता तब बनना चाहिए जब आप कनेक्ट होते हैं। अगर आपको लगता है कि वह व्यक्ति आपका हाथ थाम सकता है। अगर ऐसा नहीं है तो मेरे आस-पास मेरे कई प्यारे दोस्त हैं और मैं अपने लिए वहां हूं।

मुझे लगता है कि मैं ओवर क्वॉलिफाइड हूं

उन्होंने आगे कहा कि वह शादी नहीं करना चाहती हैं। दिव्या ने कहा, मैं शादी नहीं करना चाहती लेकिन मुझे एक साथी चाहिए जिसके साथ मैं ट्रैवल कर सकूं और अगर नहीं तो भी मैं खुश हूं। आप जानते हैं, मेरे सबसे अच्छे दोस्त ने मुझे एक कोट भेजा - एक शख्स पूछता है- तुम सिंगल क्यों हो? तुम सुंदर, आकर्षक, देखभाल करने वाली हो तो मैंने कहा- मुझे लगता है कि मैं ओवर क्वॉलिफाइड हूं। एक समय आता है जब आप पूर्णता की तलाश बाहर करते हैं, जो जरूरी नहीं है। यह जरूरी नहीं है कि आप तभी पूर्ण होंगे जब एक अच्छा साथी आपके जीवन में आएगा। मुझे यह गलतफहमी थी। मैं अपने दिल की बात खुलकर कहती थी - लेकिन अब ऐसा नहीं है।

दिव्या की आनेवाली फिल्म

दिव्या आखिरी बार फिल्म छावा में दिखीं। लक्ष्मण उटेकर निर्देशित इस फिल्म में विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई थी, साथ ही अक्षय खन्ना ने सम्राट औरंगजेब और रश्मिका मंदाना ने येसुबाई भोंसले की भूमिका निभाई थी। वहीं अब दिव्या अगली बार अर्जुन रामपाल के साथ नास्तिक में नज़र आएंगी। शैलेश वर्मा द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में इहाना ढिल्लन और हर्षाली मल्होत्रा भी हैं। फ़िल्म की रिलीज़ की तारीख अभी सामने नहीं आई है।

क्या इब्राहिम अली की इस बात से प्रेशर फील करती हैं पलक तिवारी?

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी भी फिल्मों में एक्टिंग कर रही हैं। वह अब तक दो फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। पलक ने करियर की शुरुआत सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से की थी। हाल ही में वह फिल्म 'द भूतनी' में नजर आईं। मैशेबल इंडिया से की गई हालिया बातचीत में जब पलक तिवारी से पूछा गया कि क्या वह मौजूदा नए एक्टर्स जैसे इब्राहिम अली खान, सुहाना खान और अनन्या पांडे की एक्टिंग से किसी तरह का प्रेशर फील करती हैं? पलक का जवाब था, 'प्रेशर लेकर काम करोगे तो वह बिल्कुल भी अच्छा नहीं होगा। फिर प्रेशर लेने का क्या फायदा।' पलक का इतना जरूर कहना है कि उनके साथ के एक्टर्स काफी सपोर्टिंग हैं।

यशराज फिल्म्स की जासूसी दुनिया में विक्की कौशल की 'नो एंट्री'

इस साल वैलेंटाइंस डे पर रिलीज हुई फिल्म 'छावा' की सफलता के बाद से अब तक इसके मुख्य कलाकार विक्की कौशल की कोई नई फिल्म घोषित नहीं हुई है। उनके पास इसके पहले से बन रही अब भी इकलौती फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' ही है। इस बीच उनके करीबियों ने फिल्म जगत में ये बात फैलानी शुरू कर दी है कि विक्की को यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा किरदार मिल गया है।

यशराज फिल्म्स की जासूसी दुनिया की अगली फिल्म 'वॉर 2' के पोस्ट प्रोडक्शन का काम इन दिनों जोरों पर है। बुधवार से फिल्म के मुख्य अभिनेताओं में से एक जूनियर एनटीआर ने अपनी डबिंग भी शुरू कर दी है। इस बीच मुंबई के एक अंग्रेजी अखबार में विक्की कौशल के यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स में शामिल होने की जैसे ही 'खबर' छपी, पूरे हिंदी फिल्म जगत में इसे लेकर बड़ी हलचल शुरू हो गई। विक्की कौशल की फीस एकाएक दोगुनी हो जाने की चर्चाएं भी हिंदी फिल्म जगत में बीते कुछ महीनों से चल रही हैं। इस बीच इस नई सुरसुरी ने सबके कान और खड़े कर दिए। इस बारे में 'अमर उजाला' ने तहकीकात की तो पता चला कि ये बात अभी तक सच नहीं है। यशराज फिल्म्स ने इस बारे में कोई आधिकारिक बयान वगैरह तो जारी नहीं किया है लेकिन उनकी जासूसी दुनिया से जुड़े फिल्म जगत के एक विश्वस्त सूत्र ने बताया कि ऐसा कोई डेवलपमेंट अभी तक यशराज फिल्म्स में नहीं हुआ है।

तहकीकात के दौरान ये भी पता चला कि खुद विक्की कौशल ने इस बारे में अपनी तरफ से फीलर्स यशराज फिल्म्स को भेजे हैं। लेकिन, अभी कंपनी का पूरा ध्यान अगस्त में रिलीज हो रही अयान मुकर्जी निर्देशित ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी अभिनीत 'वॉर 2' पर ही है और इसके रिलीज होने के तुरंत बाद आलिया भट्ट और शर्वरी की इसी जासूसी दुनिया की अगली फिल्म 'अल्फा' को रिलीज करने की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'पठान 2' पर भी काम शुरू होने की चर्चाएं काफी दिनों से चलती रही हैं, लेकिन बताया जाता है कि शाहरुख खान के साथ अभी इस फिल्म की पटकथा पर बैठकें होनी बाकी हैं और ये फिल्म उनकी अपनी होम प्रोडक्शन फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी होने के बाद ही शुरू हो सकेगी।

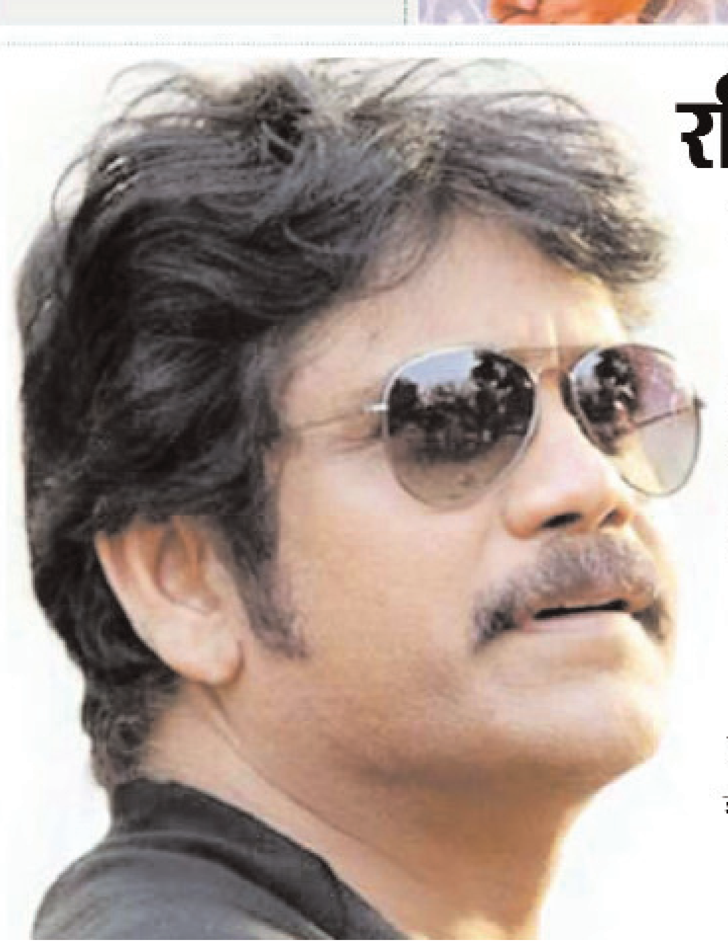

रश्मिका की तारीफ में बोले नागार्जुन वो टैलेंट की पावरहाउस है

धनुष, नागार्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'कुबेर' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। हाल ही में मुंबई में फिल्म का म्यूजिक लॉन्च इवेंट हुआ, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आई। इस दौरान सुपरस्टार नागार्जुन ने फिल्म की शूटिंग के अपने अनुभव और कलाकारों को लेकर बात की। नागार्जुन ने फिल्म के निर्देशक शेखर कम्मुला और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की भी तारीफ की।

उत्तर भारत में मेरी फिल्मों को हमेशा मिली सराहना

इवेंट के दौरान नागार्जुन ने बोलते हुए कहा, जब भी मैं मुंबई आता हूं, एयरपोर्ट से होटल और इवेंट तक, हर जगह मुझे ऑडियंस का ढेर सारा प्यार और अपनापन मिलता है। लोग मुझसे हमेशा कुछ नया और बड़ा करने की उम्मीद रखते हैं। अपने करियर की शुरुआत से ही, चाहे वो 'शिव' हो, 'खुदा गवाह', 'क्रिमिनल', 'जख्म' या 'अंगारे', मुझे उत्तर भारत की ऑडियंस ने हमेशा सराहा है। नार्थ में मेरी डब फिल्में भी यहां खूब पसंद की गई हैं। यहां के लोगों का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

पैन इंडिया सिनेमा ही भविष्य है

अभिनेता ने आगे कहा कि मैं उत्तर भारत की ऑडियंस का दिल से धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने दक्षिण भारत की फिल्मों को इतना प्यार दिया। आजकल हर कोई पूरे भारत की फिल्में देख रहा है और सराह रहा है। पैन इंडिया फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। कुबेर तमिल, तेलुगू और हिंदी में रिलीज होगी। मुझे लगता है, यही इंडियन सिनेमा का भविष्य है।

एक जैसे रोल बार-बार नहीं कर सकता

फिल्म के बारे में बात करते हुए नागार्जुन ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। जब मुझे यह ऑफर मिला, मैं सोच रहा था कि आगे क्या नया करूं। एक जैसे रोल बार-बार नहीं कर सकता। तभी शेखर कम्मुला, जिनके साथ मैं 15 साल से काम करना चाहता था, मेरे पास आए और बोले- क्या आप ये रोल करना चाहेंगे? मैंने बिना पूछे हां कर दी, क्योंकि मैं जानता था कि शेखर कम्मुला शानदार फिल्ममेकर हैं, उनकी इमोशंस बहुत सच्ची हैं। जब मैंने हां कहा तो शानदार स्टारकास्ट भी जुड़ गई। मुझे जिम सरभ के साथ काम करने का मौका मिला, जो कमाल के कलाकार हैं। उन्होंने मुझसे भी बेहतर तेलुगू डायलॉग बोले। दलिप साहब के साथ भी काम करना शानदार रहा।

रश्मिका टैलेंट की पावरहाउस हैं

रश्मिका मंदाना की तारीफ करते हुए नागार्जुन ने कहा कि रश्मिका टैलेंट की पावरहाउस हैं। उनकी पिछली तीन साल की फिल्मोग्राफी शानदार रही है। उनकी फिल्में 2000-3000 करोड़ रूपए का कलेक्शन करती हैं। वह हम सभी से बेहतर हैं। वह बहुत मेहनती हैं। मैंने डबिंग थिएटर से ही उन्हें फोन कर उनकी तारीफ की। वह फिल्म में शानदार, स्पॉन्टेनियस और ऑडियंस को खूब हंसाने वाली हैं। फिल्म का हिस्सा बनने के लिए मैं उनका धन्यवाद करना चाहता हूं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करें- मेवाड़ा

चौहदरा माता मंदिर परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर। पर्यावरण संरक्षण को लेकर नगर के चौहदरा माता मंदिर परिसर में सोमवार शाम सुमेरपुर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व प्रधान हरिशंकर मेवाड़ा द्वारा पौधरोपण किया गया। उन्होंने बताया कि पेड़-पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। ये हमें न सिर्फ ऑक्सीजन देते हैं। बल्कि तमाम प्रकार के फल-फूल, जड़ी बूटियां और लकड़ियां आदि भी देते हैं। घर के आसपास पौधरोपण करने से गर्मी, भू क्षरण, धूल आदि की समस्या से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभी मानसून की बारिश शुरू होने वाली हैं ऐसे में अभी पौधे लगाते हैं तो वे जल्दी पनपेंगे। मेवाड़ा ने उपस्थितजन से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर तखतगढ़ नगर कांग्रेस अध्यक्ष फुटरमल सुथार, नपा नेता प्रतिपक्ष अनराज मेवाड़ा, तगाराम सरगरा, अर्जुन सरगरा, दलपत सेन, खीमाराम मेघवाल, मनीष परिहार, सुरज वाल्मीकि, संजय परमार, फूलाराम मेघवाल, अंबालाल मेघवाल आदि मौजूद रहें।

राजकीय आईटीआई ठींगला में 100 अप्रेंटिस पदों के लिए साक्षात्कार 18 जून को

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर जिले के ठींगला स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में बुधवार, 18 जून को अप्रेंटिसशिप भर्ती हेतु साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी संस्थान के उपनिदेशक (प्रशिक्षण) राजेश कुमार गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि यह साक्षात्कार एक प्रतिष्ठित निजी कंपनी द्वारा विभिन्न तकनीकी व्यवसायों में आईटीआई एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया के तहत लगभग 100 अप्रेंटिस पदों पर चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थियों 18 जून को सुबह 11 बजे अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, पहचान पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ संस्थान परिसर में उपस्थित होकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठा सकेंगे।

जुड़ का नाका बाँध व नहर की मरम्मत की मांग

जयपुर टाइम्स

बिजौलिया(निसं.)। शिवसेना (यूबीटी) तहसील प्रमुख रामफूल धाकड़ ने जल संसाधन मंत्री को पत्र भेजकर जुड़ का नाका बाँध एवं नहर की मरम्मत करवाने की मांग की।पत्र में बताया कि जुड़ का नाका बाँध की भराव क्षमता 28 फीट है। इस बाँध के कमाण्ड क्षेत्र में चैनपुरिया, गोवर्धनपुरा एवं बांका गाँव की कुल 716 हेक्टेयर भूमि आरक्षित है। जिसमें नदी- नालों को हटाने के बाद कुल 567 हेक्टेयर भूमि (करीबन 3500 बीघा भूमि) कास्त है। यह बाँध पिछले 8-9 वर्षों से क्षतिग्रस्त हैं।लगातार रिसाव होने से बाँध में पानी नहीं रुक पाता है। इस कारण से किसानों के खेत बंजड़ पड़े हुए हैं। साथ ही इसकी नहर भी जगह-जगह से टूटी हुई है। जिसकी मरम्मत करवाना आवश्यक हैं। किसानों द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों से कई बार इसकी मरम्मत की मांग की गई।परन्तु अब तक ना तो बाँध का रिसाव बंद हुआ और ना ही नहरों की मरम्मत हुई। जिससे किसानों के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया हैं।

दिनेश प्रजापत बने जयपुर जिला मीडिया प्रभारी

जयपुर टाइम्स न्यूज/दिनेश प्रजापत/सांगानेर

जयपुर टाइम्स

सांगानेर (निसं.) दक्ष प्रजापति सेवा संस्थान के मुख्य अध्यक्ष बलवंत प्रजापति ने श्रीरामपुरा लांखना रिंग रोड निवासी दिनेश प्रजापत को जयपुर जिला मीडिया प्रभारी पद पर मनोनीत किया। नवनियुक्त दक्ष प्रजापति सेवा संस्थान के जयपुर जिला मीडिया प्रभारी दिनेश प्रजापति ने राजस्थान जिला मीडिया प्रभारी पद पर मनोनीत के लिए संस्थान के मुख्य अध्यक्ष बलवंत प्रजापति एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति व समाज तथा देश विकास का मल मंत्र शिक्षा है। शिक्षित समाज विकसित समाज की अवधारणा पर जरूरतमंद बच्चों के लिए कार्य कर रही दक्ष प्रजापति सेवा संस्थान के युवाओं में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी दौरान संस्थान कार्यकारी मुख्य संरक्षक निर्मलेश प्रजापति , अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद प्रजापति, उपाध्यक्ष राजेश प्रजापति, महामंत्री सीताराम प्रजापति, कोषाध्यक्ष ज्योति प्रकाश प्रजापति ने बधाईयां दी।

किसानों को मक्का बीज मिनिकिट निःशुल्क वितरण

बिजौलियां(निसं.) । मुख्यमंत्री कृषक स्वावलंबन योजना अंतर्गत सहायक कृषि कार्यालय में कृषि पर्यवेक्षकों द्वारा कृषकों को मक्का बीज मिनिकिट निःशुल्क वितरण किए गए ।नोडल सहायक कृषि अधिकारी उदय लाल कोली के नेतृत्व में लघु,सीमांत ,अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के कृषकों को 5 किलो मक्का किस्म डीएचएम 121 के 1200 मिनिकिट प्राप्त हुए थे।वितरण में कृषि पर्यवेक्षक राधेश्याम बलाई , विमला खटीक,रसीला धाकड़ की सक्रिय भूमिका रही।

विपक्ष ने भाजपा सरकार पर लगाए गंभीर आरोपः मंत्री फीता काटने में व्यस्त, आमजन समस्याओं से त्रस्त

भाजपा राज में बिजली-पानी की समस्या से त्रस्त जनता- हरिशंकर मेवाड़ा

नगर पालिका में अवैध वसूली का काम जोरो पर,कई समस्याओं से जुझ रहीं जनता,मंत्री की नहीं सुन रहे अधिकारी

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.) । विधानसभा क्षेत्र सुमेरपुर 2023 कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व प्रधान हरिशंकर मेवाड़ा ने सोमवार को तखतगढ़ में प्रेस वार्ता कर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिजली, पानी, रोड़ व लचर और कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि मंत्री जोराराम कुमावत की अधिकारी नहीं सुन रहें हैं। मूलभूत सुविधाओं को लेकर जनता त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहीं हैं। लेकिन हमारे मंत्री फीता काटने में व्यस्त हैं। पूर्व प्रधान मेवाड़ा ने आरोप लगाते हुए कहा कि
नगर पालिकाओं में अवैध वसूली का काम धड़ल्ले से चल रहा हैं। दिन में बार-बार अघोषित बिजली कटौती से जनता त्रस्त हैं। नगर के वार्डो में पेयजल को लेकर भेदभाव हो रहा हैं। लोगों को पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा हैं। धरना प्रदर्शन की चेतावनी कांग्रेस पूर्व प्रत्याशी ने प्रेस वार्ता में कहा कि यदि मूलभूत सुविधाओं में सुधार नहीं हुआ तो धरना दिया जाएगा। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष अनराज मेवाड़ा,कांग्रेस नगर अध्यक्ष फुटरमल सुथार, पार्षद सुरजमल, अर्जुन, संजय, खीमाराम, तगाराम, मनीष परिहार, फुलाराम मेघवाल, अंबालाल मेघवाल, तगाराम सरगरा, दलपत सेन सहित अन्य मौजूद रहें।

मंत्री की नहीं सुन रहे अफसर

विपक्ष ने कई सवाल उठाए हैं। बिजली-पानी की गंभीर समस्या, केवल शिलान्यास में व्यस्त मंत्री हैं। मेवाड़ा ने कहा कि नगर में रोड़ो की स्थिति बहुत खराब हैं। गहलोत सरकार में स्वीकृत हुए रोड़ बन रहें हैं। मंत्री केवल शिलान्यास कर रहें हैं। धरातल पर कोई काम नहीं हैं। तखतगढ़ के वार्डों में पेयजल की विकट समस्या हैं। पेयजल को लेकर वार्डो में भेदभाव हो रहा हैं। आधे वार्डो में भी पानी नहीं पहुंच रहा हैं। इस भीषण गर्मी में जनता पेयजल के लिए इधर-उधर भटक रहीं हैं। मंत्री तखतगढ़ वासियों को जवाई का मीठा पानी नहीं उपलब्ध करवा पा रहें हैं।

भाजपा सरकार में हर 10 मिनट पर बिजली गुल

पुरे विधानसभा क्षेत्र मेंं बजली व्यवस्था चरमरा गई हैं। गांवों में तो हालत और खराब हैं, 12-12 घंटे बिजली गुल रहती हैं। इस भीषण गर्मी में बिजली विभाग ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया हैं। नगर में भीं दिन में कई-कई बार अघोषित बिजली कटौती ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है।

बिपरजॉय में डुबा तखतगढ़, पानी निकासी पर धरातल पर कोई कार्य नहीं हुआ

तखतगढ़ में बारिश के पानी की निकासी के लिए धरातल पर कोई काम नहीं हुआ हैं। बिपरजॉय चक्रवाती तूफान के समय तखतगढ़ पानी में डुब गया था। बारिश ज्यादा होती हैं तो फिर समस्या आएगी। उन्होंने कहा कि विधायक ने अपने कार्यकाल में बिजली, पानी व रोड़ को लेकर धरने दिये, लेकिन अब सत्ता में रहते हुए मंत्री पद होने के बावजूद अपने क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करवाकर जनता को सुविधाएं देने में नाकाम साबित हो रहें हैं।

अवैध बजरी खनन धड़ल्ले से हो रहा

अवैध बजरी खनन पिछले साल भर से बहुत ज्यादा हो रहा हैं। मंत्रीजी कहते थे कि पिछली सरकार में पैसा ऊपर तक जाता था, अब वे बताए कि पैसा कहां तक जा रहा हैं व किस-किस के पास जा रहा हैं। भाजपा सिरोही जिला उपाध्यक्ष दिनेश बिंदल ने भी गत दिनों थाने के बाहर धरना प्रदर्शन में अपने ही सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि सुमेरपुर थाने की बोलियां लगती हैं यह सीधे-सीधे मंत्री कुमावत पर ऊगंली उठ रहीं हैं। उन्होंने कहा कि अवैध बजरी वाले इतनी स्पीड में ट्रैक्टर दौड़ाते हैं कि दुर्घटना हो सकती हैं, रात में लोग घरों में नहीं सो पा रहें हैं। सरकार की कोई लगाम नहीं हैं आमजन परेशान हैं।

एमडी के नशे में डुब रहीं युवा पीढ़ी,पुलिस नहीं कर रहीं कार्रवाई

पूर्व प्रधान मेवाड़ा ने कहा कि सुमेरपुर में एमडी नशे का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा हैं। पुलिस प्रशासन इन पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा हैं। नशे के आदि बनाकर आने वाली पीढ़ी को खत्म करने का काम किया जा रहा हैं। लेकिन सभी मुकदर्शक बने हुए हैं। पुलिस ने अवैध नशे के कारोबार व अनैतिक गतिविधियों पर कार्रवाई करने की बात पिछलें दनो धरने में कही थी लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होना मंत्री का पुलिस

राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने जल संरक्षण व पर्यावरण संवर्धन का दिया संदेश

पौधारोपण कर जल स्रोतों की सफाई

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.) राज्य मंत्री सार्वजनिक निर्माण, महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता विभाग माननीया डॉ. मंजू बाघमार सोमवार को सवाई माधोपुर जिले के दौरे पर रही।
इस दौरान राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार एवं प्रभारी सचिव संदीप वर्मा ने चैथ का बरवाड़ा स्थित लवकुष वाटिका में पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेष दिया। वहीं उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर महिलाओं को तुलसी के औषधीय पौधों का वितरण भी किया गया। राज्य मंत्री ने कहा कि प्रदेष के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जल संरक्षण हेतु 5 से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत वर्षा से पूर्व सभी कुओं, बावड़ी, एनिकट, तालाब आदि जल संरक्षण संरचनाओं की साफ-सफाई की जानी है ताकि जल संग्रहण किया जा सके और भू-जल स्तर में बढ़ोत्तरी हो। उन्होंने कहा कि पष्चिमी राजस्थान की तर्ज पर यहां भी वर्षा जल को संग्रहित किया जाए। गैर सरकारी व सरकारी कार्यालयों में रैन वाटर हार्वेसटिंग सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए। कुओं, बावड़ी, एनिकट, तालाब सहित अन्य परम्परागत जल स्रोतों के जल को गंगा जल की तरह पवित्र मानकर जल पूजा करें और अभियान चलाकर उन्हें स्वच्छ व साफ-सुथरा रखें। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर हर एक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया ताकि हमे शुद्ध ऑक्सीजन मिलती रहे। पर्यावरण प्रदूषण खत्म करने के लिए प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कपड़े के केरी बेग्स का उपयोग किया जाए। जिला कलक्टर शुभम चैधरी ने कार्यक्रम में जल संरक्षण हेतु सभी को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जल अमूल्य है। अगर हमने पानी का महत्व नहीं समझा तो भविष्य में आने वाली पीढ़ियों को विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि गांव का पानी गांव में रोकने के लिए जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण करें और अधिक से अधिक पेड़ लगाए। राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, जिला कलक्टर शुभम चैधरी सहित अन्य अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने चैथ का बरवाड़ा में चैथ माता सरोवर पर जल पूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने चैथ माता सरोवर पर श्रमदान कर आमजन को स्वच्छता का संदेष भी दिया। कार्यक्रम के उपरांत राज्य मंत्री की अध्यक्षता एवं जिला कलक्टर शुभम चैधरी की उपस्थित में पंचायत समिति सभागार चैथ का बरवाड़ा में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्यमंत्री ने जिले में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत आयोजित गतिविधियों की विभागवार प्रगति समीक्षा करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को सामुहिक प्रयास कर अभियान को लोगों की जन भावना से जोड़कर जन अभियान बनाने के निर्देष दिए। उन्होंने किसानों की आय दुगुनी करने के लिए कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिलाने के निर्देष संयुक्त निदेषक कृषि विस्तार राकेष कुमार अटल एवं उप निदेषक उद्यानिकी डॉ. हेमराज मीना को दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण हेतु प्रत्येक किसान को बूंद-बूंद सिंचाई योजना से जोड़ा जाए।
इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया, उपवन संरक्षक सुनील कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वां, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग बी.एल. मीना सहित जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

बेटियां सपने पूरे करने के लिए पढ़ाई बीच में ना छोड़े- रूमा देवी

बालिका प्रतिभा सम्मान समारोह में गाँव की बेटियों को मिला सम्मान

जयपुर टाइम्स

रावतसर(निसं.) -शिक्षाविद स्व. लालू राम पंवार व्याख्याता की 7 वीं पुण्यतिथि का आयोजन बेटी पढ़ाओ और बेटी बचाओ के रूप में रामदेव शिक्षण एवम सेवा संस्थान गडरा रोड़ में किया गया। मुख्य अतिथि रूमा देवी ने कहा कि बेटीयां अपनी शिक्षा को बीच में ना छोड़ें चाहे कैसी भी परिस्थिति क्यूं ना हो। शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करे। गडरारोड हस्तशिल्प का प्रमुख केन्द्र है इसलिए बेटियों को मार्केटिंग व डिजाइनिंग में कैरियर बनाकर परम्परागत कला को आगे बढा सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच डेमी देवी गडरा रोड़ ने स्व.श्री लालू राम के जीवन के बारे में और उनके बालिका शिक्षा में योगदान के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ रूमादेवी ने बालिका शिक्षा, स्वरोजगार , आत्मनिर्भरता और हस्तकला के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में सरपंच डेमी देवी,हेमलता अध्यापिका,कविता बालाच ग्राम विकास अधिकारी, लक्ष्मी बोचिया अध्यापिका, नीलम अध्यापिका ने भी बालिका शिक्षा के बारे में बताया। मोतीराम जयपाल महासचिव ने संस्थान और लालू राम जी के जीवन के बारे विस्तार से बताया। रामदेव शिक्षण एवम सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोविंद राम , पीरा राम पूर्व सरपंच, नखतमल अध्यक्ष मेघवाल समाज कर्मचारी कल्याण समिति गडरारोड़ , नारायण दास पंवार,नारायण परिहार व्याख्याता, रमेश जी सेजू व्याख्याता, अर्जुनराम चौहान , रिडमल राम रोहिडी , उतमाराम मेघवाल, पूनाराम, गेमरलाल पंवार , मानप्रकाश पंवार , शंकरलाल, ताराराम, प्रताप जयपाल, गुलाबचंद, पवन वणल , ज्ञानाराम , राजूराम और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कक्षा बारहवीं और दशवीं में 75 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाली बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया। स्व.श्री लालू राम के परिवार द्वारा श्री रामदेव शिक्षण एवं सेवा संस्थान को वाटर कूलर भेंट किया गया। कार्यक्रम में रेखा और हेतल ने भजन की प्रस्तुति दी।कार्यक्रम का संचालन नीलम और ललिता ने किया

राज्यपाल ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभरू राज्यपाल बागडे

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.) महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अंतिम छोर पर बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति को केन्द्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से प्रदान किया जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की जानकारी देकर अधिकतम लोगों को लाभान्वित करने की बात कहीं। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने हेतु कार्य करने तथा उन्हें तार्किक सोच एवं पाठ्यपुस्तक के बाहर का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने पर बल दिया। उन्होंने नन्हे बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए शैक्षिक गतिविधियों में नवाचार और रोचकता लाने, विद्यालयों में खेलों को बढ़ावा देने एवं मानसिक और शारीरिक विकास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए शिक्षा का विशेष महत्व है। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, जल और ऊर्जा जैसी आधारभूत सुविधाओं का उत्कृष्ट स्तर अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु सरकारी भवनों की छतों और परिसरों का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऊर्जा आवश्यकताओ की पूर्ति हेतु जिले को स्वावलंबी बनाने की दिशा में सौर ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी प्रदान किए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत शेष घरों में शीघ्र नल कनेक्शन देने, प्रत्येक गांव-ढाणी को मोटरेबल सड़कों से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में चल रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकाधिक वृक्षारोपण, तालाबों की सफाई एवं वर्षा जल संग्रहण को प्राथमिकता देते हुए गांव का पानी गांव में रोकने हेतु अमृत सरोवर तथा अन्य जल संग्रहण संरचनाओं का विकास करने के निर्देश भी दिए। बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने मनरेगा में प्रति जॉब कार्ड औसत श्रमिक दिवस बढ़ाने के साथ श्रमिकों को रोजगार हेतु जागरूक करने की बात कहीं। स्वामित्व योजना के तहत पट्टा पार्सल का त्वरित वितरण, स्वच्छ भारत मिशन में कार्यशील शौचालयों की निगरानी और कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण पर भी बल दिया। उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा संग्रहण तथा उसकी निस्तारण व्यवस्था को प्रभावी बनाकर कचरे को खुले स्थानों पर नहीं डालकर चिन्हित स्थानों पर गड्ढ़े खोदकर जमीन में गाडने के निर्देश दिए ताकि जैविक अपघटन द्वारा कचरा मृदा एवं खाद में परिवर्तित हो जाए। बैठक में राज्यपाल ने राजीविका समूहों की समीक्षा करते हुए निष्क्रिय समूहों को पुनः सक्रिय करने, लागत तथा मुनाफे की जानकारी संकलित कर समूहों को आत्मनिर्भर व्यवसाय के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समूहों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर भी बल दिया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध आवास उपलब्ध कराने, भवन निर्माण में गुणवत्ता, वेंटिलेशन सहित संरचनात्मक सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से संवाद कर सबसे गरीब परिवारों की जानकारी प्राप्त कर सत्यापन पश्चात सबसे जरूरतमंद व्यक्तियों को सर्वप्रथम आवास प्रदान करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून के दौरान हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों और काश्तकारों की भागीदारी सुनिश्चित कर पौधों की सुरक्षा और सिंचाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर जीवितता प्रतिशत बढ़ाने की बात कहीं। माननीय राज्यपाल के सवाई माधोपुर पहुंचने पर बैठक से पूर्व राज्यपाल को आरएसी के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत विभिन्न विभागों द्वारा कार्यक्रमों का किया जाएगा आयोजन

26 जून तक मनाया जाएगा नशामुक्त भारत पखवाड़ा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा मादक पदार्थ के दुरूपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ 26 जून अन्तर्राष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस के अवसर पर जनसामान्य में जागरूकता के लिए 1 जून से 26 जून तक नशामुक्त भारत पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 जून को कॉलेज शिक्षा, प्राचार्य राजकीय स्नातोक्तर महाविद्यालय, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं समस्त गैर सरकारी शिक्षण संस्थान द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं एवं कोचिंग सेंटरों में सेमिनार कार्यक्रम, 19 जून को जिला प्रशासन, जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी, समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, उपखण्ड अधिकारी एवं विकास अधिकारी द्वारा शपथ ग्रहण कार्यक्रम, एनएमबीए पोर्टल पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक गणमान्य व्यक्तियों एवं लोक कलाकार के सानिध्य में नशे के विरूद्ध एक शपथ कार्यक्रम, 21 जून को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा योगा, ध्यान शिविर, 22 से 24 जून को जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी द्वारा जिले में संचालित सभी नशामुक्ति केन्द्रों द्वारा आउटरीच कार्यक्रम, 26 जून को जिला पुलिस अधीक्षक एवं सीओ स्काउट द्वारा वॉकथान, मिनी मैराथन एवं बाईक या साईकिल रैली तथा जिला पुलिस अधीक्षक, जिला खेल अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारी द्वारा जिला स्तरीय सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

बघेल समाज जिला अध्यक्ष बने लाखन सिंह

जयपुर टाइम्स

राजाखेड़ा(निसं.)। बघेल समाज की महत्वपूर्ण बैठक बघेल छात्रावास जीटी रोड पर आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से राजाखेड़ा के गडरपुरा निवासी लाखन सिंह बघेल उर्फ बबलू को बघेल समाज का जिला अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किया गया। जिला अध्यक्ष बनाये जाने पर जिला अध्यक्ष बघेल ने कहा कि मैं समाज के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करूंगा। तथा आगामी 29 जून को बघेल समाज के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का बघेल छात्रावास पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा ।साथ शहीद रामकिशोर बघेल की स्मृति पर छात्र छात्रा सम्मान समारोह भी आयोजित किया जायेगा।जिसमें बघेल समाज के बर्ष 2025 में 10 वी 12वी 80% से अधिक उत्तीर्ण छात्र एवं छात्राएं उत्तीर्ण हुए एवं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट खिलाड़ी , नवनियुक्त समाज के कर्मचारियों का भी सम्मान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान एवं हरियालो राजस्थान सहित विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का प्रारंभ 5 जून से किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण, पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण, जनसहभागिता से स्वच्छता तथा जागरूकता को बढ़ावा देना है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि

अभियान 5 जून से 20 जून, 2025 तक मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 17 जून मंगलवार को जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.1 अन्तर्गत पूर्ण कार्यो का अवलोकन, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.2 अन्तर्गत कार्यो का स्वीकृत करना एवं प्रारंभ करना, हरियालो राजस्थान अन्तर्गत पौधारोपण कार्यो की अग्रिम तैयारी, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.0 अन्तर्गत चयनित ग्रामों की पंचायत मुख्यालय पर रात्रि चौपाल अभियान अन्तर्गत निर्मित एवं प्रस्तावित जल संग्रहण एवं जल संरक्षण कार्यो पर चर्चा एवं 18 जून बुधवार को वन विभाग द्वारा हरियालो राजस्थान हेतु पूर्व तैयारी जैसे गढढे खोदना, सीसीटी, एसजीटी कार्य प्रारंभ, विभागीय योजना में निर्मित 575 जल संग्रहण संरचनाओं का अवलोकन, तुलसी के पौधो का वितरण, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.1 अन्तर्गत पूर्ण कार्यो का अवलोकन, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.2 अन्तर्गत कार्यो का स्वीकृत करना एवं प्रारंभ करना, 60 हजार हैक्टेयर में तैयार लगभग 1 हजार 200 स्थलों का विमोचन, महानरेगा अन्तर्गत कार्यो को प्रारंभ, लवकुश वाटिका पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री ने सरोवर पर किया श्रमदान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। बैठक से पूर्व जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कैथरी में स्थित एक सरोवर पर श्रमदान किया। उन्होंने आमजन को तालाब को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया और साथ ही उन्होंने आमजन से जल निकायों को प्लास्टिक मुक्त रखने एवं श्रमदान की अपील की। प्रभारी मंत्री ने सैंपऊ महादेव प्रांगण में किया पौधारोपण जिला प्रभारी मंत्री ने सैंपऊ महादेव मंदिर में पूजा अर्चना कर सर्व कल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर प्रांगण में पौधारोपण कर आमजन को अधिक से अधिक वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

जल संरक्षण पुण्य का काम, इसे पूरे मनोयोग से करें-प्रभारी मंत्री

आमजन को करें जागरुक, पारम्परिक जलस्रोतों का करें रखरखाव

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि जल संरक्षण का काम पुण्य का काम है, इसे पूरे मनोयोग से करें। यह अभियान महज़ एक राजकीय कार्यक्रम न होकर एक जन अभियान है, इसमें अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर जल एवं समग्र पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करें। प्रभारी मंत्री सोमवार को सैंपऊ पंचायत समिति सभागार में आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। बैठक में उन्होंने कहा कि जो सहभागी विभाग है, वे अपने-अपने विभाग की जिम्मेदारी निभाएं। समस्त विभाग मिलकर जन जागृति के लिए कार्य करें। रात्रि चौपाल के माध्यम से भी लोगों को जल संरक्षण का संदेश दे। श्रमदान, पौधारोपण एवं स्वच्छता के कार्य करवायें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परम्परागत जल स्त्रोत बावड़ियों, तालाबों, बांधों एवं अन्य जल स्रोतों की सफाई और उनके संरक्षण की दिशा में जो कदम बढ़ाया उसे हम सब को मिलकर आगे बढ़ाना है साथ ही जल को सुरक्षित करके उसे बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रभारी मंत्री ने संबोधित किया कि जल स्रोतों का समुचित रख रखाव हों। जल संसाधन विभाग महत्वपूर्ण जल निकायों की डिसिल्टिंग एवं सफाई के कार्य कराएं। महत्वपूर्ण नहरों एवं माइनरों को अभियान के तहत साफ कराएं। जनता में यह संदेश जाए कि भविष्य के लिए जल बचाना है। बैठक में बेढम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 20 जून तक चलने वाले इस अभियान की प्रत्येक गतिविधि प्रभावशाली और स्थायी होनी चाहिए। महिला समूहों, किसानों, औद्योगिक इकाइयों और स्वैच्छिक संस्थाओं को अधिक से अधिक जोड़ा जाएं। उन्होंने ट्रांसफार्मर के आसपास सफाई कराए जाने हेतु निर्देशित किया साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई कार्यों को औचक निरीक्षण कराए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने प्रभारी मंत्री द्वारा प्रदत्त निर्देशों की गंभीर पालना कराए जाने का विश्वास दिलाया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए एन सोमनाथ ने बताया वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि तालाबों की सफाई, वर्षा जल संग्रहण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण शपथ, विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं गतिविधियों के माध्यम से जनजागरण किया जा रहा हैं। बैठक के अंत में प्रभारी मंत्री ने उपस्थित सभी लोगों को जल एवं पर्यावरण स्वच्छता की शपथ दिलाई। बैठक में विधायक बाड़ी जसवंत सिंह गुर्जर, पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा, प्रधान पंचायत समिति दुष्यंत बघेल, जिलाध्यक्ष भाजपा सत्येंद्र सिंह पाराशर, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के संयोजक श्रवण वर्मा, विनय परमार, डॉ. शिवचरण कुशवाह, एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डोटासरा का बड़ा आरोपः मुख्यमंत्री और मंत्रियों के फोन दिल्ली वाले सुनते हैं, बीजेपी में पर्ची बदलने का डर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को जयपुर में वॉर रूम बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री और मंत्री तक कहने लगे हैं कि उनसे सीधे फोन पर बात न की जाए क्योंकि "दिल्ली वाले फोन सुनते हैं।" डोटासरा ने कहा कि यदि शीर्ष नेतृत्व को ही डर लगे तो प्रदेश की स्थिति समझी जा सकती है। डोटासरा ने यह भी कहा कि काम करवाने आने वाले लोग बताते हैं कि मंत्री खुद कहते हैं कि "फोन पर बात मत करो, ऊपर तक बात चली जाती है।" उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य में कोई अदृश्य शक्ति काम कर रही है? बीजेपी पर निशाना साधते हुए डोटासरा ने कहा कि पार्टी के नेता एक-दूसरे को निपटाने में लगे हैं। उन्हें डर है कि कब दिल्ली से किसी की पर्ची बदल जाए। इसी डर के चलते उनके बीच विश्वास की कमी है। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस संगठन पहले से ज्यादा मजबूत है। पायलट के समय संगठन में एकजुटता थी और अगर वह कमजोर होता, तो कांग्रेस दो बार प्रदेश में सत्ता में नहीं आती। उन्होंने बताया कि अब तक 80% मंडल और ब्लॉक कार्यकारिणियों का गठन हो चुका है और 28 जून से पहले सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों के बूथ लेवल एजेंट्स की सूची चुनाव आयोग को भेज दी जाएगी। पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों को लेकर डोटासरा ने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा पर हमला बोला और पूछा कि वे चुनाव की घोषणा करने वाले कौन होते हैं? उन्होंने कहा कि सरकार जानबूझकर जहां कांग्रेस के प्रधान या सरपंच हैं, वहां कोई नया कार्य मंजूर नहीं कर रही। इससे संबंधित 1000 से ज्यादा सीटों पर विवाद कोर्ट में पहुंच सकता है। डोटासरा ने राज्य निर्वाचन आयोग से निष्पक्षता और जल्द चुनाव कराने की मांग की।

राजस्थान में प्री-मानसून का असर तेज, बिजली गिरने से 3 की मौत, 2 बच्चे पानी में डूबे

राजस्थान में प्री-मानसून बारिश ने रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को प्रदेश के कई जिलों में हुई झमाझम बारिश ने जहां लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत दी, वहीं हादसों की भी खबरें सामने आईं। बिजली गिरने और पानी भरने की घटनाओं में कुल *5 लोगों की जान चली गई*।

बिजली गिरने से हुई मौतें
बारां जिले में आकाशीय बिजली गिरने से *2 लोगों की मौत* और *2 अन्य घायल* हो गए। वहीं कोटा में पेड़ पर बिजली गिरने से तेज आवाज से एक बुजुर्ग अचेत होकर गिर पड़ा। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पानी में डूबे 2 मासूम
राजसमंद में घर के बाहर खेल रहे *2 बच्चे बरसात के पानी से भरे गड्ढे में डूब गए*, जिससे उनकी मौत हो गई। यह घटना क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था पर भी सवाल उठाती है।

अजमेर में जलभराव से परेशानी
तेज बारिश के कारण *अजमेर की सड़कों पर जलभराव* हो गया। जीसीए चौराहे व सेंट फ्रांसिस अस्पताल के बाहर पानी भरने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। एक परिवार को करीब एक घंटे तक जलभराव में फंसे रहना पड़ा।

*कोटा बैराज से छोड़ा गया

गंगनहर में सिंचाई जल संकट पर भाजपा सक्रिय, दो दिन में मिलेगा किसानों को पूरा पानीः शरणपाल सिंह

जल संसाधन मंत्री ने दिलाया भरोसा, पंजाब सरकार की हठधर्मिता पर जताई चिंता

जयपुर टाइम्स

श्रीगंगानगर(निसं.) श्रीगंगानगर जिले में गंगनहर के किसानों को सिंचाई जल की पूरी आपूर्ति न मिलने को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष शरणपाल सिंह ने सक्रिय पहल करते हुए राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत से फोन पर वार्ता की। उन्होंने गंगनहर में पानी की कमी और पंजाब सरकार की हठधर्मिता की जानकारी दी, जिससे श्रीगंगानगर के किसान प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आग्रह किया कि किसानों को उनके हिस्से का पूरा सिंचाई जल अविलंब उपलब्ध कराया जाए। सिंचाई मंत्री सुरेश सिंह रावत ने आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की समस्या को लेकर गंभीर है और हाल ही में राजस्थान व पंजाब के अधिकारियों की बैठक में यह सहमति बनी है कि गंगनहर में किसानों को तय शेयर के अनुसार पूरा पानी दिया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगामी दो दिनों में किसानों को पूरा सिंचाई जल उपलब्ध हो जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह ने किसानों को आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री ने गंगनहर, भाखड़ा और इंदिरा गांधी नहर परियोजना जैसे प्रमुख सिंचाई तंत्रों का दौरा कर अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि किसानों को तय हिस्से का जल हर हाल में मिले। शरणपाल सिंह ने पंजाब सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो भाजपा कार्यकर्ता पंजाब सरकार की जल नीतियों के विरोध में आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि श्रीगंगानगर के किसानों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भाजपा हर मंच पर किसानों की आवाज बुलंद करती रहेगी।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही, 4 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में मालपुरा गेट, मालपुरा चौराहे से रेलवे स्टेशन तक, एसएमएस अस्पताल गेट नं. 01 व 02, जेडीए चौराहे से शान्तिपथ, बी ब्लॉक मुरलीपुरा स्कीम व रोड़ नं. 6,7 एवं वार्ड न. 5 से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों से 4 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में मालपुरा गेट, मालपुरा चौराहे से रेलवे स्टेशन तक, एसएमएस अस्पताल गेट नं. 01 व 02, जेडीए चौराहे से शान्तिपथ, बी ब्लॉक मुरलीपुरा स्कीम व रोड़ नं. 6,7 एवं वार्ड न. 5 से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 4

केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

राजस्थान में प्री-मानसून का असर तेज, बिजली गिरने से 3 की मौत, 2 बच्चे पानी में डूबे

जयपुर(कासं.) राजस्थान में प्री-मानसून बारिश ने रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को प्रदेश के कई जिलों में हुई झमाझम बारिश ने जहां लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत दी, वहीं हादसों की भी खबरें सामने आईं। बिजली गिरने और पानी भरने की घटनाओं में कुल 5 लोगों की जान चली गई। बारां जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत और 2 अन्य घायल हो गए। वहीं कोटा में पेड़ पर बिजली गिरने से तेज आवाज से एक बुजुर्ग अचेत होकर गिर पड़ा। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राजसमंद में घर के बाहर खेल रहे 2 बच्चे बरसात के पानी से भरे गड्ढे में डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। यह घटना क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था पर भी सवाल उठाती है। तेज बारिश के कारण अजमेर की सड़कों पर जलभराव हो गया। जीसीए चौराहे व सेंट फ्रांसिस अस्पताल के बाहर पानी भरने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। एक परिवार को करीब एक घंटे तक जलभराव में फंसे रहना पड़ा। बारिश के चलते कोटा बैराज के दो गेट 15 मिनट के लिए खोले गए, जिससे 5 हजार क्यूसेक पानी की निकासी की गई। बारिश के कारण तापमान में राहत मिली।

हांसपुर के आदित्य सिंह ने नीट में रचा इतिहास, 579 अंक के साथ पाई 3765वीं रैंक

जयपुर टाइम्स

श्रीमाधोपुर (सीकर)। हांसपुर गाँव के होनहार छात्र आदित्य सिंह ने नीट परीक्षा 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 579 अंक अर्जित किए और ऑल इंडिया रैंकिंग में 3765वीं रैंक प्राप्त की। वे विजय पाल सिंह निठारवाल के पुत्र हैं। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में गर्व और उत्साह का माहौल है। आदित्य ने कहा, "मेरी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद और नियमित मेहनत को जाता है। मेरा सपना एमबीबीएस कर डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना है।" परिवारजनों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मिठाइयाँ बांटी और बधाई दी

नाम परिवर्तन

मेरे नाम से जारी पासपोर्ट में मेरा नाम भूलवश मोहम्मद आरिफ अंकित हो गया। जबकि मेरे अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम मोहम्मद आरिफ छिम्पा अंकित है। जिसे अब मैं पासपोर्ट में भी संशोधित करवाकर मोहम्मद आरिफ छिम्पा अंकित करवाना चाहता हूं। मोहम्मद आरिफ छिम्पा पुत्र मोहम्मद सलीम छीपा, नया बास, वार्ड न. 12, टाक रोड़, सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान 331507

नाम परिवर्तन

मेरे आर्मी नंबर JC454245× NB/Sub में मेरे पिताजी का नाम उम्मेद खान व जन्म दिनांक 01/07/1959 दर्ज है। जो की गलत है, जबकि उनका सही नाम ummed ali khan व दिनांक 01/01/1959 जो सही व सत्य है। मेरी माताजी का सही नाम भंवरी है, सही जन्म दिनांक 01/01/1962 है। जिसे आर्मी रिकॉर्ड में दर्ज करवाना चाहता हूं।

युसुफ अली ग्राम नोरंगसर तहसील सुजानगढ़(चूरु)

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़

क्रमांक :– नपार / 2025 / 855–61 दिनांक : 13.06.2025

CORRIGENDUM

नगरपालिका रतनगढ के पत्रांक 622–626 दिनांक 03.06.2025 वाली ई–निविदा आमंत्रित की गई जिसमें कार्य संख्या क्रमांक 04, 05 तथा 07 को प्रशासनिक कारणों से निरस्त किये जाते हैं।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रतनगढ़

राज.संवाद / सी / 25 / 4325

नाम परिवर्तन

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम रामनिवास दर्ज है। अब मैंने मेरा नाम रामनिवास पूनिया (RAMNIWAS POONIA) रख लिया है। भविष्य में मुझे रामनिवास पूनिया पुत्र धर्मा राम, गाँव कालेरों की ढाणी तहसील बीदासर जिला चूरू (राजस्थान) नाम से जाना पहचाना जावें।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN SUJANGARH

No:-489-500 Date: 03.06.2025

Notice Inviting Bid No 05/2025-26

Bids for 1 (One Nos) work are invited from interested bidders upto 06.00 PM dated 17.06.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in/http://sppp.raj.nic.in) of the state and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 78.80 Lacs
NIB No- PWD2526A1024
UBN NO :- 1. PWD2526WSOB03374

DIPR/C/7506/2025

Executive Engineer
PWD Dn. Sujangarh

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड -सुजानगढ़

E-Mail : eesuj.chu.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक- अअ/जनस्वा/निविदा/2025-26/566-584 दिनांक- 30/05/2025

निविदा सूचना संख्या 17 से 20/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में नियमानुसार प्रभावी आदेशों (समय-समय पर संशोधित) के तहत पंजीकृत ठेकेदारों से मोहर बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाओं के विक्रय की अंतिम तिथि एवं प्राप्ति / खोलने की तिथि कार्य के सामने अंकित की गई है। निविदा विक्रय / प्राप्ति / खोलने के दिन अवकाश होने पर निविदाओं का विक्रय / प्राप्ति / खोलने की कार्यवाही अगले कार्य दिवस में होगी। फर्म अथवा ठेकेदार को निविदा क्रय करते समय निविदा शुल्क के साथ पंजीयन प्रमाण-पत्र, जीएसटी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। फैक्स/ तार द्वारा भेजी गई निविदा मान्य नहीं होगी। निविदादाता विभागीय बेबसाईट www.sppp.raj.nic.in से निविदा प्रपत्र डाउनलोड करके भी भिजवा सकते है, ऐसी स्थिति में धरोहर राशि एवं निविदा प्रपत्र का शुल्क ई-ग्राम के माध्यम से ही जमा करवाना होगा। निविदा से संबंधित अन्य शर्ते इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में देखी जा सकती है। निविदाएं विक्रय तिथि की अंतिम तिथि की सांय 6.00 बजे तक है। प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि को दोपहर 3.00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के सम्मुख खोली जावेगी। कार्य को आवश्यकतानुसार घटाने-बढाने अथवा बिना कोई कारण बताए निविदा को निरस्त करने के लिए निम्न हस्ताक्षरकर्ता को पूर्ण अधिकार होगा तथा देरी से प्राप्त होने वाली निविदा के लिए विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। कोई विवाद उत्पन्न होने पर वाद चूरु न्यायालय में दायर किया जायेगा, भारत में स्थित अन्य किसी कस्बा या शहर में नहीं ।

NIB No.	UBN No.
17/2025-26	PHE2526GSOB03030
18/2025-26	PHE2526GSOB03032
19/2025-26	PHE2526WSOB03033
20/2025-26	PHE2526WSOB03034

(कैलाशचन्द माली)
अधिशाषी अभियन्ता,
जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड-सुजानगढ

DIPR/C/7416/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड रतनगढ़

क्रमांक - 374-383 दिनांक-28.05.2025

निविदा सूचना संख्या- 05/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला चूरू में सड़क निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी । निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc. rajasthan. gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है ।
NIB No PWD 2526 A 0901
1. UBN No- PWD 2526 WSOB 02925

अधिशाषी अभियन्ता
सानिवि खण्ड रतनगढ़

DIPR/C/7396/2025

OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER WATER RESOURCES ZONE, JAIPUR

Sinchai Bhavan, J.L.N. marg. Malviya Nagar, Jaipur. E-mail-acejpr.wr@gmail.com

No.-F(382&383)/ACE/JPR/Acctts/2025-26/ 826 Date: 28.05.25

e-NIB No 05/2025-26

On behalf of the Governor of Rajasthan, bids are invited from eligible bidders for the work of-
1. Channelization of feeder and Rehabilitation of VRB's in Gullar to Nevta feeder Ch.5000 to 9000. -Estimated value of work is Rs. 1348.45 Lac.
2.Rehabilitation and Revitalization of the Anicut Near Kharwali, Nagar palika Paota, District Kotputli- Behror.-Estimated value of work is Rs. 379.74 Lac. Last date of submission of Bid is 23/06/2025. Detailed Bid & Bid document can be seen on & downloaded from official website (http://eproc.rajasthan.gov.in, & http://sppp.raj.nic.in)
NIB Code No.:- WRD2526A0112
UBN No.:- WRD 2526 WLOB 00285,
WRD 2526 WSOB 00286

Additional Chief Engineer
WRD, Zone Jaipur

DIPR/C/7353/2025

खेत में युवक की मौत, हत्या का संदेह

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। एक युवक के साथ मारपीट करने से हुई मौत का मामला दर्ज हुआ। सालासर थानाधिकारी सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि झाबरमल पुत्र लखुराम जाट निवासी ढाणी रिणवा ने लिखित रिर्पोट मे बताया कि रविवार को मेरा पुत्र बंशीलाल रात्रि नौ बजे तक घर नही आया तो मैने पूछताछ की तो पता चला कि नेमाराम पुत्र अन्नाराम जाट निवासी ढाणी रिणवा व मेरा पुत्र दोनो खेतो में बैठे हुए है। उसके बाद कुछ समय बाद नेमाराम का बड़ा भाई पुरखाराम मेरे घर आया और कहा कि बंशीलाल खेत में बेहोश पड़ा है। उसी समय मै पुरखाराम और नेमाराम का साला की गाड़ी में उनके साथ गया। वहां जाकर देखा तो बंशीलाल जमीन पर पड़ा था। फिर मैने एम्बुलेंस को फोन करके बुलाई और बंशीलाल को सालासर के राजकीय अस्पताल लेकर आया तो डॉक्टरो ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। बंशीलाल के शरीर पर चोटो के निशान भी है जिससे मुझे संदेह है कि नेमाराम, पुरखाराम व नेमाराम का साला ने बंशीलाल के साथ मारपीट कर उसकी मृत्यु कर दी। पुलिस ने मारपीट कर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सूरजगढ़ में करंट लगने से चचेरे भाइयों की मौत

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। खेत में में काम कर रहे 2 भाइयों की करंट लगने से मौत हो गई। वे यहां निर्माण कार्य करते हुए लेंटर डालने से पहले सरिए को सीधा खड़ा कर रहे थे। सरिया 11KV बिजली लाइन से टकराया और अचानक धमाका हुआ। इसके बाद दोनों जमीन पर गिर पड़े। खेत पर मौजूद लोगों ने उन्हें लोहे के सरिए से अलग किया। तब तक दोनों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। मामला झुंझुनूं के सूरजगढ़ क्षेत्र के गांव कुलोठ कलां का सोमवार सुबह का है। थानाधिकारी हेमराज मीणा ने बताया कि हादसे के बारे में जानकारी मिली। ईश्वर मेघवाल (52) और दुलीचंद (40) निवासी कुलोठ कलां की करंट लगने से मौत हो गई है। जैसे ही परिजन रिपोर्ट देंगे, अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, ईश्वर और दुलीचंद दोनों महावीर सिंह के खेत में मकान निर्माण का काम कर रहे थे। सोमवार सुबह करीब 10 बजे दोनों लेंटर डालने से पहले सरिया को सीधा कर रहे थे। इसी दौरान खेत के ऊपर से गुजर रही 11KV लाइन से सरिया टकरा गई। सरिया के संपर्क में आते ही करंट का जोरदार झटका लगा, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब सरिया अचानक उछल कर ऊपर ढीली होकर लटक रही लाइन 11KV की लाइन से टकरा गया। दोनों चचेरे भाई थे और निर्माण कार्य कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। सूचना मिलने पर सूरजगढ़ थाने के थानाधिकारी हेमराज मीणा मौके पर पहुंचे और शवों को सरकारी अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। शवों को सूरजगढ़ के सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। परिजनों की ओर से अभी तक कोई शिकायत नहीं दी गई है ।

एनसीडी क्लिनिक के उच्च रक्तचाप जागरूकता कैंपेन का समापन

जयपुर टाइम्स

सूरतगढ़(निसं.)। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार एनसीडी क्लीनिक की ओर से चलाए जा रहे उच्च रक्तचाप जागरूकता कैंपेन का सोमवार को प्रातः 11.30 बजे खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बैठक हाल में भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि उप मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी श्रीगंगानगर ईतेंद्र सिंह उप्पल, विशिष्ट अतिथि जिला लोकपाल अनिल धानुका, विशिष्ट अतिथि जिला एनसीडी सेल के जिला कार्यक्रम समन्वयक अर्श इंद्रपाल सिंह बराड़, विशिष्ट अतिथि फाइनेंस कम लॉजिस्टिक कंसलटेंट नवल योगी पधारे। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत काउंसलर दीपक शर्मा, सीएचओ यूनस अली और मुकेश वर्मा की ओर से की गई। समापन समारोह में एनसीडी सेल के जिला कार्यक्रम समन्वयक अर्श इंद्रपाल सिंह बराड़ ने कहा कि एनसीडी क्लिनिक सूरतगढ़ की ओर से उच्च रक्तचाप जागरूकता माह में सराहनीय कार्य किया गया। पहली बार पूरे भारतवर्ष में उच्च रक्तचाप जागरूकता को लेकर एक माह का कैंपेन चलाया गया था जिसमें अनेक गतिविधियां आयोजित कर आमजन को उच्च रक्तचाप के प्रति सचेत और सावधान करने का प्रयास किया गया। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर नीरज सुखीजा ने कहा कि एनसीडी क्लीनिक के कार्मिक सूरज सेतिया और दीपक शर्मा ने पूरे कैंपेन में बहुत अच्छा कार्य किया। हाइपरटेंशन के प्रति आमजन को जागरूक होना चाहिए और समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवा कर इलाज शुरू करना चाहिए अन्यथा अनेक बीमारियां होने की संभावना रहती है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जिला लोकपाल अनिल धानुका ने कहा कि एनसीडी क्लीनिक की ओर से हर कार्यक्रम बहुत ही लगन और मेहनत से आयोजित करवाया जाता है परंतु इस बार जो एक माह का

झुंझुनूं से 3 रूट की टिकट विंडो बंद, कंप्यूयर खराब

रोडवेज डिपो में यात्री बेहाल, दिल्ली के लिए खिड़की पर नहीं मिल रहा टिकट

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं रोडवेज डिपो इन दिनों हजारों यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। दिल्ली, हरिद्वार, चिड़ावा, पिलानी, राजगढ़ और आसपास के बड़े रूटों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को टिकट के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। पिछले तीन महीनों से दिल्ली रूट की टिकट विंडो बंद पड़ी है। जिसका मुख्य कारण खराब कंप्यूटर बताया जा रहा है। इस अव्यवस्था से सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्ग यात्रियों को हो रही है। जिन्हें मोक्ष कलश यात्रा जैसी महत्वपूर्ण यात्राओं के लिए भी कई बार रिक्वेस्ट करनी पड़ती है, इसके बाद टिकट देते हैं।

टिकट की मारामारी से बुजुर्ग यात्री सबसे ज्यादा परेशान

झुंझुनूं डिपो पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में बुजुर्ग यात्री दिल्ली और हरिद्वार जैसे महत्वपूर्ण रूटों के लिए आते हैं। इनमें से कई ऐसे होते हैं जो सरकारी सुविधा का लाभ लेते हुए मोक्ष कलश यात्रा के लिए जा रहे होते हैं। लेकिन टिकट काउंटर बंद होने से इन बुजुर्गों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। कई बार तो टिकट लाने के दौरान उनकी बसें ही निकल जाती हैं। चिड़ावा निवासी 68 वर्षीय यात्री विक्रम ने बताया- मैं दो बार दिल्ली जाने आया, पर दोनों बार टिकट लाने गया तो बस निकल गई। अगर बस के पास ही टिकट मिल जाए तो आम आदमी को परेशानी न हो। दिल्ली विंडो पर मोबाइल मशीन के साथ कर्मचारी लगाया पर बंद कर रहता है नदारद

न बस में चढ़ सकते, न टिकट मिलती यात्रियों की दुविधा

परिचालकों का साफ कहना है कि स्टैंड से बैठने वाले यात्रियों को टिकट लेकर ही बस में चढ़ना होगा। वहीं, काउंटर से टिकट लेने जाने पर अक्सर बस छूट जाती है। ऐसे में आम यात्रियों के पास कोई विकल्प नहीं बचता। बस में बैठे कुछ यात्रियों को जब परिचालक से टिकट मांगी गई तो जवाब मिला कि वे डिपो से बाहर निकलने के बाद ही टिकट काट सकते हैं। लेकिन स्टैंड से चढ़ने वालों को टिकट विंडो से ही लेनी पड़ेगी। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर कोई बुजुर्ग हो तो वे मदद कर देते हैं।

जयपुर रूट को छोड़ बाकी रूटों की हालत खराब

झुंझुनूं डिपो में केवल जयपुर टिकट काउंटर नियमित रूप से काम कर रहा है, जहां जयपुर वाया सीकर रूट की बुकिंग होती है। लेकिन दिल्ली, हरिद्वार, चिड़ावा जैसे बाकी महत्वपूर्ण रूटों की टिकट के लिए यात्री परेशान हैं। चार कर्मचारियों को मोबाइल टिकट मशीनें दी गई हैं, लेकिन जब वे नदारद रहते हैं तो यात्रियों की परेशानी और बढ़ जाती है। पूरे झुंझुनूं डिपो की टिकट बुकिंग व्यवस्था एक ही कंप्यूटर से चल रही है, जो कई बार धीमे नेटवर्क या तकनीकी कारणों से बंद हो जाता है। ऐसे में प्रतिदिन हजारों यात्रियों को लंबी कतारों में लगकर टिकट लेने के बावजूद बस न मिल पाना, रोडवेज विभाग की घोर लापरवाही का खुला सबूत है। झुंझुनूं रोडवेज के नव-नियुक्त चीफ मैनेजर गिरिराज स्वामी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुझे इस डिपो में आए हुए 6 दिन ही हुए हैं, लेकिन मैं जल्द ही दिल्ली टिकट विंडो को प्राथमिकता पर चालू करवाने का काम करवा रहा हूं। यात्रियों को असुविधा नहीं होनी चाहिए। टाइम कीपर प्रभु दयाल ने भी बताया कि चार कर्मचारियों को मोबाइल मशीन दी गई है, जिससे बस शुरू होने से पहले टिकट कटवाने की जिम्मेदारी है। लेकिन मशीन एक समय में केवल एक बस को कवर करती है, जबकि कंप्यूटर से तीन रूटों की टिकट काटी जा सकती थी। उन्होंने कई बार अधिकारियों को सूचित किया है लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।

तीन महीने से दिल्ली टिकट विंडो बंद, कई रूटों की मशीनें सालों से खराब

दिल्ली रूट की टिकट विंडो वाकई पिछले तीन महीने से बंद है, जिसका कारण खराब कंप्यूटर बताया गया है। इसकी सूचना संबंधित कंपनी और उच्च अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन मरम्मत अभी तक नहीं हुई है। एक टाइम कीपर ने बताया कि पहले एक कंप्यूटर से एक साथ तीन रूट की बुकिंग हो जाती थी, लेकिन अब एक मोबाइल मशीन से सिर्फ एक ही बस की टिकट काटी जा सकती है, जिससे लंबी कतारें लग जाती हैं और बसें भी लेट होती हैं। चौंकाने वाली बात यह भी है कि सिर्फ दिल्ली रूट ही नहीं, बल्कि कई अन्य महत्वपूर्ण रूटों की टिकट मशीनें तो सालों से बंद पड़ी हैं।

अवधि पर ऋणों को चुकाने मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना से किसानों को राहत

42 ऋणी किसानों को मिली 67.01 लाख की राहत

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। राज्य सरकार की ओर से सहकारी भूमि विकास बैंकों के ऋणी किसानों को बड़ी राहत देते हुए "मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26" (CM OTS 2025-26) लागू की गई है। इस योजना के तहत अब तक जिले के 42 किसानों ने योजना में भाग लेकर 49.06 लाख रुपये जमा करवाए हैं, जिससे उन्हें 67.01 लाख रुपये की अवधिपार ब्याज माफी का लाभ मिला है। यह राशि राज्य सरकार वहन करेगी। बैंक सचिव विभा खेतान ने जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना 1 अप्रैल 2025 से शुरू होकर 30 सितंबर 2025 तक संचालित की जाएगी। योजना में वे सभी ऋण खाते पात्र हैं जो 1 जुलाई 2024 तक अवधिपार श्रेणी में वर्गीकृत हैं, लेकिन वर्ष 2014-15 में राज्य सरकार की 5% ब्याज अनुदान योजना के अंतर्गत दिए गए ऋण इसमें शामिल नहीं किए जाएंगे। योजना का लाभ लेने के लिए पात्र ऋणी को 30 जून 2025 तक देय राशि का कम से कम 25% बैंक में जमा कराना अनिवार्य है, जबकि शेष राशि अधिकतम तीन किश्तों में योजना अवधि के भीतर जमा करनी होगी। योजनान्तर्गत केवल अवधिपार ब्याज व अन्य व्ययों की शत-प्रतिशत राहत दी जाएगी, जबकि मूलधन व बीमा प्रीमियम की राशि ऋणी को स्वयं चुकानी होगी। बैंक सचिव ने बताया कि इस योजना के तहत किसानों को बड़ी राहत मिलेगी और उन्हें दोबारा आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी। योजना की अधिक जानकारी के लिए संबंधित शाखा कार्यालय से या प्रधान कार्यालय के दूरभाष नंबर 01592-232643 पर संपर्क किया जा सकता है।

हार में भी छिपी होती है परिश्रम की जीतः एचपी नेमीवाल

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। शिक्षाविद्ध एचपी नेमीवाल ने खिलाडियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपका लक्ष्य दूरगामी व उच्च स्तरीय होना चाहिए और स्वयं की कमजोरी को पहचानकर उसमें सुधार करते हुए आगे बढे। खेल जीवन के लिए अनिवार्य है, यह केवल स्वास्थ्य लाभ के लिए ही नही जीविकोपार्जन का भी महत्वपूर्ण साधन है। वे सोमवार को गावं खालासी में बालाजी क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित सात दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सपने बड़े रखो, साथ ही उन्हें पूरा करने का संकल्प भी लेना चाहिए। एचपी नेमीवाल ने कहा कि हार व जीत एक ही सिक्के के दो पहलू है। कभी कभार हार मे भी जीत छीपी होती है, इसलिए खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 7 दिवसीय प्रतियोगिता में 24 टीमों ने भाग लिया। जिसमें कायमसर की टीम विजेता तथा किसारी की टीम उप विजेता रही। समापन समारोह में अतिथियों ने विजेता टीम को 1111 रुपये व ट्रॉफ़ी और उपविजेता टीम को 5555 रुपए नगद व ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मौजास सरपंच मुकेश कुमार झाझरिया, राजेंद्र सिंह राठौड़ आदि मंचासीन अतिथि रहे। प्रायोजक महिपाल सिंह, वकील महेंद्र नेमीवाल, विक्की,आशु कुलहरि, गौरव सैनी, सोनू,उमेश व अनुज कुमार ने विशेष सहयोग दिया। इस अवसर पर दयानंद कुलहरि, देवकरण नेमीवाल, भारत सिंह, कुलदीप, नानूराम, हरलाल सिंह, चिरंजी लाल सैनी सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

झुंझुनूं में बीडीके अस्पताल से निकाली गई जागरूकता रैली

नर्सिंग विद्यार्थियों ने किया नशा मुक्ति का आह्वान

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। नशामुक्त भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में व्याप्त नशे की बुराई को जड़ से खत्म करने के उद्देश्य से बीडीके अस्पताल झुंझुनूं की ओर से सोमवार को शहर में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली की शुरुआत अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) डॉ. जितेन्द्र भाम्बू ने हरी झंडी दिखाकर की। रैली में बीडीके अस्पताल के नर्सिंग और मेडिकल विद्यार्थियों ने भाग लिया। रैली का मार्ग शहर के प्रमुख स्थानों- कलेक्ट्रेट परिसर, रोडवेज बस स्टैंड, नगर परिषद क्षेत्र और प्रमुख बाजारों से होकर गुजरा। इस दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में तख्तियां, पोस्टर और बैनर लेकर "नशा छोड़ो - जीवन से नाता जोड़ो", "नशा जीवन का शत्रु है", "स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन बसता है" जैसे नारों के साथ आमजन को जागरूक किया।

पूरे परिवार को बर्बाद करता है नशा

डॉ. जितेन्द्र ने बताया कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार को बर्बादी की ओर ले जाता है। यह सामाजिक, मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से व्यक्ति को कमजोर बना देता है। नशे के कारण व्यक्ति गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाता है और कई बार समय से पहले मौत का शिकार भी हो जाता है। उन्होंने कहा कि नशा करने वाला व्यक्ति न केवल अपनी सेहत खोता है, बल्कि उसका पारिवारिक और सामाजिक जीवन भी संकट में पड़ जाता है। अनेक घर नशे की वजह से उजड़ चुके हैं।

युवा निभाएं सक्रिय भूमिका

डॉ. भाम्बू ने अपील की कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए और समाज को इस बुराई से मुक्त करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। रैली में भाग ले रहे विद्यार्थियों ने बताया कि नशा एक सामाजिक अभिशाप है, जो देश के युवाओं को गुमराह कर रहा है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसका दुष्परिणाम भविष्य की पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। इसीलिए नशे के खिलाफ यह अभियान सिर्फ एक दिन का नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे निरंतर चलाकर जन-जागरूकता को बढ़ाना होगा।

विवाहित बेटी की डेडबॉडी छत पर वाटर- टैंक में मिली

8 महीने पहले हुई थी शादी, पीहर आई हुई थी बेटी

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। 22 साल की शादीशुदा बेटी की डेडबॉडी घर की छत पर रखी पानी की टंकी में मिली। यह देख परिजन के हाथ-पैर फूल गए। उन्होंने उसे पानी से निकालकर हॉस्पिटल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बेटी पीहर आई हुई थी। घटना झुंझुनूं जिले के धनुरी थाना इलाके के सोनासर गांव से सोमवार को हुई। धनुरी थाना पुलिस के अनुसार कुलदीप कुमारी (22) की शादी 4 नवम्बर 2024 को आलोक कुमार लांबा के साथ हुई थी। उसका ससुराल बिगोदना गांव में है। शादी के बाद से कुलदीप अपने ससुराल में ही रह रही थी। 15 जून रविवार को कुलदीप के पिता हरलाल सिंह उसे अपने गांव (पीहर) सोनासर लेकर आए थे। कुलदीप की मां और भाई जितेंद्र खेते पर चारा लेने गए थे। पीछे से घर पर वह अकेली थी। चारा लाने के बाद मां-भाई लौटे। बेटी घर में कहीं नजर नहीं आई। मां उसे तलाशने लगी। भाई घर के पीछे बाड़े में चारा रखने चला गया। काफी आवाज लगाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। पूरे घर में तलाश की गई लेकिन कुलदीप का कुछ पता नहीं चला। आखिर मां ने छत पर जाकर देखा तो टंकी का ढक्कन खुला हुआ था। टंकी में झांका तो बेटी पानी में डूबी मिली। मां ने बेटे को आवाज दी। सभी ने मिलकर कुलदीप को टंकी से निकाला और आरआर हॉस्पिटल ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एसडीएम की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम

घटना की सूचना पर धनुरी थाना के हेड कॉन्स्टेबल महेन्द्र कुमार पुलिस टीम के साथ हॉस्पिटल पहुंचे। शव को झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। एसडीएम मलसीसर की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद परिजन को सौंप दिया गया। फिलहाल पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि घटना हादसा थी , या मामला आत्महत्या - मर्डर का है ।

समसपुर ग्राम पंचायत लोगों ने किया कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

नगर परिषद में शामिल करने का विरोध

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं जिले के समसपुर गांव के ग्रामीणों ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों की प्रमुख मांग है कि ग्राम समसपुर को नगर परिषद झुंझुनूं के परिसीमन क्षेत्र से अलग किया जाए और इसे ग्राम पंचायत के रूप में ही बनाए रखा जाए।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि हाल ही में नगर परिषद झुंझुनूं के परिसीमन के तहत प्रस्तावित 23 गांवों में से 19 गांवों को पहले ही वापस लेकर उनकी पूर्ववर्ती पंचायतों में मिला दिया गया है, लेकिन समसपुर गांव को अब तक नगर परिषद से अलग नहीं किया गया है। इसको लेकर ग्रामवासियों में गहरा रोष है। ग्रामीणों ने बताया कि नगर परिषद के मास्टर प्लान 2031 में समसपुर गांव को शामिल नहीं किया गया था। इसके बावजूद गांव को नगर परिषद सीमा में लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों का तर्क है कि समसपुर गांव नगर परिषद झुंझुनूं से करीब 9 किलोमीटर दूर स्थित है, जबकि अन्य कई निकटवर्ती गांवों को नगर परिषद में शामिल नहीं किया गया है। इस प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे समसपुर निवासी दयाराम डूडी ने कहा कि हमारी ग्राम पंचायत को यथावत बनाए रखने की मांग को लेकर हम कई बार प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं। जिला कलेक्टर और मुख्यमंत्री जनसुनवाई में भी ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मजबूरी में आज हमें प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ा है। दयाराम डूडी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से नगर परिसीमन के लिए गठित समिति की रिपोर्ट में भी समसपुर गांव को नगर परिषद क्षेत्र से बाहर रखने की अनुशंसा की गई थी। इसके बावजूद समसपुर को नगर परिषद झुंझुनूं में शामिल करना स्थानीय जनभावनाओं के विरुद्ध है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि समसपुर गांव में पिछले 50 वर्षों से सड़क, बिजली, पानी जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं पहले से ही उपलब्ध हैं, जबकि नगर परिषद क्षेत्र की कई कॉलोनियों में अब तक यह सुविधाएं नहीं पहुंची हैं। ऐसे में नगर परिषद में शामिल करने से समसपुर की विकास प्रक्रिया बाधित हो सकती है। प्रदर्शन में शामिल ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन उनकी मांगों की अनदेखी करता है तो वे आने वाले समय में और बड़ा जन आंदोलन खड़ा करेंगे।

रतनगढ़ नागरिक परिषद दिल्ली एनसीआर ने चिकित्सालय में लगाया वाटर कूलर

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी के पास पेयजल की आवश्यकता पूर्ति के लिए रतनगढ़ नागरिक परिषद ट्रस्ट दिल्ली एनसीआर की ओर से वाटर कूलर स्थापित किया गया है। ट्रस्ट के स्थानीय समन्वयक कुलदीप व्यास ने बताया कि चिकित्सालय परिसर में आने वाले रोगियों व उनके परिजनों के उपयोगार्थ यह वाटर कूलर स्वर मानक चंद - मोहिनी देवी दूगड़ की स्मृति में उनके सुपुत्र पवन दूगड़ की ओर से प्रदान किया गया है। ट्रस्ट के सचिव कुणाल व्यास, सहयोजित सदस्य संतोष कुमार इंदौरिया व जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर वेदप्रकाश ने सीएमएचओ कार्यालय के पास स्थापित इस शीतल जल मंदिर का विधिवत शुभारंभ किया। संतोष कुमार इंदौरिया ने ट्रस्ट की ओर से किए जा रहे सेवाकार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। डॉ वेदप्रकाश ने चिकित्सालय परिवार की ओर से ट्रस्ट व दूगड़ का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के स्थानीय प्रतिनिधि मनोज जोशी, चिकित्सालय स्टाफ के कमल कुमार आत्रेय , गोपाल मीणा, शंकरलाल, मोहन बहल आदि उपस्थित रहे।

प्लेन हादसे के मृतको को दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। मां आथ आश्रम फाउंडेशन व सर्व समाज के तत्वावधान में संगम चौराहे पर प्लेन हादसे में मारे गए लोगों को रविवार की रात श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान फाउंडेशन के संस्थापक सुभाष सोनी ने कहा कि अहमदाबाद में हुई इस घटना से हर कोई दुखी है। इस मौके पर दो मिनट का मौन रखकर एवं कैंडल जलाकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष बबलू सोनी, विकास सोनी, सुभाष स्वामी, विष्णु स्वामी, राजेंद्र मंगलहारा, देवीदत्त प्रजापत, सुरेश सोनी, हीरालाल सोनी, दीनदयाल शर्मा, विशालसिंह, शमशेर खान सहित कई लोग उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम, मुनि जय कुमार पधारे

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनि जयकुमार सोमवार प्रातः लगभग 700 बजे श्री युनियन क्लब अतिथि भवन पधारे। मुनि श्री का स्वागत श्री युनियन क्लब, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के पदाधिकारियों ने किया। मुनि श्री के सान्निध्य में आयोजित आध्यात्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम में मुनि जय कुमार, मुनि मुदित कुमार ने मंत्रों आदि का तन्मयता से उच्चारण करते हुए सम्पूर्ण वातावरण को आध्यात्मय बना दिया। आध्यात्मिक अनुष्ठान में सभी की सहभागिता रही। कार्यक्रम में युनियन क्लब के मंत्री खेमचंद बरड़िया ने गीतिका से मुनि का स्वागत अभिनन्दन किया। आभार ज्ञापित शांतिलाल दुधोड़िया ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में सभाध्यक्ष राजकुमार विनायक, तेयुप मंत्री रजत बैद, महिला मंडल मंत्री रीना बैद, श्रावक श्राविका समाज व राजलदेसर के अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन मुनि श्री की ओर से मंगल पाठ सुनाकर हुआ।

एसबीडी राजकीय महाविद्यालय के दो एनसीसी कैडेट्स ट्रैकिंग कैम्प के लिए रवाना

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के एसबीडी राजकीय महाविद्यालय के एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट कमलेश कुमार जोशी ने बताया कि 17 जून से 26 जुन तक पंजाब वं चंडीगढ़ निदेशालय की ओर से उतराखंड में आयोजित ट्रैकिंग कैम्प में महाविद्यालय से पूजा सारण पुत्री हुणताराम सारण तथा अनिता कुमारी, पुत्री संदीप पूनियां भाग ले रही है। लेफ्टिनेंट जोशी ने बताया कि इस ट्रैकिंग कैम्प में ट्रैकिंग, पर्वतारोहण, रॉक

क्लाइंबिग, पैरासेलिंग, वाटर राफ्टिंग जैसी गतिविधियां आयोजित की जायेगी। इस ट्रैकिंग कैम्प का मुख्य उद्देश्य एनसीसी कैडेट्स को शारीरिक, मानसिक और चरित्र निर्माण से संबंधित विभिन्न कौशलों में प्रशिक्षित करना है। जिससे वह भविष्य में नेतृत्व की भूमिका निभा सके और समाज के लिए योगदान कर सकें। प्राचार्य डॉ कविता शर्मा ने एनसीसी कैडेट्स को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए ट्रेकिंग कैम्प के लिए महाविद्यालय से रवाना किया।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की जिला बैठक में दी अधिकारों की जानकारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस) शहर के राम मंदिर के पास सम्यक कंप्यूटर सेंटर में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की केंद्रीय समिति के सदस्य डॉ संदीप पांडिया, क्षेत्रीय सह संयोजक शिवकुमार व्यास, प्रांत अध्यक्ष एडवोकेट भूपेंद्र पारीक, प्रांत सचिव रितेश शर्मा, अध्यक्ष मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक पारीक के सान्निध्य में एक मुख्य कार्यकर्त्ताओं की जिला बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए डॉ पांडिया ने कहा कि वैसे तो ग्राहक बाजार का राजा होता है। लेकिन अपने अधिकारों से अनभिज्ञता के कारण अन्याय का शिकार हो जाता है। प्रांत अध्यक्ष एडवोकेट भूपेंद्र पारीक ने ग्राहकों को उनके अधिकारों व उत्तरदायित्वों से परिचय कराते हुए अखिल

भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन को सुदृढ़ करने का आह्वान किया। बैठक को क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री शिवकुमार व्यास ने संबोधित करते हुए कहा कि ग्राहक पंचायत में ग्राहक को न्याय ही नहीं पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता भी इसके प्रमुख आयाम है। प्रांत सह सचिव रितेश शर्मा ने संगठन की रीति-नीति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण व आगंतुकों का स्वागत सत्कार से किया गया। शिक्षाविद् सरोज पारीक ने ग्राहक गीत का संगान करवाया।कार्यक्रम की रूपरेखा अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, राजस्थान प्रांत की सह सचिव डॉ प्रभा पारीक ने साझा करते हुए सभी से संगठन में सक्रिय सहयोग करने का निवेदन किया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रबुद्धजनों से ग्राहक के रुप में किसी प्रकार की जिज्ञासा समाधान के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया। जिसमें अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के अधिकारियों ने उनका समाधान किया। इस दौरान जितेंद्र शर्मा, विशाल पूर्वा, मुकेश भामा, विकास पारीक, राजकुमार तिवाड़ी, बनवारीलाल जांगिड, ओमप्रकाश पारीक, मनीराम व्यास, किशन मोयल ने कार्यक्रम में सहभागिता प्रदान की। कार्यक्रम में पंचायत संगठन के प्रांत अध्यक्ष एडवोकेट भूपेंद्र पारीक ने जिला संयोजक वैद्य महेंद्र शर्मा व जिला संयोजिका एडवोकेट ऋतु कंवर राठौड़ की घोषणा की। धन्यवाद ज्ञापन रोजगार आयाम जयपुर प्रांत के सह संयोजक गिरधारीलाल सैनी ने तथा कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो पीके पांडिया ने किया। इस अवसर पर अभिषेक भोजक, विजय कुमार पारीक, हिमांशु पूर्वा, गोविंद सैनी, मुकेश राव, सुनील, पुनीत गोयल, नितेश ध्रुव मुद्गल, विजय भोजक, मुकेश सेवदा, विकास परीक, ओमप्रकाश पारीक, राजकुमार तिवाड़ी, बनवारीलाल जांगिड़, जितेंद्र शर्मा, किशन मोयल, मुकेश भामा, मनीराम व्यास, रमेश व्यास, वैद्य महेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सरदारशहर में झमाझम बरसात से मौसम खुशनुमा, 10 एमएम बारिश

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में सोमवार शाम को मौसम विभाग के जारी निर्देश के साथ ही झमाझम बरसात का दौर शुरू होने से क्षेत्र में 10 एमएम की बरसात आने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं बरसात आने से क्षेत्र का मौसम भी खुशनुमा हो गया। लोगों ने जमकर बरसात का स्वागत करते हुए लुफ्त उठाया। खेतों में मुरझा रही फसलों के लिए यह बरसात वरदान

साबित होगी। पिछले दो दिनों से शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में बरसात होने से लोगों को प्रचंड गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के बताए गाइडलाइन के अनुसार इस बार क्षेत्र में अधिक व अच्छी बरसात होने के संकेत दिए जा रहे हैं। वहीं बरसात के आगमन से खेतों में अब किसानों की हलचल भी देखी जा रही हैं। वहीं मामूली बरसात के बाद शहर के आथुणा बाजार, सब्जी मंडी, बोडिया कुआं, शिव मार्केट सहित निचले इलाकों में पानी का भराव होने से लोगों को कुछ परेशानियों से भी गुजरना पड़ा। वहीं बरसात के आगमन के साथ ही नगर परिषद की टीम भी अलर्ट होते हुए पानी निकासी के समाधान में जुटी हुई है। शिव मार्केट की लीला गली में वहां से गुजर रहे नालों के ऊपर लगी जालियां टूटी हुई होने के कारण और पानी भराव होने से वहां से गुजर रहे लोगों के लिए वहां के व्यापारियों ने रास्ता बंद किया है। व्यापारियों ने नगर परिषद से नई जाली लगाने की मांग की गई है। ताकि बरसात के मौसम में कोई बड़ी दुर्घटना न हो। इसको लेकर नगरी परिषद से समस्या के समाधान की मांग की गई है।

जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग, ईओ को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में नगरपालिका उपाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश घिटाला ने अधिशाषी अधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया। पत्र के उल्लेख किया कि बरसात के मोसम में मुलडाई बस्ती में पानी एकत्रित हो जाता है। जिससे आवागमन के साथ आमजन को भी पानी से गुज़रना पड़ता है। जिससे आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पालिका की ओर से वर्णित स्थान पर 20एच पी का पम्प सैट लगाने की निविदा तैयार है, जिस पर अध्यक्ष के भी हस्ताक्षर हैं। फिर भी राजनीतिक दबाव से यह निविदा आज तक नहीं हुई। मानसुन की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए तीन दिवस में यह निविदा करवाए।

तेरापंथ युवक परिषद की पहल, सरकारी अस्पताल में लोगों को पिलाई लस्सी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के तेरापंथ युवक परिषद ने जन सेवा का अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया। सोमवार को सरकारी अस्पताल में राहगीरों और मरीजों को लस्सी वितरण किया। अस्पताल डॉ चंद्रभान जांगिड़ ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अस्पताल के मयंक मोदी, बुलाकी शर्मा, मोहित सोनी और आनंद देरासरी ने भी सहयोग दिया। कार्यक्रम में 1000 से अधिक लोगों को लस्सी वितरित की गई। यह आयोजन जवरीमल डोसी की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी रेशमीदेवी डोसी के सौजन्य से किया गया। तेयुप अध्यक्ष लोकेश सेठिया ने बताया कि संगठन नियमित रूप से ऐसे जन सेवा कार्यक्रम करता रहता है। तेयुप के पदाधिकारियों में मंत्री अर्हम सुराणा, उपाध्यक्ष धीरज दूगड़, कोषाध्यक्ष शुभम लूनियां और अन्य सदस्यों ने अस्पताल के सभी वार्डों में जाकर मरीजों और उनके परिजनों को लस्सी वितरित की। इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

पं.भंवरलाल शर्मा की स्मृति में निर्मित सप्त ऋषि दरबार, सप्त ऋषि जलाशय व वेदव्यास मंच का लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में रविवार को पूर्व मंत्री स्व. पंडित भंवरलाल शर्मा की स्मृति में निर्मित सप्त ऋषि दरबार का उद्घाटन पूर्व प्रधान मनोहारी देवी, राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष केशरीचन्द शर्मा व वेदव्यास मंच व सप्तर्षि जलाशय का उद्घाटन रामवतार पारीक, विद्याधर पारीक, डॉ लता श्रीमाली संस्कृत अकादमी जयपुर, डॉ किशनलाल शास्त्री संभागीय संस्कृत निदेशक बीकानेर, बंशीधर बोहरा, मुरलीधर शर्मा, धर्माचार्य पं. बालकृष्ण कौशिक, सागरमल आत्रेय ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों की ओर से दीप प्रज्वलन व विद्यार्थियों की ओर से वेद मन्त्रों चार से हुआ। अतिथियों का स्वागत शाल, श्रीफल, माल्यार्पण द्वारा प्रभा पारीक, छगनलाल सेवदा, दुर्गाराम पारीक, ओमप्रकाश रूंथला, प्रकाश पारीक, कमला प्रसाद जोशी, नवलकिशोर हारित, बलदेव इन्दोरिया, भींवाराम शास्त्री, बजरंग पारीक, मुखराम नाथोलिया, श्यामलाल गील, राकेश सेवदा, घनश्याम जोशी, सुशील जोशी, महेन्द्र कुमार उपाध्याय ने स्वागत किया। अतिथियों ने 130 प्रशिक्षणार्थी पंडितों को सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया। देहात से आये विद्वान आचार्यो का सम्मान किया गया। आचार्यों ने चारों वेदों का सस्वर वेद मन्त्रों का पाठ किया। शिविर में अध्यापन करवाने वाले शिक्षकों को सम्मानित

किया गया। इस अवसर पर डॉ लता श्रीमाली निदेशक राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर ने आश्रम के वेद अध्यापकों के लिए अकादमी से अनुदान देने की घोषणा की। उन्होंने आश्रम व्यवस्था को उत्कृष्ट बताते हुए सराहना की। पूर्व प्रधान मनोहारी देवी ने आश्रम को हरसंभव मदद करने का वादा किया। पं. केशरीचन्द शर्मा ने वेद व्यास मंच के निर्माण करवाने पर रामवतार पारीक गोगासर को हार्दिक बधाई दी। पंडित शर्मा ने भारतीय वैदिक संस्कृति को बढ़ावा देने व सनातन धर्म को उत्तरोत्तर उन्नति की ओर ले जाने का कार्य सप्तर्षि वेद वेदांग ऋषि कुल ब्रह्मचर्याश्रम की सराहना की। पं. बालकृष्ण कौशिक ने संस्था की भविष्य की योजनाओ से अवगत करवाया। मंत्री शंकरलाल उपाध्याय ने स्वागत भाषण दिया व संस्था के विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। समारोह में राधेश्याम गील, एडवोकेट राधेश्याम शर्मा, सुरेश रूंथला, गोवर्धन उपाध्याय, महेन्द्र कुमार उपाध्याय, बलदेव शर्मा, रामचंद्र दाधीच, जनकलाल दाहिया, विष्णु गौड़, भरत गौड़, सुनील मिश्र, नरेंद्र राजपुरोहित, भींवाराम शास्त्री, महावीर प्रसाद शास्त्री, शक्ति शास्त्री, नारायण शास्त्री, पं. शंकरलाल उपाध्याय भोजूसर, पुरुषोत्तम मिश्रा, आकाश भारद्वाज, आचार्य रामदेव पारीक, बलदेव शर्मा सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन महेन्द्र देरासरी ने किया।

शिक्षाविद् रतन सैन का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय होली धोरा में शिक्षाविद् रतन सैन का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ईकबाल खां एदलखानी, नायब तहसीलदार मोहम्मद असलम खांन, नूर मोहम्मद खान पहाड़ियान, अब्दुल मजीद धोलिया, इस्माईल खां मुजादखानी, शाहिद खान, आवेश धोलिया, पार्षद ईकबाल खां कायमखानी, सेजू खां, मोहम्मद अर्सलान खान आदि ने एवरग्रीन स्कूल के निदेशक रतन सेन का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए माल्यार्पण कर अभिनंदन किया।

सुंदरकांड पाठ का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। मींगना गांव की नाइयों की ढाणी में स्थित खेजड़ी वाले बालाजी मंदिर में सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। विनोद गहलोत ने बताया की महावीर मस्त मंडल सुजानगढ़ की ओर से मंदिर में सुंदरकांड की शानदार प्रस्तुति दी गई। इसके बाद मंदिर में प्रसादी का आयोजन किया गया। सुंदरकांड पाठ में मींगना, लोडसर, सुजानगढ़ सहित दूर दराज क्षेत्र से आए श्रद्धालुओं ने पाठ में आकर बालाजी के धोक लगाई व मनोकामना का नारियल बांधा।

सोनोग्राफी के बहाने डॉक्टर ने लड़की से की अश्लील हरकत, आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

बाड़मेर(निस)। सोनोग्राफी के लिए डॉक्टर ने 16 साल की मरीज को कमरे में बुलाया। लड़की ने आरोप लगाया कि कमरे में डॉक्टर ने उसे गलत तरीके से छुआ और अश्लील हरकत की। घटना शनिवार को बाड़मेर के शिव थाना इलाके के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में हुई। रविवार को पॉक्सो की धाराओं में डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। शिव थाने के सत्यप्रकाश ने बताया- लड़की के परिजन ने रविवार शाम शिव थाना इलाके के एक प्राइवेट हॉस्पिटल के डॉक्टर विष्णु चौधरी (33) के खिलाफ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने का मामला दर्ज कराया। (सोमवार) को लड़की के बयान लिए हैं। पूरे मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने पूरे मामले की विभागीय जांच कर सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। पिता ने पुलिस को बताया- शनिवार शाम को बेटी को तेज पेट दर्द की शिकायत हुई। उसे हम शिव के प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। वहां डॉ. विष्णु चौधरी ने बेटी को चेक किया और सोनोग्राफी के लिए अकेले कमरे में बुलाया। कमरे से बाहर निकलने के बाद बेटी डरी-सहमी थी। उसने दूसरे दिन रविवार को अपने पिता को डॉक्टर की हरकत के बारे में बताया। बेटी ने बताया- सोनोग्राफी रूम में डॉक्टर ने गलत तरीके से छूने लगा। अश्लील

व्यवहार किाय। विरोध किया तो वहां से हट गया। रविवार शाम परिजन बेटी को लेकर शिव थाने पहुंचे और डॉक्टर के खिलाफ पॉक्सो में मामला दर्ज कराया। इस मामले में सोमवार को डॉक्टर को फोन किया तो नॉट रीचेबल आ रहा है। बाड़मेर सीएमएचओ विष्णुराम विश्नोई ने बताया- हॉस्पिटल का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। विष्णु चौधरी नाम से सोनोग्राफी का लाइसेंस लिया हुआ है। मैंने ब्लॉक हेल्थ ऑफिसर को हॉस्पिटल सीज करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस भी मामले में कार्रवाई कर रही है।

जल जीवन मिशन में बनी टंकियों की होगी जांच

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बनी टंकियों की होगी और सीएम कार्यालय की ओर से इसको लेकर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांग ली गई है। भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर ने सुजानगढ़ क्षेत्र में जेजेएम के तहत बनी पानी की टंकियों को लेकर जांच की मांग की थी। जिस पर सीएम के विशेषाधिकारी ने पीएचईडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव को पत्र भेजकर सात दिनों में परीक्षण कर तथ्यात्मक टिप्पणी, वस्तुस्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। आपको बता दें कि गांव हंसासर में पानी की टंकी गिरने के बाद सुजानगढ़ में भी टंकियों की जांच की मांग की गई थी।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
17 जून, 2025

हमारी पीढ़ी में जल व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की सोच विकसित करनी होगी : कन्हैयालाल चौधरी

'वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान' अंतर्गत जिले के चलकोई में बालाजी जोहड़ में किया जल पूजन

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व भूजल विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने सोमवार को 'वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान' अंतर्गत चूरू के चलकोई स्थित बालाजी जोहड़ में जल पूजन किया और पौधरोपण व श्रमदान कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, प्रधान दीपचंद राहड़, वासुदेव चावला, ओम सारस्वत, सुरेश सारस्वत, नरेन्द्र काछवाल आदि सहित अन्य मंचस्थ रहे। भंवरलाल स्वामी, सज्जन सिंह बीका, मघाराम मेघवाल, किशन सिंह, राजेन्द्र, रामदेव, दशरथ सहित अन्य ग्रामवासियों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि पानी को बचाना हमारी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप हम प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति अपने दायित्वों को समझें और उनका समुचित निर्वहन करते हुए प्राकृतिक संपदा का संवर्धन करें। उन्होंने कहा कि 'वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान' में जनता की

भागीदारी ही इसकी सफलता की कुंजी है। हमारी पीढ़ी ने आधुनिकता के कारण प्रकृति व प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम दोहन किया है और अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरती है। इसके परिणामस्वरूप आज पृथ्वी का तापमान निरंतर बढ़ रहा है तथा प्राकृतिक संसाधनों की निरंतर हानि हो रही है। हमारा दायित्व है कि हम पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक आदतों में शामिल करें तथा हमारी पीढ़ी में जल व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की सोच विकसित करनी होगी। पानी एवं प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं। हमें इनका मितव्ययतापूर्ण व संतुलित उपयोग करना होगा। वर्तमान में केंद्र सरकार ने 8 लाख करोड़ रुपए पेयजल पर बजट खर्च कर रही है। इसी के साथ गरीबों, वंचित वर्ग को आवास, खाद्य सुरक्षा योजना अंतर्गत अनाज, फ्री इलाज आदि सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि हम पेड़ लगाए तथा उनके सर्वाइवल की जिम्मेदारी भी लें। हम सभी की जिम्मेदारी है हम पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करें। सभी मिलकर अभियान में जुटें। प्रकृति हमें आशीर्वाद देगी और हमारी कृषि सहित आजीविका गतिविधियों में भी इसका लाभ मिलेगा। विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि आने वाली पीढ़ी हमें कोसे नहीं, इसलिए हम पानी बचाएं। हमें स्वयं से शुरुआत करनी होगी। सरकार ने घर-घर जल पहुंचाने का संकल्प लिया है, लेकिन हमें बरसात के जल को बचाने के लिए घरों में कुंड, टंकी आदि बनाने होंगे। सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही प्रकृति का संरक्षण हो सकेगा। उन्होंने कहा कि चूरू मरुस्थलीय जिला है। यहां पानी की कमी है। इसलिए हम भौगोलिक परिस्थितियों के मध्यनजर पानी व प्रकृति का महत्व समझें। पानी को बचाएं और परिवेश के अन्य लोगों को भी जागरूक करें। उन्होंने चलकोई क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति को सात्यूं से जोड़े जाने का आग्रह किया। जिला प्रमुख वंदना आर्य ने कहा कि हमारी सरकार ने जन-जन को जल संरक्षण से जोड़ने के लिए अभियान चलाया है। हम अपने तालाब, कुंड, बावड़ी आदि को बचाएं, संरक्षित करें व उनका रखरखाव रखें। परंपरागत जल स्रोतों के साथ बरसात के पानी का अधिकतम संरक्षण करें। यह हमारा दायित्व और कर्तव्य बनता है कि हम आने वाली पीढ़ी को संतुलित पर्यावरण व सुरक्षित भविष्य विरासत में दें। प्रधान दीपचंद राहड़ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए 'एक पेड़- मां के नाम' अभियान अंतर्गत अधिक अधिक पेड़ लगाए जाने की अपील की तथा चलकोई स्थित बालाजी जोहड़ के जीर्णोद्धार कार्य के लिए पीएचईडी मंत्री से आह्वान किया।

बालाजी जोहड़ के जीर्णोद्धार के करवाएंगे काम

इस अवसर पर मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने उपस्थित जनसमूह से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए चलकोई क्षेत्र को सात्यूं से जोड़े जाने की घोषणा की तथा बालाजी जोहड़ में तारबंदी, पौधरोपण, मरम्मत व जीर्णोद्धार कार्य करवाए जाने के लिए बजट उपलब्ध कराने के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान एसीईओ दुर्गा ढाका, तहसीलदार अशोक गौरा, पीएचईडी एडिशनल चीफ इंजीनियर राममूर्ति, पीएचईडी एसई चुन्नीलाल, रवि आर्य, गोपाल बालाण, श्रीराम पीपलवा, किशन सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी व ग्रामवासी मौजूद रहे।

माकपा के राष्ट्रीय सम्मेलन की बैठक में निर्णय, स्थानीय मुद्दों को लेकर पार्टी करेगी आंदोलन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के 24 वें पार्टी राष्ट्रीय सम्मेलन तमिलनाडु के मुदरई में 2 अप्रैल से 6 अप्रैल तक हुआ। जिसमें पार्टी की राजनीतिक लाइन और जनसंघर्षों पर चिंतन किया गया। रिपोर्टिंग पार्टी जिला सचिव मंडल सदस्य कॉमरेड रामस्वरूप सारण ने बताया कि दुनियां के पैमाने पर पूंजीपति के सहयोग से आम गरीब को सरकार लुट रही है। भाजपा की केंद्र सरकार पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए किसानों की जमीन ली जा रही है। देश में पूंजीपतियों का राज है। लड़ाई पूंजीपतियों और समाजवाद के बीच है। जिला सचिव छगनलाल चौधरी ने बताया कि बीमा क्लेम, बिजली सहित अनेक मुद्दों पर जिले में संघर्ष तेज करेंगे। पार्टी अपनी रीति नीति को जन जन तक पहुंचायेंगी। पार्टी सचिव रामकृष्ण छींपा ने बताया कि आने वाले दिनों में नौजवानों के मुद्दों को लेकर पार्टी एक व्यापक आंदोलन करेगी?। बैठक में काशीराम सारण, हनुमान बरोड़, भगवानराम जाखड़, सांवरमल मेघवाल, हजारीराम सारण, मो. सलीम, डूंगराराम बेनीवाल, कुमाराम जाखड़, ओमप्रकाश बेनीवाल, सांवरमल डूडी, संदीप भारतीय सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेजडा के ग्रामीणों ने पानी की समस्या को लेकर किया प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील की ग्राम पंचायत खेजड़ा के लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। पिछले 3-4 महीनों से आपणी योजना के तहत नियमित जल आपूर्ति नहीं होने से 900 घरों के लोग और पशुधन परेशान हैं। ग्रामीणों ने आपणी योजना कार्यालय में विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त किया। सामाजिक कार्यकर्ता कालूराम तिवाड़ी ने बताया कि गांव के तीन मोहल्लों में स्थित 900 घरों को प्रतिदिन 2 लाख लीटर पानी की आवश्यकता है। लेकिन वर्तमान में केवल 50 हजार लीटर पानी ही मिल पा रहा है। गाजूसर टंकी से होने वाली पानी की आपूर्ति में कुछ अवैध कनेक्शन भी पाए गए हैं। ग्रामीणों ने पीएचईडी विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं किया गया तो सरदारशहर-साहवा मुख्य सड़क पर जाम लगाया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी कर विरोध दर्ज करवाया। पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन करने वालों में पूर्व सरपंच कालूराम तिवाड़ी, तोलाराम जोशी, किशनलाल जोशी, ओम प्रकाश जोशी, जयपाल बाना, फूलाराम बाना, ओमप्रकाश बाना, ओमसिंह भाटी, रोहिताश भाटी, जितेंद्र भाटी, मोहरसिंह पंवार, राजू पंवार, नीमाराम पंवार, देवीलाल पंवार, राजूदास स्वामी, राकेश पंवार, भंवरलाल पांडिया, पतराम स्वामी, महेंद्र सारण, मांगीलाल पंवार, सूनाराम पंवार, बाबूलाल पंवार, रामलाल पांडिया, महेंद्र सांखला, राजेंद्र भाटी, पवन जोशी, विनोद मुंड, राजू मुंड, विक्रम सारण, पृथ्वी सांखला, काशी बाना, मोहरसिंह बाना सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने किया सुजानगढ़ तहसील कार्यालय व गोपालपुरा नर्सरी का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

चूरू/ सुजानगढ़(निस)। बीकानेर अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसंवत सिंह ने सोमवार को जिले के सुजानगढ़ तहसील कार्यालय व गोपालपुरा में नर्सरी का निरीक्षण किया। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने तहसील कार्यालय का निरीक्षण का समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, राजस्व परिवादों, आमजन से प्राप्त परिवादों के समयबद्ध निस्तारण आदि के निर्देश दिए। एडीएम मंगलाराम पूनिया ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने गोपालपुरा नर्सरी का अवलोकन कर तैयार पौध, पौधरोपण की तैयारियों व कार्ययोजना की जानकारी ली। नर्सरी प्रभारी वनरक्षक विरेन्द्र सिंह ने समुचित जानकारी दी। तत्पश्चात ग्राम गोपालपुरा में हरीतिमा ढाणी का अवलोकन किया। प्रशासक सविता राठी ने हरीतिमा ढाणी में हरियालो राजस्थान कार्यक्रम अन्तर्गत किए गए विकास कार्यों, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पौधरोपण आदि के बारे में अवगत करवाया। इस अवसर पर अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

झालावाड़ में 18.39 ग्राम स्मैक सहित आरोपी गिरफ्तार, कीमत करीब 3.60 लाख रुपए

जयपुर टाइम्स

(निस)। झालावाड़ की बकानी थाना पुलिस ने मंडीखोह रोड स्थित थोबड़िया मैगजीन के पास एक कमरे में छापा मारकर 18.39 ग्राम स्मैक बरामद की है। इसके साथ हीर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसपी ऋचा तोमर के अनुसार थानाधिकारी महेंद्र यादव के नेतृत्व में विशेष टीम ने यह कार्रवाई की। आरोपी राधेश्याम तंवर (23) पाटलिया लोढान, थाना भालता का रहने वाला है। उसके पास से 18.39 ग्राम स्मैक बरामद की गई। जब्त की गई स्मैक की कीमत लगभग 3 लाख 60 हजार रुपए आंकी गई है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने जयपुर, उदयपुर और कोटा के समन्वयको से किया संवाद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सोमवार को प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम, जयपुर पर जयपुर, उदयपुर व कोटा संभाग के विधानसभा क्षेत्रों में नियुक्त समन्वयकों से वन-टू-वन संवाद कर बैठक ली और संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी लेते हुए क्षेत्र में संगठन के कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए डोटासरा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस की ओर से सभी विधानसभा क्षेत्रों में नियुक्त समन्वयकों को अपने प्रभाव वाले विधानसभा क्षेत्र में जाकर ब्लॉक एवं मण्डल की बैठक लेने के लिए निर्देशित किया गया था और मण्डल व ब्लॉक की कार्यकारिणी पूर्ण रूप से गठित करने तथा रिक्त पदों को भरने के लिए सक्रिय कार्यकर्ता का चयन करने की जिम्मेदारी प्रदान की गई थी। उन्होंने कहा कि सभी ब्लॉकों की कार्यकारिणी अपडेट हो चुकी है, रिक्त पद भरे जा चुके है और यह समस्त सूचना डिजीटल माध्यम से प्राप्त की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में मण्डल के गठन के पश्चात् 80 प्रतिशत मण्डलों में कार्यकारिणी आज दिनांक तक बनायी जा चुकी है और शेष रहे मण्डल की कार्यकारिणी 28 जून, 2025 तक बना ली जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलए नियुक्त करने का कार्य जोर-शोर से चल रहा है और 72 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में बीएलए नियुक्त करने का कार्य पूर्ण हो चुका है, चूंकि चुनाव आयोग ने बीएलए की नियुक्ति के लिए भरे जाने वाले फॉर्म में फोटो तथा मोबाईल नम्बर अंकित करने के लिए नई गाईडलाईन जारी की है जिसकी पालना में अब बीएलए नई गाईडलाईन के अनुसार बनाने का कार्य 28 जून, 2025 तक पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है और इस कार्य को पूर्ण करने के लिए सभी समन्वयकों आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए है

और उनसे व्यक्तिगत फीडबैक लेकर कठिनाईयों को दूर करने के लिए वह स्वयं सभी स्तरों पर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस की ओर से पूर्व में स्थानीय नेताओं की अनुशंषा पर आवश्यकता होने पर 80 स्थानों पर नगर कांग्रेस कमेटियों का गठन किया गया था किन्तु अब निर्णय लिया गया है कि सभी 249 नगरपालिका क्षेत्रों में नगर कांग्रेस कमेटियों का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां अकेले ब्लॉक में नगरपालिका क्षेत्र हैं वहां केवल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का गठन हुआ किंतु कोई ऐसा क्षेत्र जहां ब्लॉक में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र दोनों हैं और उस क्षेत्र में नगरपालिका भी है तो वहां आवश्यक रूप से नगर कांग्रेस कमेटी का गठन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधे से अधिक स्थानों पर नगर कांग्रेस कमेटियों का गठन हो चुका है और शेष का गठन कर उनकी कार्यकारिणी बनाने के लिए आज से अभियान प्रारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा समन्वयकों ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है और उन्हें नई जिम्मेदारी यही दी गई है कि जहां भी नगर कांग्रेस कमेटियों का गठन हुआ है वहां 28 जून, 2025 तक कार्यकारिणी बनायी जाएं। उन्होंने कहा कि बूथ, मण्डल और ब्लॉक के कार्यों का सूक्ष्मता के साथ वे स्वयं फीडबैक ले रहे है। उन्होंने कहा कि विधायक अथवा विधायक प्रत्याशी ब्लॉक और मण्डल की मीटिंगों में कितनी बार शामिल हो रहे है, यह रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि हर्ष का विषय है कि बहुत सारे विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर पर 11 सदस्यीय कार्यकारिणी बनायी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बीएलए की नियुक्ति, मण्डलों की कार्यकारिणी और बूथ कार्यकारिणी पूर्ण करने के निर्देश विधानसभा समन्वयकों को दिए गए है और यह सारा संगठनात्मक कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में मण्डल अध्यक्ष अथवा ब्लॉक अध्यक्ष की ओर से सक्रियता के साथ सहयोग नहीं करने की सूचना मिल रही है, वहां वे स्वयं इन पदाधिकारियों को सक्रिय होकर कार्य करने के लिए प्रेरित कर रहे है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय और पंचायत राज चुनावों में नगर अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष की भूमिका प्रमुख रूप से रहेगी, यह निर्णय प्रदेश कांग्रेस ने लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विधानसभा और लोकसभा चुनावों में जिलाध्यक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण करने का निर्णय लिया है उसी कड़ी में प्रदेश में होने वाले निकाय व पंचायती राज चुनावों में ब्लॉक मण्डल तथा नगर कांग्रेस कमेटी की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि आगामी पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत टिकट 50 वर्ष से कम आयु के युवाओं को दिए जाएंगे।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की पहल

झोटवाड़ा को मिला पहला फ्लड कंट्रोल सेंटर, अब जलभराव से मिलेगी राहत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कैबिनेट मंत्री व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के अथक प्रयासों से झोटवाड़ा विधानसभा में पहली बार फ्लड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई है। बरसात के मौसम में झोटवाड़ा क्षेत्र में जलभराव की समस्या आम जनजीवन को प्रभावित करती रही है। इस नई फ्लड कंट्रोल व्यवस्था से अब समय रहते निगरानी, समन्वय और त्वरित कार्रवाई संभव होगी, जिससे क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि झोटवाड़ा में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और जनता को राहत देना भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। फ्लड कंट्रोल सेंटर एक प्रभावी कदम है, जिससे मानसून में झोटवाड़ा जलभराव से मुक्त होगा। इस महत्वपूर्ण पहल के लिए झोटवाड़ा वासियों ने कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का आभार व्यक्त किया है।

डूंगरपुर में नाबालिग ने फंदा लगाकर किया सुसाइड, दो साल से पिता बीमार

डूंगरपुर

डूंगरपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के चक महुडी गांव में नाबालिग ने आंगन में फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। नाबालिग की पहचान राहुल रोत के रूप में हुई। वह सातवीं कक्षा का छात्र था। घटना रविवार शाम की है। राहुल अपने छोटे भाई-बहन के साथ आंगन में खेल रहा था। उसकी मां मजदूरी के लिए गई हुई थी। इसी दौरान राहुल ने कपड़े सुखाने के तार पर रुमाल का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। छोटे भाई-बहन के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। कोतवाली थाने के हेड कॉन्स्टेबल नारायणलाल खराड़ी के अनुसार, नाबालिग के चाचा गोविंद रोत ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। राहुल के पिता दिलीप रोत दो साल पहले एक दुर्घटना में घायल हो गए थे। तब से वे बिस्तर पर हैं और चल-फिर नहीं सकते। परिवार में राहुल के तीन भाई और दो बहनें हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को नीचे उतारकर डूंगरपुर अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया। सोमवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला कलक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं पर चर्चा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

अधिकारी प्रोजेक्ट कार्यों की करें नियमित मॉनिटरिंग: सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए। सुराणा ने कहा कि अधिकारी प्रोजेक्ट कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। प्रोजेक्ट कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। सभी विभागों के आपसी समन्वय से बेहतरीन सेवाओं का लाभ आमजन को दें। उपखंड अधिकारी प्रोजेक्ट कार्यों को देखें तथा नियमित एनालिसिस करें। उन्होंने कहा कि जिले में 24 जून से पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा आयोजित किया जाना है। इसके लिए प्रत्येक उपखंड में अधिकारी समुचित कार्य योजना

तैयार करें। मानसून को देखते हुए रिचार्ज शाफ्ट के कार्य यथाशीघ्र पूरे करवाएं। परंपरागत जल स्रोतों की सफाई व मरम्मत करें तथा बरसात के दौरान उनमें पानी का संचय करें। भूमिगत जलस्तर को बढ़ाने के यह प्रयास प्रदेशव्यापी अभियान है। इसकी गंभीरता समझें, खानापूर्ति नहीं करें। उन्होंने विकास अधिकारियों से कहा कि स्वामित्व योजना अंतर्गत मैप–1 के प्रमाणीकरण से संबंधित कार्य पूरा किया जाए। इसी के साथ पौधरोपण महाभियान को लेकर पौधशालाओं में पौध तैयार करें व पौधारोपण के लिए पूर्व तैयारी रखें। चारागाह विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने उपखंड अधिकारियों व विकास अधिकारियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत वार्षिक भौतिक सत्यापन को यथाशीघ्र शत प्रतिशत पूरे किए जाने को लेकर निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने 'वंदे गंगा – जल संरक्षण जन अभियान अंतर्गत आयोजित गतिविधियों, पीएम आवास शहरी व ग्रामीण, मुख्यमंत्री जनसुनवाई, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े, धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान, पौधरोपण, पीएम कृषि सिंचाई योजना, पीएम कुसुम योजना अंतर्गत किसानों को जागरूक कर आवेदन करवाने, एमजेएसए 2.1 के कार्य पूरे करवाने, लाडो योजना, एनएफएसए आवेदनों का निस्तारण करने आदि को लेकर विस्तृत चर्चा कर समुचित निर्देश दिए। एडीएम अर्पिता सोनी ने 23 जून से आयोजित होने वाली प्राध्यापक भर्ती परीक्षाओं व संपर्क पोर्टल, सीएम जनसुनवाई को लेकर निर्देश दिए। सीईओ श्वेता कोचर ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के आयोजन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान एसीईओ दुर्गा ढाका, कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे तथा वीसी के जरिए सभी ब्लॉकों से ब्लॉक स्तरीय अधिकारी जुड़े रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।